जबलपुर
सोमवार, 27 अक्टूबर 2025
कार्तिक मास शुक्ल पक्ष-6
वर्ष : 20, अंक : 178
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 31
न्यून. 28

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

जल जीवन मिशन से बदली तस्वीर

15.72 करोड़ घरों तक पहुंचा नल का पानी

नई दिल्ली। देश में हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने की दिशा में जल जीवन मिशन ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। 22 अक्टूबर तक इस मिशन के तहत 15.72 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल से जल की सुविधा मिल चुकी है, जो ग्रामीण भारत के 81 प्रतिशत से अधिक घरों को कवर करता है। गौरतलब है कि पीएम मोदी ने 15 अगस्त 2019 को इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत की थी।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

औरंगाबाद नहीं 'छत्रपति संभाजीनगर' कहिए

मुंबई। दक्षिण मध्य रेलवे ने एक ऐतिहासिक घोषणा करते हुए 'औरंगाबाद रेलवे स्टेशन' का नाम बदलकर 'छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन' कर दिया है। रेलवे ने बताया कि यह नाम परिवर्तन औपचारिक रूप से लागू कर दिया गया है।

संत प्रेमानंद के दर्शन को उमड़ा आस्था का सैलाब

मथुरा। वृंदावन में शनिवार की रात वृंदावन में श्रद्धा और आस्था का ऐसा दृश्य देखने को मिला जैसा पहले कभी नहीं देखा गया था। प्रेमानंद महाराज के दर्शन के लिए एक से डेढ़ लाख भक्त वृंदावन पहुंचे। दो किलोमीटर लंबी सड़क पर पैर रखने तक की जगह नहीं थी।

एसबीआई 3500 ऑफिसर पदों पर करेगा नियुक्तियां

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक अपने परिचालन को मजबूत करने और देश भर में सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए लगभग 3,500 अधिकारियों की नियुक्ति करने जा रहा है। एसबीआई के उप प्रबंध निदेशक ने एक साक्षात्कार में ये जानकारी दी।

दिल्ली में छात्रा पर एसिड अटैक, दोनों हाथ जले

नई दिल्ली। दिल्ली के मुकुंदपुर इलाके में रविवार को दिल्ली विवि की एक 20 वर्षीय छात्रा पर एसिड अटैक का मामला सामने आया है। पीड़िता को गंभीर रूप से जलने के कारण भर्ती किया गया। पीड़िता द्वितीय वर्ष की छात्रा है। कॉलेज जाते समय हमला हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदान किए एमपी एक्सीलेंस अवार्ड-2025

बहनें अब जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर बन रहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बहनें अब जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर बन रही हैं। उद्योग और निवेश के क्षेत्र में महिलाएं वह आत्मविश्वास लेकर आई हैं, जो आने वाले वर्षों में मप्र को आत्मनिर्भर भारत का ग्रोथ इंजन बनाएगा।

प्रदेश के 47 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप में महिलाओं की हिस्सेदारी है। लखपति दीदी योजना से प्रदेश की एक लाख से अधिक महिलाएं प्रतिवर्ष एक लाख से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं।

» कृषि-उद्योग, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण के साथ बायोटेक और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में भी अब पहचान बना रही हैं महिलाएं

» मुख्यमंत्री ने सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएं भी दीं

5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों से लगभग 62 लाख बहनें जुड़ीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों से लगभग 62 लाख बहनें जुड़कर न सिर्फ अपने घर की आर्थिक स्थिति सुधार रही हैं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुधारने में भी अपना योगदान दे रही हैं। ग्रामीण अंचलों में स्व-सहायता समूह अब उत्पादन, पैकेजिंग, मार्केटिंग और डिजाइनिंग के क्षेत्र में कदम रख चुके हैं। प्रदेश की महिलाएं कृषि-उद्योग, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण, वस्त्र निर्माण, बायोटेक और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में भी अपनी पहचान बना रही हैं।

22 वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में बोले पीएम मोदी, एक्ट ईस्ट नीति का किया जिक्र

21वीं सदी हमारी...भारत आसियान के साथ हर मुश्किल में मजबूती से खड़ा

मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में आसियान समिट की शुरुआत हो गई, यह समिट दक्षिण-पूर्व एशिया के 10 देशों का बड़ा मंच है, जहां व्यापार, सुरक्षा, शिक्षा और संस्कृति जैसे मुद्दों पर बात होगी। लेकिन, अब इसके सदस्य देशों की संख्या 10 से बढ़कर 11 हो गई है। ईस्ट तिमोर को आधिकारिक रूप से 11वें सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22वें आसियान (एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशिया नेशंस) -भारत शिखर सम्मेलन 2025 में वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने थाईलैंड की क्वीन मदर के निधन पर संवेदना प्रकट की और आसियान देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि अनिश्चितता के इस दौर में भारत-आसियान व्यापक रणनीतिक साझेदारी निरंतर मजबूत हुई है।

हमारी मजबूत साझेदारी वैश्विक स्थिरता और विकास का आधार बनकर उभर रही है। पीएम मोदी ने 2026 को आसियान-भारत समुद्री सहयोग का वर्ष भी घोषित किया। पीएम मोदी ने कहा कि इस वर्ष आसियान शिखर सम्मेलन का विषय 'समावेशीपन और स्थिरता' है। यह विषय हमारे साझा प्रयासों में स्पष्ट रूप से दिखती है, चाहे वह डिजिटल समावेशन हो या वर्तमान चुनौतियों के बीच खाद्य सुरक्षा और लचीली आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करना।

2026 आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष घोषित

थाईलैंड की क्वीन मदर के निधन पर संवेदना प्रकट की

सांस्कृतिक संबंधों का किया जिक्र

पीएम मोदी ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत और आसियान मिलकर विश्व की लगभग एक-चौथाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं। हम न केवल भूगोल साझा करते हैं, बल्कि गहरे ऐतिहासिक संबंधों और साझे मूल्य के जोड़ से जुड़े हुए हैं। हम वैश्विक दक्षिण का हिस्सा हैं। हमारे बीच न केवल व यापारिक संबंध हैं,

मलयेशियाई प्रधानमंत्री को बधाई दी

पीएम मोदी ने कहा कि मलयेशियाई प्रधानमंत्री और मेरे मित्र अनवर इब्राहिम आपने मुझे आसियान परिवार में शामिल होने का अवसर दिया, इसके लिए मैं बहुत खुश हूं। मैं आपको इस सफल शिखर सम्मेलन के लिए बधाई देता हूं।

पीएम मोदी ने 'मन की बात' में ग्वालियर के बीएसएफ डॉग ट्रेनिंग सेंटर का किया जिक्र

भारतीय नस्ल के श्वानों के बढ़ते उपयोग पर संतोष जताया

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात की 127वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित करते हुए भारतीय नस्ल के श्वानों (डॉग्स) के बढ़ते उपयोग पर संतोष जताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि करीब 5 वर्ष पहले उन्होंने भारतीय नस्ल के डॉग्स को अपनाने की अपील की थी और अब इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारतीय नस्ल के श्वान हमारे परिवेश और परिस्थितियों के अनुरूप आसानी से ढल जाते हैं। देश की सुरक्षा एजेंसियां जैसे बीएसएफ और सीआरपीएफ ने अपने दस्तों में भारतीय नस्ल के डॉग्स की संख्या बढ़ाई है।

निगम की लापरवाही से हादसा, बच्चों की मौत से आक्रोश

क्रिकेट खेलते वक्त गेंद ढूंढने गए दो सगे भाई सेप्टिक टैंक में गिरे

जबलपुर। नगर में रविवार शाम नगर निगम की लापरवाही ने दो एक परिवार के चिराग बुझा दिये। दो मासूम जिंदगियां निगल लीं। गोहलपुर थाना के तहत मनमोहन नगर त्रिमूर्ति नगर क्षेत्र में क्रिकेट खेलते हुए गेंद खोजने गए दो सगे भाई विनायक उर्फ तन्नू (12 वर्ष) और कान्हा (10 वर्ष) सेप्टिक टैंक में गिर गये। टैंक झाड़ियों से घिरा होने के कारण बच्चे उसे देख नहीं पाए। घटना रविवार शाम की है जब राजेश विश्वकर्मा के बेटे घर के पास ही क्रिकेट खेल रहे थे। गेंद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की दीवार के भीतर जा गिरी। दोनों बच्चे दीवार फांदकर अंदर पहुंचे और झाड़ियों में गेंद ढूंढने लगे। पर उन्हें यह अंदाजा नहीं था कि झाड़ियों के बीच एक खुला सेप्टिक टैंक है। गेंद की तलाश में दोनों टैंक के किनारे पहुँचे और फिसलकर उसमें गिर गए। साथ खेल रहे बच्चों ने काफी देर तक दोनों को न लौटते देख खोजबीन शुरू की। तभी टैंक के पास एक चप्पल पड़ी दिखाई दी जिससे अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर टीआई रीतेश पांडे पुलिस बल और फायर ब्रिगेड के साथ मौके पर पहुँचे। रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद टैंक से दोनों बच्चों के शव बाहर निकाले। हादसे के बाद रहवासी फूट पड़े। लोगों ने कहा कि जिस जगह हादसा हुआ, वहां टैंक को खुला छोड़ दिया गया था। रहवासियों का आरोप है कि ठेकेदार, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही इस हादसे के लिए जिम्मेदार है। लोगों ने सवाल उठाया कि आख़िर बच्चों से गलती नहीं, लेकिन सिस्टम की लापरवाही ने क्यों ली उनकी जान?

मऊगंज में रेप पीड़िता के पिता का बंदूक की नोक पर अपहरण

» आरोपी 3 महीने से दे रहा था धमकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रीवा/मऊगंज

मऊगंज में नाबालिग गैंगरेप पीड़िता के पिता का फिल्मी अंदाज में बंदूक की नोक पर अपहरण कर लिया गया। रेप के आरोपी ने ही इस वारदात को अंजाम दिया।

घटना से गुस्साए लोगों ने हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। घटना शनिवार रात 9 बजे की है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के ही पंकज सोनी ने स्कॉर्पियो से नाबालिग के पिता का अपहरण किया है। हाईवे पर जाम की सूचना मिलते ही मऊगंज सिंह और एसडीओपी सची पाठक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पूर्व विधायक चतुर्वेदी की बिगड़ी तबीयत

एयरलिफ्ट कर दिल्ली के मेदांता भेजा, इलाज जारी

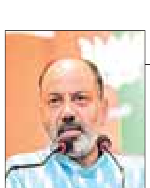

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भिंड विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश चतुर्वेदी की तबीयत भिंड में शनिवार देर रात अचानक गंभीर रूप से बिगड़ गई। उनको भिंड से ग्वालियर के बिरला अस्पताल गया।

भिंड में दलित युवक की हत्या

परिजनों ने आरोपी के घर में की तोड़फोड़, लगाई आग

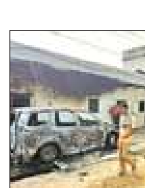

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिंड

जिले में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने शनिवार देर रात हिंसक रूप ले लिया। दबोह थाना क्षेत्र के रायपुरा-रिनियां गांव के पास लाठी-डंडों से की गई बर्बर पिटाई में एक दलित युवक की मौत हो गई।

फंदे पर लटका मिला शव

जुजित्सु खिलाड़ी रोहिणी कलम ने की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ देवास

अंतरराष्ट्रीय जुजित्सु खिलाड़ी और मार्शल आर्ट कोच रोहिणी कलम (35), निवासी अर्जुन नगर राधागंज ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रोहिणी आष्टा में एक निजी स्कूल में मार्शल आर्ट कोच के रूप में कार्यरत थीं और शनिवार को ही घर देवास लौटी थीं।

आज घाटों पर होगी छठ पूजा, बड़े तालाब में छोड़े जाएंगे 2100 दीप

पटना में गंगा नदी किनारे जुटी भीड़

नौका विहार करेंगी छठी मैया

भोपाल। दर्शन देहू न अपार हे छठी मैया, उग हे सूरजदेव अरघ के बेरिया, सुन ले अरजिया हमार हे छठी मैया... जैसे अनेक भोजपुरी गीतों की गूंज सोमवार शाम शहर के तालाबों, सरोवर आदि के घाटों समेत 60 से अधिक स्थानों पर सुनाई देगी।

रिलायंस का एआई में मेगा प्लान

जामनगर में होगी 1 गीगावाट डेटा सेंटर की शुरुआत

1 लाख करोड़ निवेश से गुजरात में बनेगा 1 गीगावाट डेटा सेंटर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सेक्टर में बड़ा दांव लगाने जा रही है।

मॉर्गन स्टैनली की रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी अगले कुछ वर्षों में 12-15 अरब डॉलर (लगभग 1 लाख करोड़) का निवेश कर सकती है। इसका मुख्य उद्देश्य भारत में गीगावॉट-स्केल एआई डेटा सेंटर तैयार करना और देश को डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में आत्मनिर्भर बनाना है। रिलायंस का पहला 1 गीगावाट डेटा सेंटर जामनगर, गुजरात में तैयार हो रहा है। पहले चरण में 100 मेगावाट की क्षमता का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसे अगले दो वर्षों में बढ़ाकर 1गीगावाट तक ले जाया जाएगा। इस डेटा सेंटर का एक हिस्सा एआई और लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स पर काम करने वाली कंपनियों लीज पर दिया जाएगा। रिलायंस गूगल के साथ मिलकर जामनगर में एक डेडिकेटेड क्लाउड रीजन भी स्थापित कर रही है, जो देश की डिजिटल जरूरतों को नई दिशा देगा।

आज से कल तक 8 जिलों में भारी और 25 जिलों में मध्यम बारिश का यलो अलर्ट

8 जिलों में 8 डिग्री तक गिरा पारा

भोपाल में फिलहाल ऐसी ही बारिश, दिन-रात के पारे में 3 डिग्री का अंतर, कोहरे जैसी छाई धुंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश के मध्य और दक्षिणी हिस्से में बारिश का दौर चला। पिछले दो दिन से अधिकांश जिलों में पड़ी बौछारों से दिन के तापमान में तेजी से कमी आई। रविवार को भोपाल में दिन और रात के तापमान में केवल 3 डिग्री का अंतर रह गया। दिन के पारे में सीजन में सर्वाधिक 6.5 डिग्री की गिरावट के साथ पारा 24.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 7.9 डिग्री कम है, जबकि रात का पारा 20.8 डिग्री रहा है। यह सामान्य से 3.4 डिग्री अधिक है। बारिश के असर से 8 जिलों में दिन के तापमान में 5 से 8 डिग्री तक की कमी आई है, जिससे उमस से राहत रही। भोपाल में मध्यम से हल्की बारिश के बीच शाम को कोहरे जैसी दिखने वाली धुंध से विजिबिलिटी 1000 मीटर के करीब पहुंच गई।

भोपाल में 24 घंटे में 2 और सुबह 8:30 से शाम 5:30 बजे तक 8 मिमी बारिश

राजधानी के जेल रोड का दृश्य, शाम 4:30 बजे

कहां सबसे ज्यादा गिरा पारा

रविवार को सर्वाधिक दिन के पारे में कमी रतलाम में 8 डिग्री की रही। यहां अधिकतम पारा 24.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 8.7 डिग्री कम है। भोपाल, धार, इंदौर, उज्जैन, दमोह, जबलपुर और सागर में पारा 5 से 7 डिग्री तक गिरकर औसतन 24 डिग्री तक आ गया। इन जिलों में रात का औसत पारा 21 डिग्री रहा। पश्चिमी मप्र के शेष जिलों के दिन के पारे में औसत डेढ़ डिग्री तक कमी रही।

समाधि पर हर रोज पहुंच रहे 5 से 10 हजार से ज्यादा लोग, 23 सितंबर को हुआ था अंतिम संस्कार

कमरकुची बना सिंगर जुबीन का स्मारक स्थल: अब तक 5 लाख गमछे चढ़े

एजेंसी ▶▶ दिशपुर

सिंगर जुबीन गर्ग सिर्फ एक गायक ही नहीं बल्कि एक बेहतरीन इंसान भी थे। अपने जीवन में उन्होंने सैकड़ों लोगों की मदद की जिसके चलते आज भी वहां के लोग उनके निधन के बाद आंसू बहा रहे हैं। इतना ही नहीं 19 सितंबर को सिंगापुर में डूबने से हुई मौत के बाद सोनापुर जिले के कमरकुची गांच जहां उनका अंतिम संस्कार हुआ था वहां लोगों का मेला सा लगा हुआ है। गुवाहाटी से 31 किमी दूर इस गांव में 10 बीघा के करीब जमीन को जुबीन का 'देवालय' सा मान लिया गया है। अब यहां हर रोज 5 से 10 हजार लोग उनकी समाधि पर पहुंच रहे हैं। जुबीन के अंतिम संस्कार के बाद से इन 36 दिनों में उनकी समाधि पर अब तक 5 लाख से ज्यादा असमिया गमछे चढ़ाए जा चुके हैं। यहां पहुंचने वाले लोग जुबीन की दरियादिली की बातें कहते नहीं थकते। बता दें कि जुबीन ने 52 की उम्र तक 40 हजार से ज्यादा गाने खुद लिखे और गाए।

अब तक चढ़ चुके 5 लाख से ज्यादा गमछे

जुबीन के अंतिम संस्कार के बाद से इन 36 दिनों में उनकी समाधि पर अब तक 5 लाख से ज्यादा असमिया गमछे चढ़ाए जा चुके हैं। हजारों चिट्ठियां जुबीन के नाम पर यहां चढ़ाई जा चुकी हैं। यहां पहुंचने वाले कई लोग ऐसे भी हैं जो यहां 500-800 किमी दूर से पहुंच रहे हैं। इनमें हर उम्र के लोग शामिल हैं।

जुबिन की पहचान रही असमिया गमछा

यहां आने वाले लोग भी वही गमछा पहने नजर आते हैं, क्योंकि जुबीन अपनी असमिया पहचान के लिए इसे चूमते थे। इन गमछों में वही बातें लिखी हैं, जिन्होंने जुबीन को 'असम का लाड़ला' बनाया। गमछों पर लिखा है- जय जुबीन दा।

अफगानिस्तान के बीच तुर्किये में 9 घंटे बैठक चली बाद में...

पाकिस्तान ने दी धमकी-फिर छिड़ सकती है जंग

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों को रोकने के लिए एक संयुक्त मॉनिटरिंग सिस्टम बनाने के लिए तुर्किये के इस्तांबुल में दूसरे दौर की बातचीत की। हालांकि पाकिस्तान अभी भी गीदड़भभकी देने से बाज नहीं आ रहा है और उसने कहा है कि अगर बातचीत विफल रहती है तो अभी युद्ध का विकल्प खुला है। दोनों देशों के बीच इस महीने की शुरुआत में सीमा पर झड़पें हुईं थी, जिसमें दर्जनों सैनिक और आम नागरिक और कथित आतंकवादी मारे गए थे। 19 अक्टूबर को दोनों पक्षों के बीच कतर के दोहा में बैठक हुई, जिसमें अस्थायी शांति बहाली पर सहमति बनी। तुर्किये ने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की।

संयुक्त निगरानी तंत्र बनाने पर सहमति

दोहा में हुए समझौते के अनुसार, पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच दूसरे दौर की बातचीत शनिवार को तुर्किये के इस्तांबुल में हुई। पाकिस्तान की तरफ से दिए गए आधिकारिक बयान के अनुसार, बातचीत में सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों को रोकने और व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए एक संयुक्त निगरानी तंत्र स्थापित करने पर चर्चा हुई। साथ ही दोनों देशों के बीच लंबे समय तक राजनीतिक समझ बनाने पर भी विचार किया गया। पाकिस्तान की तरफ से अफगान तालिबान को एक व्यापक आतंकवाद रोधी योजना सौंपी गई है।

अफगानिस्तान को गीधड़भभकी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बयान में धमकी दी है कि अगर अफगान तालिबान के साथ बातचीत विफल रहती है तो युद्ध का विकल्प खुला है। ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पिछले चार-पांच दिनों से सीमा पर शांति है, और दोहा में पहले दौर की बातचीत के दौरान दोनों देशों के बीच जिन बिंदुओं पर सहमति जताई गई थी, उनमें से 80 प्रतिशत बिंदुओं को लागू किया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि पाकिस्तान द्वारा चार दशकों से अधिक समय तक अफगानों की मेजबानी करने के बावजूद अफगानों ने पाकिस्तान में आतंकवाद का समर्थन किया।

दोनों देशों ने राष्ट्रपति ट्रंप को दिया धन्यवाद

थाईलैंड-कंबोडिया ने सीजफायर समझौता किया

एजेंसी ▶▶ कुआलालंपुर

थाईलैंड और कंबोडिया के नेताओं ने रविवार को दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संघ (आसियान) शिखर सम्मेलन के दौरान एक विस्तारित सीजफायर समझौते पर हस्ताक्षर किए। ये समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उपस्थिति में हुआ। जिन्होंने जुलाई में दोनों देशों के बीच पांच दिनों तक चले घातक सीमा संघर्ष को रोकने के लिए हस्तक्षेप किया था। ट्रंप के आगमन के तुरंत बाद हस्ताक्षरित इस समझौते ने क्षेत्रीय शांति की उम्मीदें जगाई हैं। शांति समझौते के बाद थाई पीएम और कंबोडियाई पीएम ने ट्रंप का आभार जताया। ये विस्तारित सीजफायर समझौता तीन महीने पहले हुई एक संधि पर आधारित है।

जल्द रिहा होंगे युद्धबंदी

उन्होंने वादा किया कि हथियारों को तुरंत हटाने और युद्धबंदियों (पीओडब्ल्यू) को मुक्त करने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। फुमथम ने आगे कहा, यदि इस घोषणा का पूर्ण कार्यान्वयन हो गया तो ये स्थायी शांति के निर्माण खंड प्रदान करेगा। कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेत ने भी ट्रंप, चीन सरकार और मलेशिया की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये समझौता भरोसे को पुनर्निर्माण करने और आगे बढ़ने का वक्त है।

जुलाई में हुआ था संघर्ष

दरअसल, जुलाई में थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर भड़के संघर्ष ने दर्जनों लोगों की जान चली गई थी और लाखों लोग बेघर हो गए थे। ये विवाद फ्रांसीसी उपनिवेशवाद काल से चली आ रही सीमा विवाद पर आधारित था, जिसमें प्रीहविहार मंदिर क्षेत्र शामिल है। संघर्ष के तीसरे दिन ट्रंप ने दोनों देशों के तत्कालीन नेताओं से फोन पर बातचीत की और संघर्ष खत्म करने की अपील की। चेतावनी दी कि यदि युद्ध नहीं रुका तो वाशिंगटन के साथ उनके ट्रेड वार्ताओं को रोक दिया जाएगा।

मैं हर महीने रुकवाता हूं युद्धः ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर को 'बेहतरीन लोग' बताया है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका जल्द ही पाकिस्तान-अफगानिस्तान संघर्ष को सुलझा देगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें शांति समझौते कराने में खुशी मिलती है और उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में कई संघर्षों को रोका है। मैं हर महीने जंग रुकवाता हूं,उन्होंने पाकिस्तान-अफगान संघर्ष को जल्द सुलझाने की बात कही।

खबर संक्षेप

दो दिन की यात्रा पर सेशेल्स रवाना हुए उपराष्ट्रपति

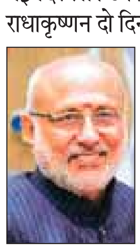

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन दो दिन की यात्रा पर सेशेल्स रवाना हो गए हैं। वे सेशेल्स के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। इस दौरान वे डॉ. हर्मिनी को भारत की ओर से शुभकामनाएँ देंगे और दोनों देशों के बीच घनिष्ठ और दीर्घकालिक संबंधों की पुष्टि करेंगे। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि सेशेल्स भारत के विज़न 'महासागर' के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण साझेदार है।

बस्तर में 21 नक्सलियों ने हथियारों संग किया सरेंडर

बस्तर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में आज 21 नक्सलियों ने लाल आतंक का साथ छोड़ मुख्यधारा में लौट आए। हथियारों संग सरेंडर करने वाले नक्सलियों में 4 डीवीसीएम ,9 एसीएम और 8 पार्टी सदस्य शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में 13 महिला कैडर और 8 पुरुष कैडर हैं। केशकाल डिविजन (नॉर्थ सब जोनल ब्यूरो) की कुएमारी/किस्कोडो एरिया कमेटी के कुल 21 लोगों ने आज शासन के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

मलेशिया में आसियान सम्मेलन का पहला दिन

भारत की कई देशों ने जमकर की सराहना बताया- विशेष संबंधों वाला 'साझेदार' देश

2026 को आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष घोषित किया

एजेंसी ▶▶ कुआलालंपुर

मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में चल रहे 47वें आसियान शिखर सम्मेलन में भारत को लेकर दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों ने सराहना की है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने भारत को 'विशेष संबंध' वाला साझेदार बताया। उन्होंने कहा, मलेशिया का भारत के साथ हमेशा विशेष रिश्ता रहा है। प्रधानमंत्री मोदी आसियान और मेरे व्यक्तिगत मित्र हैं। इब्राहिम ने द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत बनाने और जन-से-जन संपर्क बढ़ाने पर बल दिया।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इब्राहिम से मुलाकात में मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं और द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। मलेशिया ने भारत को व्यापार, निवेश, तकनीक, शिक्षा और क्षेत्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण साझेदार माना। आसियान महासचिव डॉ. काओ किम हौरन ने व्यापक सामरिक साझेदारी (सीएसपी) की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी अर्थपूर्ण, ठोस और पारस्परिक लाभकारी है।

◆ मलेशिया ने भारत को व्यापार निवेश, तकनीक में सहयोगी माना

आसियान में भारत को बताया पर्यटन का केंद्र

2025 को आसियान-भारत पर्यटन वर्ष घोषित करने के बाद, सतत पर्यटन पर संयुक्त नेताओं का बयान अपनाया गया। पर्यटन को आर्थिक विकास और लोगों के बीच संपर्क का महत्वपूर्ण माध्यम बताया गया। 2026 को 'आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष' घोषित किया गया, जिसमें समुद्री सुरक्षा, मानवीय सहायता और ब्लू इकोनॉमी पर काम होगा। यह संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के अनुरूप होगा। सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीनी प्रीमियर ली कियांग, जापानी पीएम ताकाइची सनाए और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग जैसे नेता शामिल हैं।

मलेशिया में रेड कार्पेट पर नाचे ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आसियान शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए मलेशिया के कुआलालंपुर पहुंच गए हैं। एयरपोर्ट पर पहुंचते ही उनका जोरदार स्वागत हुआ। विमान से उतरते ही ट्रंप ने जमकर ठुमका लगाया। ट्रंप के ठुमके को देख हर कोई हैरान रह गया। ट्रंप के मलेशिया दूर वाला यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिस पर यूजर तरह तरह की प्रतिक्रियां दे रहे हैं।

अमेरिका और वियतनाम में व्यापार समझौते पर सहमति

अमेरिका और वियतनाम ने आपसी व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक समझौते पर सहमति जताई है। इस समझौते का मकसद दोनों देशों के व्यापार को न्यायसंगत और संतुलित बनाना है। समझौते के तहत दोनों देशों के निर्यातकों को एक-दूसरे के बाजार में आसानी से प्रवेश करने का अवसर मिलेगा। इससे व्यापार बढ़ने और आर्थिक संबंध मजबूत होने की उम्मीद है। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस व्यापार समझौते की और जानकारी जल्द ही साझा की जाएगी।

भारत-आसियान व्यापार 130 अरब डॉलर पर पहुंचा

भारत-आसियान व्यापार 2024 में 130 अरब डॉलर से अधिक पहुंचा है। सम्मेलन में डिजिटल इकोनॉमी, हरित ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखला पर फोकस रहा। आसियान ने भारत को इंडो-पैसिफिक में संतुलनकारी शक्ति माना। अनवर इब्राहिम ने कहा, भारत-आसियान संवाद स्थिरता और समृद्धि का बल है। यह सम्मेलन 'समावेशिता और सततता' थीम पर आधारित है।

एंटी-टैरिफ विज्ञापन पर भड़के राष्ट्रपति

ट्रंप ने गुस्से में कनाडा पर लगाया 10 फीसदी टैरिफ

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

अमेरिका और कनाडा के बीच ट्रेड वॉर तेज होता जा रहा है। इस घमासान को कनाडा के टैरिफ विज्ञापन ने और तूल दे दिया, जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के साथ सभी व्यापार वार्ताओं को खत्म करने की घोषणा की। वहीं अब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के बयान वाले विवादित टैरिफ विज्ञापन को नहीं हटाने पर आगबबूला हुए ट्रंप ने 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ की घोषणा की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कनाडा के टैरिफ-विरोधी विज्ञापन को लेकर गुस्से में हैं। इस बीच ट्रंप ने कनाडा पर विवादित विज्ञापन जल्दी ना हटाने पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त आयात कर लगाने का एलान किया है।

■ आपत्ति के बाद पर चलता रहा विज्ञापन

व्यापार वार्ता कर दी समाप्त

कनाडा के विज्ञापन में पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के शब्दों का इस्तेमाल अमेरिकी टैरिफ की आलोचना करने के लिए किया गया था, जिससे ट्रंप नाराज हो गए और कनाडा के साथ व्यापार वार्ता समाप्त कर दी। कई कनाडाई उत्पादों पर पहले से ही 35% टैरिफ लागू है, जबकि स्टील और एल्युमीनियम पर 50% टैरिफ है, और ऊर्जा उत्पादों पर केवल 10% टैरिफ लागू है। ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि अतिरिक्त 10% टैरिफ किन उत्पादों या क्षेत्रों पर लागू होगा।

विज्ञापन के प्रसार से भड़के ट्रंप

हालांकि ओंटारियो के प्रीमियर डग फोर्ड ने कहा कि वह सप्ताहांत के बाद इस विज्ञापन को हटा देंगे। इस बीच यह विज्ञापन शुक्रवार रात वर्ल्ड सीरीज के पहले मैच के दौरान चलाया गया। ट्रंप ने एयर फोर्स वन से मलयेशिया जाते समय अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा, उनका विज्ञापन तुरंत हटाया जाना था, लेकिन उन्होंने इसे बीती रात वर्ल्ड सीरीज के दौरान चलने दिया, यह जानते हुए भी कि यह एक धोखाधड़ी है।

चोरों की तस्वीर वायरल, 2 संदिग्ध गिरफ्तार

लूव्र म्यूजियम से चोरी हुए आभूषणों को खरीदेंगे टेलीग्राम के सीईओ!

10.2 करोड़ डॉलर मूल्य के आठ कीमती रत्न हुए थे चोरी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फ्रांस की राजधानी पेरिस स्थिति लूव्र संग्रहालय में कुछ दिन पहले हुई चोरी मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस लूव्र म्यूजियम से कीमती आभूषणों की चोरी के सिलसिले में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

हालांकि, पुलिस द्वारा अभी गिरफ्तार किए गए संदिग्धों की पहचान को उजागर नहीं किया गया है। वहीं टेलीग्राम के संस्थापक और सीईओ पावेल डुरोव ने पेरिस के म्यूजिमय में हुई चोरी हुए गहनों के खरीदने की इच्छा जताई है। लेकिन इसके लिए एक खास शर्त रखी है। उन्होंने एक्स पर लिखा, चोरी हुए आभूषणों को खरीदकर उन्हें लूवर संग्रहालय को वापस दान करने में मुझे खुशी हो रही है। मेरा मतलब

लूव्र संग्रहालय से है, बेशक, लूव्र संग्रहालय से कोई चोरी नहीं करता।

चोरों की तस्वीर सोशल मीडिया पर हुई वायरल

लूव्र संग्रहालय में चोरी के कुछ ही देर बाद पेरिस स्थित एसोसिएटेड प्रेस फोटोग्राफर थिबॉल्ट कामू ने एक सजीले कपड़े पहने युवक को वर्दीधारी फ्रांसीसी पुलिस अधिकारियों के पास से गुजरते हुए देखा। उसने इसकी तस्वीर ले ली। हालांकि, यह कोई विशेष अच्छी तस्वीर नहीं थी। क्योंकि किसी के कंधे ने अग्रभूमि का कुछ भाग छिपा दिया था। यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं।

अगले हफ्ते दिल्ली में होगी बैठक

ब्रिटेन ने भारत की ई-कोर्ट्स परियोजना में दिखाई दिलचस्पी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की महत्वाकांक्षी ई-कोर्ट्स परियोजना अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान खींच रही है।

ब्रिटेन ने इस प्रोजेक्ट में खास रुचि दिखाई है और इसी को लेकर ब्रिटेन का एक प्रतिनिधिमंडल 6 नवंबर को नई दिल्ली पहुंचेगा। यह टीम केंद्रीय कानून मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और सुप्रीम कोर्ट की ई-कमेटी के सदस्यों से मुलाकात करेगी। ई-कोर्ट्स प्रोजेक्ट का मकसद देश की अदालतों को पूरी तरह डिजिटल बनाना है।

इसके तहत केस फाइलिंग, रिकॉर्ड मैनेजमेंट, सुनवाई, आदेश और फैसले-सब कुछ ऑनलाइन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह प्रोजेक्ट फिलहाल तीसरे चरण में चल रहा है।

ब्रिटेन प्रतिनिधिमंडल का यह दौरा न्यायिक क्षेत्र में तकनीकी सहयोग को बढ़ाने का एक अवसर माना जा रहा है।

चीन ने बना ली दुनिया की सबसे फास्ट बुलेट ट्रेन

टूटे सारे रिकॉर्ड, 450 किमी प्रति घंटे की टॉप रफ्तार से चलेगी ट्रेन

2026 में आधिकारिक लॉन्चिंग की तैयारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हाईस्पीड ट्रेनों के मामले में वैसे तो चीन का कोई जवाब नहीं है। लेकिन चीन है कि अपना ही रिकॉर्ड तोड़ने में लगा रहता है। चीन में जल्द ही सीआर 450 बुलेट ट्रेन लॉन्च होने वाली है। इस बुलेट ट्रेन की टॉप स्पीड 450 किमी प्रति घंटा है और यह दुनिया की सबसे तेज चलने वाली ट्रेन है।

सीआर 450 बुलेट ट्रेन का अभी प्री-सर्विस ट्रायल चल रहा है और जल्द ही इसे कॉमर्शियल इस्तेमाल के लिए चीन की पटरियों पर उतार दिया जाएगा। सीआर450 के प्रोटोटाइप को

नवंबर 2024 में पेश किया गया था। इसे 0 से 350 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक पहुंचने में महज 4 मिनट 40 सेकेंड लगते है, जो मौजूदा सीआर 400 ट्रेन से एक मिनट कम समय है। चीन के शंघाई-चोंगकिंग-चेंगदू रेल लाइन पर सीआर450 ने ट्रायल के दौरान 450 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड हासिल की थी।

6 लाख किमी की टेस्टिंग हुई पूरी

जिसके बाद यह दुनिया की सबसे तेज रफ्तार वाली बुलेट ट्रेन बन गई है। सीआर450 ने अब तक 6 लाख किलोमीटर की ऑपरेशनल टेस्टिंग पूरी कर ली है। सीआर450 के डिजाइन में बंद बोगियां और लोअर स्कर्ट पैनल को शामिल किया गया है, जो एयर ड्रैग को 22 फीसदी कम करते हैं। इसका नोज कोन भी 15 मीटर लंबा है, जो पिछले मॉडलों के मुकाबले 2.5 मीटर अधिक है। इससे ट्रेन का एयरोडायनमिक पेनीट्रेशन बढ़ाता है।

90 प्रतिनिधि होंगे शामिल

भारत करेगा एशिया-प्रशांत दुर्घटना जांच समूह की बैठक की मेजबानी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत पहली बार एशिया प्रशांत दुर्घटना जांच समूह की बैठक और कार्यशाला की मेजबानी करेगा। 28 अक्टूबर से शुरू होने वाली चार दिवसीय बैठक में लगभग 90 विमान दुर्घटना जांचकर्ताओं के भाग लेने की उम्मीद है। बैठक में विमान दुर्घटना जांच के विभिन्न पहलुओं, प्रक्रियाओं और रिपोर्टिंग पर चर्चा की जाएगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार को बताया कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो 31 अक्टूबर तक होने वाली एशिया प्रशांत दुर्घटना जांच समूह (एपीएसी-एआईजी) बैठक की अध्यक्षता करेगा।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। मंत्रालय के मुताबिक प्रतिवर्ष होने वाली एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीएसी-एआईजी) की बैठक में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के आईसीएओ सदस्य देश विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ भाग लेते हैं।

ट्राई से अंतिम प्राइसिंग गाइडलाइंस मिलते गति पकड़ेगी प्रक्रिया

भारत में लॉन्च से पहले स्टारलिंक ने शुरू किए सिक्योरिटी ट्रायल,मिलेगी सैटेलाइट नेट सेवा

भारत में बन रहे 10 सैटेलाइट गेटवे, लॉन्च से पहले मंजूरी का इंतजार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एलन मस्क की स्पेसएक्स के स्वामित्व वाली स्टारलिंक ने भारत में अपनी सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सर्विस लॉन्च से पहले सुरक्षा परीक्षण शुरू कर दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह प्रक्रिया भारत में विदेशी और घरेलू दोनों तरह के टेलीकॉम ऑपरेटरों के लिए आवश्यक सुरक्षा मंजूरी का हिस्सा है। हालांकि स्टारलिंक को अभी टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया से अंतिम प्राइसिंग गाइडलाइंस का इंतजार है।

एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने भारत में अपनी सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस शुरू करने से पहले सिक्योरिटी ट्रायल्स शुरू कर दिए हैं। यह कदम कंपनी के भारत में वाणिज्यिक लॉन्च से पहले के अंतिम चरणों में से एक माना जा रहा है।

ग्रामीण अंचलों में भी नेट की सुविधा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने के बाद भारत का सैटेलाइट कम्युनिकेशन सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। सरकार चाहती है कि सैटेलाइट नेटवर्क उन इलाकों में इंटरनेट पहुंचाए, जहां फाइबर या मोबाइल नेटवर्क की पहुंच सीमित है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्पेसएक्स भारत में कम से कम 10 सैटेलाइट गेटवे स्थापित कर रही है, जो इसके प्रतिद्वंद्वियों रिलायंस जियो स्पेस फाइबर और वनवेब से तीन गुना ज्यादा हैं।

बढ़ जाएगी इंटरनेट की स्पीड

कंपनी का मानना है कि उसकी लो-अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट तकनीक भारत के उन लाखों लोगों तक इंटरनेट पहुंचा सकती है, जिन्हें अब तक भरोसेमंद हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड नहीं मिल पाया है, खासकर ग्रामीण इलाकों में। स्टारलिंक को उम्मीद है कि एलन मस्क के नाम और तकनीकी प्रतिष्ठा का फायदा उठाकर वह भारत के शहरी और टेक-सेवी उपभोक्ताओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो जाएगी, जो बेहतर और तेज इंटरनेट के लिए प्रीमियम भुगतान करने को तैयार हैं।

निर्देशों के बाद अगले साल मिलेंगी सेवाएं

अगर ट्राई इस साल के अंत तक सैटेलाइट सर्विस की कीमतों को लेकर दिशा-निर्देश जारी कर देता है, तो कंपनी 2026 की शुरुआत तक भारतीय उपभोक्ताओं को इंटरनेट सेवा देना शुरू कर सकती है। मुंबई में कंपनी पहले ही तीन ग्राउंड स्टेशन बना चुकी है, जो स्टारलिंक का भारत में प्रमुख संचालन केंद्र होगा। जल्द ही अधिकारियों द्वारा इन साइटों का निरीक्षण भी शुरू किया जाएगा। इस साल की शुरुआत में भारत के नियामकों ने स्टारलिंक को सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवा शुरू करने की मंजूरी दी थी और उसे विशेष फ्रीक्वेंसी बैंड्स भी आवंटित किए गए। यह अनुमति अमेरिकी कंपनी के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है, क्योंकि वह लंबे समय से भारत जैसे विशाल इंटरनेट मार्केट में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही थी। स्टारलिंक की भारत में एंट्री से स्पेसएक्स को चीन से बाहर किए जाने की कमी पूरी करने में मदद मिलेगी, जहां विदेशी टेलीकॉम ऑपरेटरों को अब भी प्रवेश की अनुमति नहीं है।

मुख्यमंत्री नीतीश का लालू राबड़ी शासन पर तीखा हमला

राजद सरकार ने भ्रष्टाचार, अपराध और अपहरण के अलावा कुछ नहीं किया

एजेंसी ▶▶ पटना

मुख्यमंत्री ने पटना जिले के फुलवारीशरीफ के रामकृष्ण नगर स्थित शिवाजी चौक मैदान में शनिवार को राजग प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। नीतीश ने एक्स पर पोस्ट कर लालू-राबड़ी शासन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने उस दौर को भ्रष्टाचार, अपराध और अपहरण के सिवाय कुछ नहीं किया। बिहार के विकास का माडल देशभर में मिसाल बना हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने जो कहा, वो किया। 2005 से पहले बिहार में भय और अपराध का माहौल था। पहले शाम के बाद घरों से बाहर निकलना मुश्किल होता था। नीतीश ने अपने पोस्ट में कहा कि उनकी सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई काम किए हैं। उन्होंने महिला आरक्षण, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में उठाए गए कदमों का जिक्र किया। नीतीश ने लालू परिवार पर महिला विरोधी सोच रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी सरकार महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रही है। नीतीश ने कहा कि बिहार में हर क्षेत्र में विकास हुआ है।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी के बयान पर एनडीए ने किया चौतरफा प्रहार

हमने राज्य का विकास किया

उन्होंने बताया कि हमारी सरकार ने दो लाख 58 हजार शिक्षकों की बहाली की है और वर्तमान में पांच लाख 20 हजार सरकारी शिक्षक कार्यरत हैं। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव करते हुए 2006 से सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवा और उपचार की व्यवस्था शुरू की गई। पहले केवल 12 मेडिकल कालेज थे, अब राज्य के 27 जिलों में नए मेडिकल कालेज खोले जा चुके हैं।पटना मेडिकल कालेज में 5000 से अधिक बेड का नया अस्पताल बन रहा है, जबकि आइजीआइएमएस को 3000 बेड और नालंदा मेडिकल कालेज को 2500 बेड का विस्तार दिया जा रहा है।

बागी रुख अपनाने वाले नेताओं को पार्टी से किया बाहर

जेडीयू ने संगठन के भीतर बगावत को लेकर सख्त कदम उठाया है। पार्टी ने निर्दलीय रूप से चुनाव लड़ रहे 11 बागी नेताओं को तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया है।प्रदेश महासचिव चंदन कुमार सिंह की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि इन नेताओं ने पार्टी की विचारधारा, अनुशासन और संगठनात्मक आचरण के खिलाफ कार्य किया है।

संसद से पास, शीर्ष कोर्ट से अनुमोदित एक्ट को तेजस्वी फाड़ देंगे

तिवारी ने भी कसा तंज

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने आरजेडी नेताओं की राजनीतिक समझ और क्षमता पर सीधा तंज कसा और तेजस्वी यादव पर निजी हमला भी किया। तिवारी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि ये लोग जनता को भ्रमित कर रहे हैं। वक्फ बोर्ड का बिल विधानसभा में नहीं, बल्कि संसद में पास होता है, इसलिए किसी को अपनी क्षमता के अनुसार ही बोलना चाहिए।

एनडीएके पास 56 इंच का सीना विपक्ष के पास 56 इंच की जीभ

तिवारी ने तेजस्वी पर तीखा हमला बोला। तिवारी ने तेजस्वी के चुनावी वादों को '56 इंच की जीभ' का जुमला करार दिया और कहा, एनडीए के पास 56 इंच का सीना है, जो बिहार के विकास के लिए धड़कता है।

शाहनवाज ने 'जंगलराज' की मानसिकता बताया

आरजेडी के लोग जंगलराज वाले हैं। उन्हें नहीं पता है कि केंद्र की संसद से जो कानून(वक्फ संशोधन एक्ट) बना है, उस पर सुप्रीम कोर्ट की भी मुहर लग गई है। जनता को गुमराह करने के लिए ऐसे बयान दिए जा रहे हैं। वे वक्फ संशोधन एक्ट को खत्म करने की बयानबाजी कर रहे हैं। हुसैन ने आरजेडी के बयानों को 'जंगल राज' की मानसिकता से जोड़ते हुए ख़ारिज कर दिया। हुसैन ने कहा कि आरजेडी के लोग अभी भी 'जंगल राज' के दौर में जी रहे हैं।

चिराग का तेजस्वी पर बड़ा हमला!

लालू परिवार ने बिहार को बर्बाद किया

केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर करारा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 सालों में तेजस्वी यादव, उनके परिवार और उनकी सरकार ने बिहार को पीछे धकेलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इस बार एनडीए पूरी तरह एकजुट है जबकि महागठबंधन बिखरा हुआ है, इसलिए इस चुनाव का नतीजा ऐतिहासिक होने वाला है।

तेजस्वी ने वक्फ कानून पर यह बयान दिया

महागठबंधन की सरकार बनी तो इसे कूड़ेदान में फेंक देंगे

विपक्षी महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कटिहार में वक्फ कानून को लेकर बड़ा बयान दे दिया है। चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर राज्य में महागठबंधन की सरकार बनी, तो केंद्र सरकार द्वारा पारित वक्फ (संशोधन) अधिनियम को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा।मेरे पिता लालू प्रसाद यादव ने कभी भी सांप्रदायिक ताकतों से समझौता नहीं किया। लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमेशा ऐसी ताकतों के साथ खड़े रहे हैं। आज आरएसएस और उसके सहयोगी बिहार में भी नफरत फैला रहे हैं। भाजपा का असली नाम 'भारत जलाओ पार्टी' होना चाहिए।

मुख्यमंत्री अब होश में नहीं

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि बिहार की जनता 20 साल पुराने नीतीश कुमार शासन से थक चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अब होश में नहीं हैं। राज्य के हर विभाग में भ्रष्टाचार फैला है और कानून-व्यवस्था की हालत बदतर हो चुकी है। तेजस्वी ने सीमांचल क्षेत्र के विकास का भी वादा किया। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने सीमांचल क्षेत्र के विकास के लिए कुछ नहीं किया।

चुनाव जीते तो पंचायत प्रतिनिधियों को पेंशन देंगे

तेजस्वी ने दावा किया कि एनडीए उनकी चुनावी घोषणाओं की नकल कर रही है। मैं वादा करता हूं कि हमारी सरकार बनने पर पेंशन 2 हजार रुपये प्रति माह कर दी जाएगी। उन्होंने रविवार सुबह पोलो रोड स्थित आवास पर प्रेस वार्ता की। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हम कुछ घोषणाएं करने आए हैं। तेजस्वी ने किसी का नुकसान नहीं किया।

चुनाव प्रचार के दौरान धड़ाम से गिरे अनंत

मोकामा विधानसभा सीट पर बाहुबली अनंत सिंह पूरी ताकत के साथ चुनावी मैदान में उतरे हैं। शनिवार को मोकामा के पूर्वी इलाके में आयोजित अनंत सिंह के जनसंपर्क अभियान के दौरान एक हादसा हो गया। अनंत के स्वागत के लिए एक छोटा मंच तैयार किया था। जैसे ही पूर्व विधायक अनंत सिंह मंच पर पहुंचे अचानक मंच भरभराकर टूट पड़ा।

शेर कंगन का लालच दे रहा, पीके बोले

सीतामढ़ी के परिहार में जन सुराज प्रत्याशी अवधेश कुशवाहा का चुनाव प्रचार करने पहुंचे प्रशांत किशोर ने कहा कि 18 सालों तक सत्ता में रहकर तेजस्वी के माता पिता ने बिहार को बर्बाद कर दिया। तेजस्वी अगर आ गए तो बिहार का भला नहीं होने वाला है। ये लोग फिर से लूटपाट, अपहरण, रंगदारी का राज लाएंगे। शेर बुढ़ा भी हो जाएगा तो मांस ही खाएगा। उनका वादा शेर के कंगन वाला लालच जैसा है जो फंसाता था।

पवन की पत्नी के समर्थन में आईं अक्षरा

भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं। अब अक्षरा पवन सिंह की पत्नी ज्योति के समर्थन में आ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि ज्योतिजो कुछ भी कर रही है सब अपने बलबूते कर रही हैं। वह काफी संघर्ष कर रही हैं।

चुनाव आयोग बोला

6 नवंबर सुबह 7 से 11 नवंबर शाम 6:30 बजे तक एग्जिट पोल पर बैन

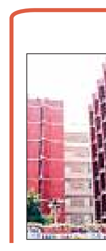

नई दिल्ली। चुनाव के एग्जिट पोल को लेकर निर्वाचन आयोग ने रविवार को बताया कि 6 नवंबर सुबह से 11 नवंबर शाम 6:30 बजे तक एग्जिट पोल पर रोक रहेगी।

खबर संक्षेप

उत्तर में खराब एक्यूआई पर कांग्रेस चिंतित

नई दिल्ली। उत्तर भारत में वायु प्रदूषण की समस्या बढ़ती जा रही है। खासकर सर्दियों के आगमन के साथ ही दिल्ली-एनसीआर के हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। यहां एक्यूआई लगातार 300-400 के स्तर पर बना हुआ है। विपक्ष पार्टी कांग्रेस के मीडया प्रभारी जयराम रमेश ने रविवार को इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा।

कोटा में नीट की तैयारी कर रहा रोशन नहीं रहा

कोटा। राजस्थान के कोटा में एक और छात्र की मौत हो गई है। 24 वर्षीय नीट अभ्यर्थी अपने हॉस्टल के कमरे में शनिवार को मृत पाया गया। वह कोटा के राजीव गांधी नगर में रहता था। छात्र की पहचान ओडिशा के गंजाम जिले के अभयपुर निवासी रोशन कुमार पात्रो (24) के रूप में हुई है। वह नीट की तैयारी कर रहा था।

शाह आज करेंगे 'भारत समुद्री सप्ताह' का उद्घाटन

नई दिल्ली। देश की समुद्री ताकत और ब्लू इकोनॉमी को मजबूत करने के लिए मुंबई में 'भारत समुद्री सप्ताह 2025' का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्घाटन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 27 अक्टूबर को नेस्को प्रदर्शनी केंद्र में करेंगे। बताया जा रहा यह आयोजन 5 दिन तक यानी 27 से 31 अक्टूबर तक चलेगा।

आग में घिरा मकान 2 की मौके पर मौत

बाड़मेर। राजस्थान के सीमावर्ती बाड़मेर जिले में रविवार सुबह एक भीषण अग्निकांड ने पूरे इलाके को दहला दिया। जिले के जस्तानियों की ढाणी, भाड़खा गांव में एक घर में अचानक आग लग गई, जिसमें सो रहे तीन चचेरे भाई लपटों की चपेट में आ गए। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' में देशवासियों को किया संबोधित

चाय के साथ मेरा जुड़ाव तो जगजाहिर, 'ओडिशा के गौरव' को सराहा, भावनाओं को भी बताया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 127वें एपिसोड में देशवासियों से संवाद किया। उन्होंने त्योहारी सीजन, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय संस्कृति और देश के युवा नेतृत्व पर विचार साझा किए।

पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 127वें एपिसोड में देशवासियों से संवाद किया। उन्होंने त्योहारी सीजन, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय संस्कृति और देश के युवा नेतृत्व पर विचार साझा किए। पीएम ने कहा कि इस समय देश में दीपावली और छठ पूजा के उत्साह का माहौल है। उन्होंने अपने पत्रों के जवाब में आए संदेशों का जिक्र करते हुए बताया कि देशवासियों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' और जीएसटी बचत उत्सव को लेकर उत्साह दिखाया। उन्होंने घरेलू उत्पादों की खरीद और खाद्य तेल की खपत में कमी के लिए लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया की सराहना की। मोदी ने रविवार को कोरापुट की कॉफी की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह गर्म पेय पदार्थ वास्तव में स्वादिष्ट है और ओडिशा का गौरव है। चाय के साथ मेरा जुड़ाव तो आप सभी जानते ही हैं, लेकिन, क्यों न कॉफी पर चर्चा की जाए। ओडिशा के कई लोगों ने उनसे कोरापुट कॉफी को लेकर भी अपनी भावनाएं साझा की थीं। कॉफी की खेती भी लोगों को फायदा पहुंचा रही है।

'मन की बात' में खास कॉफी पर भी बोले

कार्यक्रम के **127** एपिसोड में देशवासियों से संवाद किया

कई तथ्यों के साथ जनता से किया संवाद

नौकरी छोड़, कॉफी की खेती में लग गए

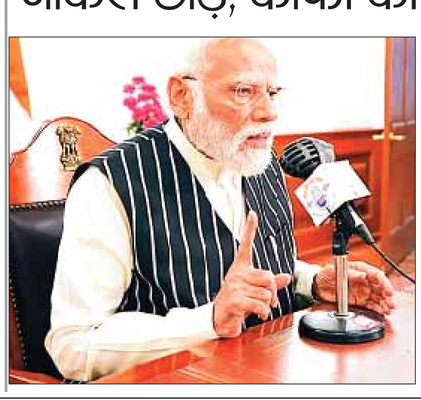

उन्होंने कहा कि कोरापुट में कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो अपने जुनून की वजह से कॉफी की खेती कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि वे लोग अच्छी-खासी नौकरी करते थे, लेकिन वो कॉफी को इतना पसंद करते हैं कि इस क्षेत्र में लग गए और अब सफलता से इसमें काम कर रहे हैं। पीएम ने कहा कि ऐसी कई महिलाएं भी हैं, जिनके जीवन में कॉफी से सुखद बदलाव हुआ है। कॉफी से उन्हें सम्मान और समृद्धि, दोनों हासिल हुई है। भारतीय कॉफी की विविधता वाकई अद्भुत है।

छठ पूजा की शुभकामनाएं दी सराहना भी की

लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा देशभर में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जा रहा है। शनिवार को नहाय-खाय के साथ इसकी शुरुआत हुई और रविवार को दूसरे दिन खरना का पर्व मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। 'एक्स' पर प्रसिद्ध गायक दिनेश लाल यादव का छठ गीत 'सुख लेके उगिह दुख लेके डुबिह' भी साझा किया। सभी व्रतियों को सादर नमन! मेरी कामना है कि इस अनुष्ठान पर छठी मइया हर किसी को अपना आशीर्वाद दें।

स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रेरक उदाहरण साझा

पीएम ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रेरक उदाहरण साझा किए। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में प्लास्टिक कचरे के बदले भोजन देने वाले 'गार्बेज कैफे' शुरू किए गए हैं। वहीं, बेंगलुरु में इंजीनियर कपिल शर्मा और उनकी टीम ने 40 कुओं और 6 झीलों का जीर्णोद्धार किया और वृक्षारोपण अभियान में स्थानीय लोगों और कॉर्पोरेट्स को भी शामिल किया। गुजरात में धोलेरा और कच्छ में मैंग्रोव पौधरोपण अभियान पर पीएम ने बताया कि इन वृक्षों के कारण समुद्री पारिस्थितिकी में सुधार हुआ है, डॉल्फिन, क्रैब और प्रवासी पक्षियों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

बीएसएफ और सीआरपीएफ को सराहा

पीएम ने भारतीय कुत्तों की नस्लों, उनके प्रशिक्षण और सुरक्षा बलों में उनकी भूमिका पर भी चर्चा की। उन्होंने बीएसएफ और सीआरपीएफ द्वारा देशी कुत्तों को प्रशिक्षित करने और उनके नामों में भारतीयता बनाए रखने की प्रशंसा की। उन्होंने 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' में भाग लेने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने भारत के राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150वें वर्ष और इसके महत्व पर जोर दिया।

संस्कृत के रोचक कार्यों का उल्लेख किया

उन्होंने संस्कृत भाषा और युवा पीढ़ी द्वारा संस्कृत में किए जा रहे रोचक कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भाषा किसी सभ्यता के मूल्यों और परंपराओं का वाहक होती है और युवा इसे पुनर्जीवित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आदिवासी नायकों, कोमराम भीम और भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को याद करते हुए युवा पीढ़ी से उनसे सीख लेने और उनके जीवन और कार्यों को जानने का आग्रह किया।

सीएम हेमंत 2-2 लाख देंगे, सस्पेंड किया

थैलेसीमिया पीड़ित सात बच्चों को चढ़ाया एचआईवी संक्रमित रक्त

एजेंसी ▶▶ सिंहभूम

झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा सरकारी अस्पताल में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित बल्ड चढ़ाने के मामले में सीएम हेमंत सोरेन ने कड़ा रुख अपनाते हुए चाईबासा सदर अस्पताल के सिविल सर्जन और उनके साथ अन्य पदाधिकारियों को निलंबित करने का निर्देश दिया है। पीड़ित बच्चों के इलाज राज्य सरकार अपने खर्चे पर कराने का फैसला लिया है। परिजनों को 2-2 लाख की सहायता राशि राज्य सरकार की ओर से देने की बात कही है। लचर स्वास्थ्य व्यवस्था पर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी पर भी कड़ा निर्देश दिया है कि बदतर स्वास्थ्य व्यवस्था बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। 13 सितंबर को 7 थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाया था। 18 अक्टूबर को जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। शनिवार को जांच की तो 6 और बच्चों की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव निकली।

बस हादसे पर हैदराबाद पीसी ने कहा

शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले आतंकी, ये रहम के नाकाबिल

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनार ने कहा कि शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले आतंकवादी होते हैं। उन्होंने इसको लेकर एक्स पर एक लंबी पोस्ट लिखी है। इस पोस्ट में उन्होंने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में हुए बस हादसे का भी जिक्र किया है। पुलिस कमिश्नर ने लिखा है कि इस तरह से मासूमों की जान लेने के लिए इन ड्राइवरों को किसी तरह की रियायत नहीं मिलनी चाहिए। बस हादसे के बाद आग लगने से 20 लोगों की मौत हो गई। वीसी ने लिखा है कि शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले ड्राइवर आतंकी होते हैं। इनके काम आतंकवाद से बिल्कुल भी कम नहीं हैं। उ देखा जाए तो कुरनूल में हुआ बस एक्सीडेंट, वास्तव एक्सीडेंट है ही नहीं। यह एक तरह का नरसंहार था, जिसे रोका जा सकता था। अगर बाइक चलाने वाला शराबी थोड़ा समझदार और जिम्मेदार होता तो ऐसा कुछ नहीं होता।

बृजभूषण की बेटी ने पढ़ी शायरी

पहलवान की बेटी हूं, लिख देते हैं इतिहास, पीठ पर वार नहीं...

एजेंसी ▶▶ नोएडा

बाहराइच की कैसरगंज सीट से भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह की बेटी शालिनी सिंह ने पहली बार सार्वजनिक मंच से शायरी पढ़ी। शनिवार को नोएडा सेक्टर-121 होम्स 121 सोसाइटी में आयोजित कवि सम्मेलन में मंच पर पहुंचते ही उन्होंने कहा- पहलवान की बेटी हूं, पहलवान के लिए पढ़ी कविता, बोली भेज देना उन्हें। पहली बार मंच पर शायरी पढ़ी- इतिहास लिखते हैं, पीठ पर वार नहीं करते...। पहली बार मंच पर कविता पाठ कर रही हूं। मैं बिल्कुल नई कवि हूं, यह मेरा पहला कवि-सम्मेलन है। मजाक-मजाक में दोनों भाइयों करण और प्रतीक भूषण को बाहुबली बताया। वहीं कुश्ती संघ के अध्यक्ष सतपाल यादव के लिए उन्होंने कविता पढ़ी हालांकि कहा उन्हें भेज दीजिएगा। जब पीठ सटा दी मेरी, तो अब मैं भी धक्का मारूंगा। बहुत हुआ सम्मान अब मैं भी मुक्का मारूंगा। जिंदाबाद तेरा भी जिसने यहां तक पहुंचा है,बड़ी हमदर्दी से छोड़ने आया है।

सूर्य की उपासना का लोकपर्व छठ महापर्व शुरू

रविवार को मनाया खरना, आज देंगे अस्तगामी सूर्य को अर्घ्य

निर्जला उपवास रख प्रसाद के रूप में खीर, रोटी, फल खाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

4दिन तक चलने वाले सूर्य की उपासना के लोकपर्व छठ महापर्व की शुरुआत शनिवार को नहाय खाय के साथ शुरू हो गई। व्रती महिलाओं, पुरुषों ने सूर्योदय से पहले उठकर नदी, सरोवर में स्नान किया। अब रविवार को खरना में प्रसाद तैयार किया। अगले दिन सोमवार को डूबते सूर्य और मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत पूरे विधि विधान से पूरा होगा। स्नान के बाद पूजा स्थल और रसोई की अच्छी तरह से साफ सफाई की गई। घरों में चूल्हा बनाया। रविवार को पंचमी तिथि पर व्रती लोगों ने खरना मनाया। खरना के दिन निर्जला उपवास रखते हुए शाम को पूजा के साथ प्रसाद के रूप में खीर, रोटी, फल खाया। गुड़ की खीर बनाकर छठ मैया को भोग लगाया। पूरा परिवार व आसपास के लोगों ने प्रसाद को ग्रहण किया।

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिले केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान।

कोलकाता। महिलाएं सिंदूर लगाते हुए।

तीसरे दिन डूबते और चौथे दिन उदयाचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगे

ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक छठ पूजा स्थल पर छठ माता और भगवान सूर्य की विशेष रूप से पूजा से पहले घी का दीपक जलाना चाहिए। दूसरे दिन खरना के बाद तीसरे दिन डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है,वहीं छठ पर्व के चौथे और आखिरी दिन (मंगल को) उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया जाएगा।

भू- अर्जन के मामलों में नाम दर्ज न होने की वजह से लिटिगेशन के मामले बढ़े, सैकड़ों मामले कोर्ट में

भू-अर्जन के बाद अभिलेख में संबंधित विभाग का नाम दर्ज नहीं होने पर शासन ने सभी 55 जिलों के कलेक्टरों को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे, मप्र सड़क विकास निगम की परियोजनाओं के निर्माण के लिए अर्जित भूमि का नामांतरण के बाद राजस्व अभिलेख में नाम अनिवार्य रूप से दर्ज करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार ने कहा कि राजस्व अभिलेखों में भू- अर्जन की कार्रवाई होने के बाद भी संबंधित विभाग का नाम दर्ज नहीं होता। इस वजह से कालांतर में विभिन्न तरह के विवाद की स्थिति बनी रहती है।

कलेक्टरों से कहा गया है कि वह भू अर्जन के बाद तत्काल बाद संबंधित विभागों का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराएं। यदि इसमें किसी भी तरह की कोताही पाई गई तो इसके लिए संबंधित जिलों के कलेक्टर जिम्मेदार होंगे। राज्य शासन की तरफ से लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में मप्र के सभी 55 जिलों के कलेक्टरों को राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज करने का पत्र दिया है।

दस्तावेजों में संबंधित विभाग का नाम अद्यतन नहीं करते

विभाग ने कहा कि अभी देखने में आया है कि कई कलेक्टर भू-अर्जन के बाद भी दस्तावेजों में संबंधित विभाग का नाम अद्यतन नहीं करते। इस वजह से अक्सर विवाद की स्थिति पैदा होती है। इस विवाद की वजह से कई मामले कोर्ट में पेंडिंग है। इस वजह से विभाग का समय अनावश्यक रूप से जाया होता है। विभाग ने कलेक्टरों से कहा कि अपने अधीनस्थ राजस्व अमले को भू अर्जन की कार्रवाई के बाद राजस्व अभिलेख में संबंधित विभाग का नाम दर्ज करने के लिए निर्देशित करें।

विवाद की स्थिति न हों

कलेक्टरों से कहा गया कि विभाग का नाम दर्ज नहीं होने के कारण इसमें भविष्य में किसी भी तरह की विवाद की स्थिति उत्पन्न नहीं हो। पीडब्ल्यूडी ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे, मप्र सड़क विकास निगम की विभिन्न परियोजनाओं के निर्माण, उन्नयन के लिए समय-समय पर केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय, रेलवे मंत्रालय तथा मप्र शासन लोक निर्माण विभाग के पक्ष में निजी भूमि का अर्जन किया जाता है। इस संबंध में भू अर्जन की कार्रवाई राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956, रेलवे एक्ट 1989, भू अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकार एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 तथा मप्र की आपसी सहमति क्रय नीति 2014 के तहत भू-अर्जन अधिकारी तथा सक्षम प्राधिकारी भू अर्जन के माध्यम से की जाती है।

वित्त ने बजट दिया फिर भी 16 विभाग नहीं दे रहे 72 हजार बिजली बिलों के 406 करोड़ रुपए

एसीएस, पीएस को बिजली कंपनियों ने लिखा पत्र, बिजली कंपनी ने जारी किए नोटिस

प्रदेश के सोलह सरकारी महकमों पर 72 हजार 900 बिजली बिलों की 406 करोड़ 36 लाख रुपए की राशि बकाया है। ये महकमें लगातार नोटिसों के बाद भी बिजली बिलों का भुगतान नहीं कर रहे है सर्वाधिक बकाया राशि नगरीय विकास एवं आवास विभाग पर 125 करोड़ 62 लाख रुपए और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग पर 102 करोड़ 32 लाख रुपए है। हालांकि वित्त विभाग ने बजट दिया है मगर विभाग भुगतान नहीं कर रहे है।

अफसर भुगतान के संबंध में विभागों को जारी कर चुके निर्देश

नगरीय विकास एवं आवास विभाग में 12 हजार 3 बिलों का भुगतान नहीं किया गया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में 17 हजार 49 बिलों का भुगतान नहीं किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने 9 हजार 965 बिलों की 34 करोड़ 45 लाख रुपए की राशि का बकाया बिल नहीं चुकाया है। स्कूल शिक्षा विभाग को 18 हजार 539 बिलों के 29 करोड़ 64 लाख रुपए चुकाना बाकी है। स्वास्थ्य महकमा भी मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का बकायादार है । उसे 1 हजार 910 बिलों के 21 करोड़ 7 लाख रुपए चुकाना बाकी है। जलसंसाधन विभाग ने ही 497 बिलों के 13 करोड़ 97 लाख रुपए नहीं चुकाए है। गृह विभाग ने 2070 बिजली बिलों के 10 करोड़ 49 लाख रुपए का भुगतान नहीं किया है। पीएचई को 445 बिलों के 11 करोड़ 35 लाख रुपए चुकाना है। आदिम जाति कल्याण विभाग ने 6 करोड़ 87 लाख, राजस्व विभाग ने 3 करोड़ 76 लाख रुपए बकाया है।

खबर संक्षेप

डॉ. खेमरिया बने दिव्यांगजन आयुक्त

भोपाल। मध्यप्रदेश में राज्य सरकार ने बड़ी नियुक्ति की है। डॉ. अजय खेमरिया को प्रदेश का दिव्यांग जन आयुक्त नियुक्त किया है। राज्य स्तरीय सर्च कमेटी की

अनुशंसा पर उन्हें यह अहम दायित्व दिया गया है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि डॉ. अजय खेमरिया का दिव्यांग जन आयुक्त का यह पद प्रदेश शासन के सचिव के समकक्ष रहेगा। वे पहले भी अनेक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। मध्यप्रदेश में दिव्यांग जन आयुक्त को खासे अधिकार प्रदत्त हैं। दिव्यांग जन आयुक्त का कार्यालय दिव्यांगजन न्यायालय के रूप में कार्य करता है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के प्रवर्तन का कार्य भी इसके जिम्मे है। राज्य शासन ने शिवपुरी में दिव्यांगजनों के लिए संचालित मंगलम संस्था के संचालक डॉ. अजय खेमरिया को मप्र का दिव्यांगजन आयुक्त बनाया है। यह पद राज्य सरकार के सचिव के समकक्ष रहेगा।

एमवीएम की प्राचार्या के खिलाफ विरोध, दिया ज्ञापन

भोपाल। राजधानी स्थित मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय (एमवीएम) की प्रभारी प्राचार्य गीता मोदी के कर्मचारी विरोधी रवैए और प्रशासकीय लापरवाही के खिलाफ महाविद्यालयीन कर्मचारियों ने विरोध जताया है। राज्य शासकीय कर्मचारी अधिकार संरक्षण संघ ने प्राचार्य, सहायक प्राध्यापक को महाविद्यालयीन तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के हितों की अनदेखी के मद्देनजर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और विभागीय मंत्री इंदरसिंह परमार को ज्ञापन सौंपकर तत्काल हटाए जाने की मांग की गई है। इस संबंध में वरिष्ठ कर्मचारी नेता और संगठन प्रमुख शीलप्रताप सिंह पुंढीर, महासचिव डॉ देवी सिंह सनोदिया, उपाध्यक्ष भगवान सिंह ठाकुर, महामंत्री व्यासमुनि मुनि चौबे, जिलाशाखा भोपाल के अध्यक्ष प्रणव खरे, प्रांतीय उच्च शिक्षा विभागीय समिति के अध्यक्ष लाला राम रैकवार, संगठन प्रदेश दैनिक वेतन भोगी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राहुल शर्मा, प्रांतीय सचिव सुग्रीव सिंह, विनोद सिन्हा, विभागीय समिति पीएचई अध्यक्ष रविशंकर त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष रमेश बाबसकर, जिला मीडिया प्रमुख सूर्यकांत मिश्रा आदि कर्मचारी नेताओं द्वारा संयुक्त बयान जारी किया गया है।

निगम के कर्मचारी संगठनों की हुई बैठक

भोपाल। नगर निगम के कर्मचारी संगठनों की सर्वदलीय बैठक शनिवार को हुई। इसमें निगम के सभी वर्गों के कर्मचारियों के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके लिए जल्द संयुक्त मोर्चा बनाने पर सहमति बनी। बैठक में सर्वसम्मति से कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए दूसरी बैठक जल्द आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में श्याम लाल, मोहम्मद इरफान खान, अशोक वर्मा, रवि सबनानी, अनिल श्रवण, वसी मोहम्मद खान, मोहम्मद हामिद खान, दिलीप सेठी, सुनील गुजरे, रितेश मैना आदि मौजूद रहे।

भोपाल में अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस सांसद सिंह का बड़ा दावा

दिग्विजय का आरोप- दवा कंपनियों से भाजपा को मिला 945 करोड़ चंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एमपी में जहरीले कोल्ड्रिफ कफ सिरप के कारण दो दर्जन बच्चों की मौतों के मामले में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल का इस्तीफा मांगा है। भोपाल में अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि 2 सितंबर से अब तक परासिया में कोल्ड्रिफ कफ सिरप के कारण 26 बच्चों की मौतें हुई है। उन बच्चों को वह दवा दी गई, जिसमें डायथलीन ग्लायकॉल की मात्रा 48.6% से ज्यादा थी, जबकि 0.01% ज्यादा नहीं होना चाहिए। पूर्व सीएम ने कहा कि 2 अक्टूबर को उप मुख्यमंत्री जो एमपी के स्वास्थ्य मंत्री भी हैं उन्होंने क्लीनचिट दी कि इसमें कोई गड़बड़ नहीं ऐसे व्यक्ति का क्या इस्तीफा नहीं होना चाहिए था? दिसंबर 2022 और 2023 में हिंदुस्तान में बनी डीईजी के कारण उज्बेकिस्तान में 18 बच्चे मारे थे। इसकी जानकारी देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के पास थी, लेकिन स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस पर रोक नहीं लगाई।

पूर्व सीएम सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने दवा कंपनियों से इलेक्टोरल बॉन्ड डोनेशन के नाम पर 945 करोड़ रुपए का चंदा लिया। इन कंपनियों में 35 फर्म ऐसी थीं, जिनकी दवाओं की गुणवत्ता निर्धारित मापदंडों पर खरी नहीं पाई गई। ऐसी कंपनियों ने चंदा दो, धंधा लो का क्रूर खेल खेला।

जहरीले कोल्ड्रिफ कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले में उप मुख्यमंत्री शुक्ल का मांगा इस्तीफा

'मप्र एवं देश में नकली दवाओं का कारोबार फल-फूल रहा'

दिग्विजय सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश एवं देश में नकली दवाओं का कारोबार फल-फूल रहा है। जहरीली कफ सिरप कोल्ड्रिफ से हाल ही में मध्यप्रदेश में 26 मासूम बच्चों की मौत हुई है। यह एक निरंकुश भ्रष्टाचार और मानव जीवन के साथ खिलवाड़ का ज्वलंत उदाहरण है। कफ सिरप में डाय-एथिलीन ग्लाइकोल की स्वीकृत मात्रा 0.1 प्रतिशत है। उक्त कफ सिरप में यह मात्रा 48.6 प्रतिशत पाई गई जो सुरक्षित सीमा से 486 गुना ज्यादा थी। दवाई में सीधा-सीधा जहर मिलाया गया।

सीएम अध्यक्ष, फिर भी कोई ध्यान नहीं दिया

दिग्विजय ने कहा कि इस सिरप को प्राइवेट डॉक्टरों द्वारा मरीजों के पर्चों पर लिखा गया और खुले बाजार में दवा की दुकानों से बेचा गया, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य स्वास्थ्य समिति जिसके अध्यक्ष स्वयं मुख्यमंत्री और सह-अध्यक्ष स्वयं स्वास्थ्य मंत्री हैं, किसी ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। सरकारी संस्थाओं ने सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में गुणवत्ता नियंत्रण और निजी भागीदारी में सार्वजनिक-निजी साझेदारी के जरिए निगरानी रखने के दायित्व को पूरी तरह नजर अंदाज किया।

दिग्विजय सिंह खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए कर रहे हैं बयानबाजी : रामेश्वर

भारतीय जनता पार्टी के विधायक रामेश्वर शर्मा ने दिग्विजय सिंह द्वारा लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके नेता मध्यप्रदेश में अप्रासंगिक हो गए हैं। दिग्विजय सिंह जैसे नेता खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए बयानबाजी कर रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने भ्रामक व तथ्यहीन आरोप लगाकर मध्यप्रदेश की जनता को गुमराह करने का प्रयास किया है, लेकिन मध्यप्रदेश की जनता दिग्विजय सिंह और कांग्रेस के बहकावे में आकर गुमराह होने वाली नहीं है। विधायक शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार जनता के हितों के लिए सदैव तत्पर है। छिंदवाड़ा जिले में दूषित कफ सिरप का मामला हो या भोपाल तथा प्रदेश के अन्य जिलों में कार्बाइड गन का मामला, जीरो टॉलरेंस पर कार्य करने वाली डॉ. मोहन यादव सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। भाजपा सरकार दोषियों पर ऐसी कार्रवाई कर रही है कि वह अन्य मामलों में भी नजीर बन जाएगी।

राहगीरों ने बचाई जान, अस्पताल में उपचाररत

सांड के हमले में स्कूली छात्र गंभीर रूप से हुआ घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 14 अमरिया पारा में सांड के हमले से एक स्कूली छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया जिसका निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है बताया जा रहा है कि उसकी हालत गंभीर है। 12 वर्षीय कक्षा 7 वी में पढ़ाई करने वाला अक्षय कुमार श्रीवास घर से ट्यूशन जाने के नाम से निकला हुआ था इस दौरान रास्ते में एक सांड ने अचानक उस पर हमला कर दिया। छात्र को सींग से उठाकर स्कूली बैग समेत उठा कर पटक दिया जहां मासूम छात्र चीख पुकार मचाने लगा।

उसकी आवाज सुनकर राहगीर मौके पर पहुंचे और किसी तरह मासूम की जान बचाने में सफल हुए। इस घटना के बाद मौके पर दहशत का माहौल बना हुआ था लोग सांड को देखकर डरे सहमे हुए थे। इस घटना के बाद मासूम छात्र के परिजन मौके पर पहुंचे और घायल छात्र तत्काल निजी अस्पताल लेकर गए जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया।

पेट के नीचे सींग से पहुंची चोट

छात्र के परिजन गुड्डू श्रीवास ने बताया कि अक्षय के पेट के नीचे सांड के सींग से चोट आई है जिसके चलते उसकी हालत गंभीर है। परिजनों ने बताया कि अक्षय श्रीवास अमरिया पारा स्थित स्कूल में पढ़ाई करता है और पढ़ने लिखने में काफी होशियार है। वहीं वार्ड नंबर 14 के पूर्व पार्षद और वर्तमान में पार्षद पति टीकम राठौर ने बताया कि इस घटना की सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए नगर निगम के उच्च अधिकारियों को घटना से अवगत कराया गया है। वार्ड नंबर 14 ही नहीं शहर और अन्य जगहों पर आवारा मवेशियों और सांड का आतंक आय दिन देखने को मिलता है। इसे लेकर नगर निगम के द्वारा करवाई किया जाना चाहिए और मवेशियों को पकड़ कर उचित स्थान पर भेजा जाना चाहिए।

पूर्व में भी हो चुकीं घटनाएं

सांड के हमले से यह कोई पहली घटना नहीं है इससे पहले भी शहर के बाजार और अन्य जगहों पर मवेशियों के हमले से मौत हो चुकी है। ऐसे में नगर निगम को चाहिए कि वह इस ओर गंभीरता से ध्यान दें और उचित कदम उठाए। वहीं नगर निगम के द्वारा काऊ कैचर के माध्यम से पकड़कर आवारा मवेशियों को गोकुल नगर स्थित निगम द्वारा संचालित कांजी हाउस में रखा जा रहा है वहीं उनकी देखरेख के लिए कर्मचारी भी तैनात हैं। उसके बावजूद भी सड़क पर आवारा मवेशियों की संख्या तीनों दिन बढ़ती जा रही है। शहर के मध्य घंटाघर के पास हेलीपैड में शनिवार की शाम आवारा मनवेशियों और साल लड़ते हुए नजर आए जिसका वीडियो भी सामने आया है।

माओवादियों में 13 महिला कैडर और 8 पुरुष कैडर शामिल

21 नक्सलियों ने हथियारों के साथ किया सरेंडर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन के तहत एक बार फिर सफलता मिली है। कांकेर में 21 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

18 हथियारों के साथ माओवादियों ने समर्पण किया है। इन 21 नक्सल कैडरों में 4 डीवीसीएम (डिवीजन वाइस कमेटी मेंबर) 09 एसीएम (एरिया कमेटी मेंबर) और 08 पार्टी सदस्य शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में 13 महिला कैडर और 8 पुरुष कैडर शामिल हैं। सरेंडर करने वालों में डिवीजन कमेटी सेक्रेटरी मुकेश भी शामिल है।

संविधान की प्रति, फूल प्रदान किया

इससे पहले छत्तीसगढ़ के दंडकारण्य क्षेत्र में 208 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। इनमें 110 महिलाएं और 98 पुरुष शामिल थे। सरेंडर करने वाले नक्सलियों को संविधान की कॉपी और गुलाब का फूल दिया गया। इन्हें अब सरकार की पुनर्वास योजना का लाभ मिल सकेगा। इसके साथ ही, अबूझमाड़ का अधिकांश हिस्सा नक्सली प्रभाव से मुक्त हो जाएगा और बड़ी संख्या में नक्सलियों के सरेंडर के बाद माना जा रहा है कि उत्तरी बस्तर में काफी हद तक लाल आतंक का अंत हो जाएगा। अब केवल दक्षिणी बस्तर ही बचा है। आत्मसमर्पण के दौरान कुल 153 हथियार भी अधिकारियों को सौंपे गए।

बघेलखंड सांस्कृतिक भवन में आयोजित हुआ समारोह

प्रदेश को आलोकित करती है विंध्य की छटा, प्रकृति और विद्वता से भरपूर है विंध्य की धरा: तोमर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विंध्य की धरा प्रकृति और विद्वता से भरपूर है। विंध्य प्रदेश के विलीनीकरण के बाद यहां की छटा मप्र को आलोकित करती रही है। यह बात शनिवार को मप्र के विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने बघेल खंड सांस्कृतिक भवन में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह के दौरान कहीं।

इस दौरान उन्होंने विभिन्न सेवाओं के लिए चयनित 59 प्रतिभाओं का शॉल श्रीफल के साथ सम्मान भी किया। इस मौके पर राज्यमंत्री राधा सिंह के साथ पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया, रीवा महापौर अजय मिश्रा बाबा और कमलाकर सिंह भी मौजूद थे। तोमर ने प्रतिभाओं के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजनैतिक दायित्वों के कारण विंध्य क्षेत्र और उसके लोगों से काफी पुराना संपर्क है, लेकिन यह पहला कार्यक्रम है जो सदैव यादगार रहेगा। इस दौरान उन्होंने राजनीति व विद्वत्ता की दृष्टि से महाराज मार्तण्ड सिंह, कैप्टन अवधेश प्रताप सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्रीयुत श्रीनिवास तिवारी और यमुना प्रसाद शास्त्री को याद करते हुए कहा कि मप्र को बढ़ाने में इनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। इस मौके पर बघेल खंड सांस्कृतिक भवन के अध्यक्ष व पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल ने बघेली बोली को लेकर अपने संस्मरण साझा किए।

शराब पीने से मना किया, तो 112 गाड़ी की छीनी चाबी

नशेड़ियों ने पुलिस टीम पर बेखौफ हमला किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

जामुल थाना क्षेत्र में बीच सड़क शराब पार्टी कर रहे लोगों को मना करने पर डायल-112 के पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट करते हुए डायल 112 गाड़ी की चाबी भी छीन ली। पुलिस ने इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। जामुल थाना प्रभारी रामेंद्र सिंह बताया कि 23 अक्टूबर की रात जामुल थाने की पुलिस पेट्रोलिंग टीम रावण भाठा क्षेत्र में लड़ाई झगड़े की सूचना पर गई थी। वहां से वापस

लौटते समय पुलिस टीम ने शिवपुरी मोड़ के पास सड़क किनारे एक कार खड़ी देखी, जिसमें कुछ युवक तेज आवाज में गाने बजाकर शराब पार्टी कर रहे थे। जिन्हें डायल 112 में तैनात पुलिस जवानों ने समझाने की कोशिश की। जिससे वे भड़क गए और गाली-गलौज करते हुए पुलिस जवान के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया।

मंत्रियों ने विदेशी महिला खिलाड़ियों से हुई घटना पर दी प्रतिक्रिया

आरोपी पर प्रकरण दर्ज कर उसे कर लिया गया गिरफ्तार

हमारी परंपरा 'अतिथि देवो भवः' की है, अतिथियों का सम्मान सर्वोपरि है, होगी सख्त कार्रवाई: मंत्री सारंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इंदौर में महिला खिलाड़ियों के साथ हुई घटना को लेकर मप्र शासन के मंत्री विश्वास सारंग एवं कृष्णा गौर ने

प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश की धरती पर आई विदेशी महिला खिलाड़ियों के साथ किसी भी प्रकार की अनुचित हरकत किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया जा चुका है।

दोषी व्यक्ति के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में कोई भी इस प्रकार की घटिया मानसिकता वाला कार्य न कर सके। मंत्री सारंग ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और प्रदेश सरकार 'महिला सम्मान', 'सुरक्षा' और 'न्याय' के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि किसी भी महिला के साथ अन्याय या दुर्व्यवहार करने वाले को किसी भी कीमत पर बख्शा न जाए। हमारी भारतीय संस्कृति में महिलाओं को पूजनीय माना गया है और 'अतिथि देवो भवः' हमारी परंपरा का अभिन्न अंग है। विदेशी महिला खिलाड़ियों के साथ इस तरह का व्यवहार न केवल निंदनीय है बल्कि यह हमारे संस्कारों और सामाजिक मूल्यों के भी विपरीत है। भारतीय जनता पार्टी इस प्रकार की घटनाओं को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं करती।

सरकार पूरी संवेदनशीलता से महिलाओं के प्रति सम्मान और सुरक्षा के प्रति समर्पित: मंत्री कृष्णा

प्रदेश शासन की मंत्री कृष्णा गौर ने कहा है कि सीएम ने इस घटना पर

तत्काल संज्ञान लेते हुए कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री द्वारा इस प्रकरण को "चिन्हित अपराध" की श्रेणी में लाकर अति शीघ्र अन्वेषण पूर्ण कर चालान प्रस्तुत करने के लिए इंदौर पुलिस कमिश्नर को निर्देशित किया गया है। जिला प्रशासन को यह निर्देश दिए गए हैं कि विदेशी महिला क्रिकेट खिलाड़ी के साथ घटित इस घटना की गंभीरता के संबंध में न्यायालय को आग्रह किया जाए तथा इस प्रकरण के विचारण को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने हेतु अनुरोध किया जाए। मंत्री गौर ने कहा कि विदेशी मेहमान के सम्मान की जिम्मेदारी हमारी है। किसी ने भी इस प्रकार का अपराध किया है तो उसे भाजपा सरकार छोड़ेगी नहीं।

गोहलपुर थाना अंतर्गत मनमोहन नगर में दर्दनाक हादसा, क्रिकेट खेलते वक्त गेंद ढूंढने गए दो सगे भाई सेप्टिक टैंक में गिरे

खुला छोड़ा टैंक निगल गया दो मासूमों की जिंदगी

निगम और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से गुस्से में उबला इलाका, दोनों की मौत

हरिभूमि, जबलपुर।

संस्कारधानी जबलपुर में रविवार शाम लापरवाही ने दो मासूम जिंदगियां निगल लीं। गोहलपुर थाना अंतर्गत मनमोहन नगर त्रिमूर्ति नगर क्षेत्र में क्रिकेट खेलते हुए गेंद ढूंढने गए दो सगे भाई विनायक उर्फ तन्नू (12 वर्ष) और कान्हा (10 वर्ष) सेप्टिक टैंक में गिरकर मौत के शिकार हो गए। झाड़ियों से घिरा टैंक इतने घने पौधों से ढंका था कि बच्चे उसे देख नहीं पाए और उसमें समा गए। हादसे की खबर मिलते ही पूरे इलाके में कोहराम मच गया, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कलेक्टर, कप्तान समेत पहुंचे विधायक

घटना की जानकारी लगते ही विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय स्वयं मनमोहन नगर पहुंचे। अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर घटना स्थल का बारीकी से जायजा लिया। कलेक्टर सिंह ने नगर निगम अधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों को फटकार लगाते हुए कहा कि ऐसी लापरवाही दोबारा न हो। उन्होंने मृतक बच्चों के परिवार को हर संभव सहायता देने के निर्देश दिए। कप्तान उपाध्याय ने पुलिस को घटना की संपूर्ण जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए। वहीं विधायक डॉ. पांडे ने पीड़ित परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की।

गेंद ढूंढते-ढूंढते चली गई जान

घटना रविवार शाम की है जब राजेश विश्वकर्मा के दोनों बेटे घर के पास ही क्रिकेट खेल रहे थे। खेल के दौरान गेंद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की दीवार के भीतर जा गिरी। दोनों बच्चे दीवार फांदकर अंदर पहुंचे और झाड़ियों में गेंद ढूंढने लगे। पर उन्हें यह अंदाजा नहीं था कि झाड़ियों के बीच एक खुला सेप्टिक टैंक है। गेंद की तलाश में दोनों टैंक के किनारे पहुँचे और फिसलकर उसमें गिर गए।

वापस नहीं लौटे तब गहराया संदेह

साथ खेल रहे बच्चों ने काफी देर तक दोनों को न लौटते देख खोजबीन शुरू की। तभी टैंक के पास एक चप्पल पड़ी दिखाई दी। संदेह गहराते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर टीआई रीतेश पांडे पुलिस बल और फायर ब्रिगेड के साथ मौके पर पहुँचे। रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद टैंक से दोनों बच्चों के शव बाहर निकाले।

खुले टैंक पर भड़का जनाक्रोश

घटना के बाद स्थानीय रहवासी फूट पड़े। लोगों ने कहा कि जिस जगह हादसा हुआ, वहां निर्माण कार्य पूरा हुए महीनों बीत चुके हैं, लेकिन टैंक को खुला छोड़ दिया गया था। किसी ने सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं की। झाड़ियों से ढंका टैंक मौत का जाल बन चुका था। रहवासियों का आरोप है कि ठेकेदार, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही इस हादसे के लिए जिम्मेदार है। लोगों ने सवाल उठाया कि आख़िर बच्चों से गलती नहीं, लेकिन सिस्टम की लापरवाही ने क्यों ली उनकी जान?

निगम प्रशासन की लीपा-पोती

घटना के तुरंत बाद नगर निगम के अधिकारी मौके पर पहुँचे और सफाई के नाम पर सफाईकर्मियों को बुलवाया। गुस्साए लोगों ने आरोप लगाया कि निगम अधिकारी यह कहकर बचाव करते दिखे कि टैंक की सफाई चल रही थी। लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना के समय वहाँ कोई सफाईकर्मी नहीं था, टैंक पूरी तरह खुला पड़ा था। यह बयान सिर्फ लापरवाही पर पर्दा डालने के लिए दिया गया।

कांग्रेस का प्रदर्शन आज

घटना की जानकारी मिलते ही नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा और पूर्व पार्षद जितिन राज मौके पर पहुँचे। उन्होंने कहा कि नगर निगम प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की घोर लापरवाही ने दो मासूमों की जान ले ली। नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा ने कहा निगम और अस्पताल प्रबंधन की उदासीनता शर्मनाक है। यह हत्या के समान अपराध है। आज कांग्रेस इस घटना के विरोध में प्रदर्शन करेगी और दोषियों पर हत्या का प्रकरण दर्ज करने की मांग करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर में भाजपा की सत्ता है, लेकिन कोई जनप्रतिनिधि इस दर्दनाक हादसे के बाद पीड़ित परिवार के पास तक नहीं पहुंचा।

नगर निगम की लापरवाही उजागर

यह हादसा केवल एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे जबलपुर प्रशासन के लिए चेतावनी है। शहर में विकास कार्यों के नाम पर अधूरे और असुरक्षित ढांचे आम लोगों की जान के लिए खतरा बने हुए हैं। मनमोहन नगर की यह त्रासदी प्रशासन की लापरवाही का सबसे जीवंत उदाहरण बन गई है।

रहवासियों का सवाल

- खुले टैंक को झाड़ियों में ढंका छोड़ने की अनुमति किसने दी?
- निर्माण के बाद टैंक को बंद क्यों नहीं किया गया?
- घटना से पहले किसी निरीक्षण की रिपोर्ट क्यों नहीं बनी?
- जिम्मेदार अधिकारी और ठेकेदार अब तक गिरफ्तार क्यों नहीं हुए?

डॉ. सुमित्र स्मृति समारोह में प्रतुल व प्रतिमा को सृजन सम्मान मिला

जबलपुर। डॉ. सुमित्र संस्कृति और संस्कारों के संवाहक थे, जिनके सानिध्य में जीवन औऱ सृजन का ज्ञान मिलता था। उक्त उदगार पाथेय साहित्य कला अकादमी के तत्वावधान में कला वीथिका में आयोजित डॉ. राजकुमार सुमित्र स्मृति सृजन एवं काव्य सम्मान समारोह में अतिथियों ने व्यक्त किये। समारोह की अध्यक्षता आचार्य भगवत दुबे ने की, जबकि मुख्य अतिथि समाजसेवी अशोक मनोध्या थे। विशिष्ट अतिथि में यश भारत के संस्थापक आशीष शुक्ला, पूर्व महापौर प्रभात साहू, विधायक डॉ. अभिलाष पांडे रहे। समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार प्रतुल श्रीवास्तव को सुमित्र सृजन सम्मान एवं कवयित्री प्रतिमा अखिलेश को सुमित्र कविता सम्मान से शाल मानपत्र अलंकरण नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। वहीं, बसंत मिश्रा को रचनात्मक फोटो पत्रकारिता के लिए, दविंदर सिंह ग्रोवर रवि शुक्ला को कला के लिए सम्मानित किया गया। डॉ. हर्ष तिवारी, मोहिनी तिवारी, सोनल पांडे एवं आराध्या प्रियम ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन राजेश पाठक प्रवीण ने किया। इस अवसर पर नगर में क्रियाशील विविध संस्थाएं मित्र संघ, मिलन, गुंजन कला सदन, गोविंदगंज रामलीला समिति, गढ़ा रामलीला समिति, समरसता सेवा संगठन, वर्तिका, मंचदीप, अनेकांत, संस्कार भारती, जागरण साहित्य, त्रिवेणी परिषद, गीत पराग, आभा साहित्य संघ, मंथनश्री, हिंदी लेखिका संघ, बुंदेली संस्कृति संगम, सशक्त हस्ताक्षर, साहित्य सहोदर, विविधा कला अकादमी, हिंदी सेवा समिति, सनाढ्य संगम, नमस्ते पहल, अंतस संस्था, सुप्रभातम एवं सिद्धार्थ फाउंडेशन को भी सम्मानित किया गया ।

बिना स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम के कम्बाईन हार्वेस्टरों के जिले में प्रवेश पर लगी रोक हटी : आदेश जारी

जबलपुर। फसल कटाई में इस्तेमाल किये जाने वाले कम्बाइंड हार्वेस्टरों को स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम लगाये बिना जिले में प्रवेश पर लगाई गई रोक को बारिश की वजह से बनी परिस्थितियों को देखते हुये स्थगित कर दिया गया है। इस बारे में आदेश भी जारी कर दिया गया है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड द्वारा जारी आदेश के मुताबिक अब बिना स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम लगे कम्बाइंड हार्वेस्टर जिले के भीतर प्रवेश कर सकेंगे। इस आदेश से जिले की सीमा पर स्थित टोल नाकों के प्रबंधकों को भी अवगत करा दिया गया है तथा उन्हें बिना स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम लगे कम्बाइंड हार्वेस्टरों को जिले के भीतर प्रवेश देने के निर्देश दिये गये हैं।

मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री सिंह

जबलपुर। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह रविवार को सुबह 11 बजे 90 क्वार्टर, शहीद गुलाब सिंह वार्ड स्थित अंकित श्रीवास्तव तनु के घर के सामने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम सुनें।साथ ही वहां आमजन से भी मिले। मन की बात कार्यक्रम को सुनने के लिए क्षेत्र के लोगों ने उत्सुकता के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए।

चतुर्थ वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस के लिए तैयारियां शुरू

20 देशों के विद्वानों के अलावा थाईलैंड एवं मॉरीशस के 8 से 10 सदस्य भी इस आयोजन में पधार रहे हैं

जबलपुर। आगामी 2, 3 एवं 4 जनवरी 2026 को चतुर्थ वर्ल्ड रामायण कान्फ्रेंस की रूपरेखा और कार्ययोजना तैयार करने आयोजन समिति कार्यकर्ताओं की बैठक सत्य अशोक में.आयोजित हुई। साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी ने बताया कि कल्याण बाबा के मुख्य संरक्षण में यह आयोजन किया जा रहा है इसमें स्वामी रामभद्राचार्य उपस्थित रहेंगे साथ ही अन्य संतों का भी आगमन हो रहा है। आयोजन समिति के अध्यक्ष अजय बिश्नोई ने बताया कि 2,3 एवं 4 जनवरी को यह आयोजन केन्द्र सरकार, राज्य सरकार एवं नगरनिगम जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में जबलपुर में आयोजित होने जा रहा है। राज्यसभा सांसद स सुमित्रा वालमिकि ने वर्ल्ड रामायण कान्फ्रेंस के माध्यम से युवाओं को जोडऩे की बात कही।आयोजन के स्वागत अध्यक्ष महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने विशेष रूची लेते हुए नगर निगम जबलपुर के द्वारा एक स्वागत भोज करने की बात कही।साथ ही इस आयोजन में नगर निगम जबलपुर के द्वारा रामायण दर्शन प्रदर्शनी का आयोजन करने पर जोर दिया। यह प्रदर्शनी आयोजन स्थल में मुख्य आयोजन के कुछ दिन पूर्व से ही प्रारंभ की जाएगी।विधायक अभिलाष पांडे एवं नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज ने इस अवसर पर उदघाटन सत्र में केंद्र सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों एवं संत समाज के वरिष्ठ जनों की उपस्थिति पर जोर दिया। गढ़ा रामलीला समिति के संचालक पंडित अशोक मनोध्याय ने इस आयोजन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में रामलीला समिति, ब्रह्मर्षि बाबरा मिशन समिति एवं सनातन धर्म महासभा के विशेष सहयोग पर प्रकाश डाला। कार्यकर्ताओं की तैयारी के अवलोकन हेतु आयोजन समिति के एडवोकेट रवि रंजन जी एवं रामलीला समिति के अध्यक्ष राकेश पाठक ने विभिन्न आयोजन उपसमितियों की बैठक भी समय-समय पर आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। आयोजन सचिव डॉक्टर अखिलेश गुमास्ता ने बताया कि इस आयोजन में विश्व भर के 20 देशों के रामायण के विद्वान पधार रहे हैं इसके अलावा थाईलैंड एवं मॉरीशस के 8 से 10 सदस्यों का प्रतिनिधि मंडल भी इस आयोजन में पधार रहे हैं। बैठक के प्रारंभ में 2016 से जुड़े प्रथम सदस्य चंद्र कुमार मिश्र , डॉक्टर कृष्णकांत चतुर्वेदी , एवं कार्यकर्ता तुषार सिधना को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मंत्री राकेश सिंह पूर्व के आयोजन से ही मुख्य सलाहकार हैं, साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी एवं पंडित अशोक मनोध्याय ने पूरे आयोजन में उनके और अधिक सहयोग एवं मार्गदर्शन मिलने के लिए हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर नरेश ग्रोवर, रवि वाजपेई, अर्पित तिवारी,पंकज गौर,विनोद गोंटिया,रत्नेश सोनकर,डॉक्टर जितेन्द्र जामदार, शरद अग्रवाल, कमल ग्रोवर,पंकज शाह,संजय यादव, श्रीमती गीता शरद तिवारी, शैलजा सुल्लेरे, अर्चिता तिवारी, राजेश मिश्रा, अजय तिवारी, गुलशन माखिजा, मनोज नारंग,वह नय केसरवानी, आलोक पाठक, प्रदीप गुप्ता, पंकज श्रीवात्रे, विध्येश भापकर,नितिन भाटिया, रमाशंकर कटारे, सहित सभी सहयोगी कार्यकर्ता उपस्थित हुए। मीडिया प्रभारी दिनेश मिश्रा ने उपस्थित सभी सदस्यों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी से पूर्ण मनोयोग के साथ 'राम काज लय लीन मन बिसरा तन कर छोह इस आयोजन में लग जाने की अपील करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

कजरवारा में चंडी मेला आज

जबलपुर। कजरवारा में स्वर्गीय नारायण प्रसाद यादव की स्मृति मे 27/ अक्टूबर सोमवार को चंडी मेले का आयोजन राम मंदिर प्रांगड़ में किया जा रहा है। मेले में भीटा, टेमर, सिद्ध नगर,बिलहरी, गधेरी, कजरवारा के ग्वाल माई चंडी, माल बाबा की पूजन कर अहीर नृत्य करेंगे, झूमर, छाल,मृदंग के साथ दिवारी गीत का कार्यक्रम होगा , समाज के उच्च सामाजिक कार्य करने वालों का सम्मान किया जाएगा, कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी ग्याल बाल अपने सजो सामान साथ लेके आवे, राम मंदिर समिति कजरवारा के सुरेश उपाध्यय, अनिल यादव, अटल उपाध्याय,रामकुमार ठाकुर, जबाहर बारकडे, नरेंद्र उपाध्याय, अभय उपाध्याय,विजय महोबिया, गोबिंद यादव, मिलन ठाकुर, राहुल यादव, नमन उपाध्याय,प्रकाश यादव, राहुल कुशवाहा, रोशन सेन, सतीश कुशवाहा, रज्जन यादव, अज्जू यादव, अरुण चौकसे, संदीप सोनी, अमित झारिया,कार्तिक यादव, गणेश यादव ने व्यापारी बंधुयों से दिन में स्थान सुरक्षित करने झूले वालों से समय पर सुरक्षित झूला लगाने के साथ ही ग्याल बाल, पुलिस प्रशासन से मेले में पहुंचने की अपील की है।

रेलवे ने फुटबॉल में कलकत्ता में परचम फहराया

जबलपुर। पूर्व रेलवे स्पोर्टस एसोसिएशन कलकत्ता पश्चिम बंगाल, में 22 अक्टूबर से 3 नवंबर तक आयोजित 80 वी अखिल भारतीय अंतर रेलवे फुटबॉल प्रतियोगिता (पुरुष) में खेले गये मैच में पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर ने नार्थ ईस्टन रेलवे गोरखपुर को 1-0 से हराकर परचम फहराया और अंक तालिका में तीन अंक प्राप्त किये । महाप्रबंधक शोभना बंद्योपाध्याय के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों को सभी मूलभूत सुविधाएं प्रदान की गई है एवं रेलवे खेलकूद संघ के अध्यक्ष श्री कुशाल सिंह निरिक्षण कर रहे हैं । टीम में संतोष रजक, सोनू रजक, राजा बर्मन, रितेश रजक, नीलेश पिल्ले, आकाश बाबू, चेतन, सुजीत, दीपक, ओम रजक, सुब्राता मुर्मू, सावन रामचन्द्रन, मोहित, राजा, विजय, पिताम्बर, गुंजन गुलाम घोष एवं पमरे फुटबॉल टीम के कोच अविनाश थापा एवं मेनेजर नवीन तोमर है।
पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर फुटबॉल टीम को जी. पी. शिव नारायण, महासचिव, श्री यशवंत कुमार, कोषाध्यक्ष, श्री कमल कुमार तलरेजा मंडल रेल प्रबंधक, सुबोध विश्वकर्मा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक प्रबंधक, दशरथ कुमार, आरिफ अली, गजेन्द्र सिंह मेहरोलिया, हसन अली, कल्याण दास, रामपाल रजक, असद खान, मितेन्द्र कुमार, नवीन उपाध्याय, असलम अली, रेल कर्मचारियों एवं समस्त खेल प्रेमियों ने हार्दिक बधाईयॉ व भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी गई है।

नर्मदे हर से अंकित भगवा ध्वजों का पूजन

जबलपुर। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा 5 नवंबर कार्तिक पूर्णिमा सुबह 8:30 बजे संत महात्मा एवं देश के शहीद परिवारों के सानिध्य में निकाली जाएगी. साकेत धाम के संस्थापक गिरीशानंद महाराज के सानिध्य में कोलकाता से पधारे उद्योगपति अरविंद नेवर वैद्यनाथ गीता मिस्त्र सी ए ने 621 स्थान से आए नर्मदे हर से अंकित भगवा ध्वज का विधि विधान से पूजन अर्चन बटुक ब्राह्मणों ने कराया महाआरती के साथ प्रसाद वितरण किया गया. महाराज ने बताया ध्वज में साक्षात हनुमान जी का वास होता है सभी विगनहो को हर देते हैं सुख समृद्धि का प्रतीक होता है ध्वज सनातन का प्रतीक है. इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक परिक्रमा अध्यक्ष डॉ सुधीर अग्रवाल संरक्षक सुषमा शंकर पटेल पं मनमोहन दुबे श्याम मनोहर पटेल सुरेश विश्वकर्मा मोहित तिवारी दीपक तिवारी पीयूष शुक्ला अवधेश खरे पप्पू चौबे कैलाश विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

एम.पी. ट्रांसको में साइबर क्विज : कार्यपालन अभियंता अंजु नीखरे प्रदेश में प्रथम

जबलपुर। साइबर जागृत भारत अभियान के तहत मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) में साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के अंतर्गत ''ऑनलाइन साइबर क्विज' आयोजित हुआ, जिसमें प्रदेश के एम.पी. ट्रांसको कार्मिकों ने हिस्सा लिया। यह क्विज कंपनी के सोशल मीडिया समूहों में साझा की गई "साइबर अपराध से बचाव हेतु मार्गदर्शिका" पर आधारित था। एम.पी. ट्रांसको के इस अभियान की सफलता इसी से स्पष्ट होती है कि एम.पी. ट्रांसको के प्रदेश मे दूरस्थ स्थित ट्रांसमिशन लाइन मुख्यालयों एवं सबस्टेशनों से भी प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस क्विज के संयोजक डॉ. हिमांशु श्रीवास्तव ने बताया कि कंपनी के प्रदेश भर में एम.पी. ट्रांसको के विभिन्न कार्यालयों के कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक क्विज में सहभागिता की। इसका उद्देश्य अधिकारियों और कर्मचारियों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें डिजिटल माध्यमों पर सुरक्षित कार्य प्रणाली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इस ऑनलाइन क्विज का संचालन आईटी सेल के प्रोग्रामर प्रवीण शुक्ला ने किया।

जबलपुर की अंजू नीखरे रही प्रथम

इस आनलाइन क्विज में जबलपुर में पदस्थ कार्यपालन अभियंता सुश्री अंजु नीखरे प्रथम स्थान पर रहीं, उन्होंने न्यूनतम समय में सभी प्रश्नों का सही उत्तर दिया। इसके अलावा 132 के.व्ही. सबस्टेशन पंधाना (खंडवा) के कनिष्ठ अभियंता सागर महाजन एवं 132 के.व्ही. सबस्टेशन चंबल (भोपाल) के प्रीतम भापकर ने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। एम.पी. ट्रांसको के प्रबंध संचालक ने साइबर क्विज के विजेताओं को इस सफलता पर बधाई दी।

मप्र शिक्षक संघ की संभागीय कार्यसमिति का होगा शंखनाद

जबलपुर। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जबलपुर संभागीय कार्यकारिणी की बैठक आज महानगर जबलपुर मे संपन्न हुयी। इस मे जबलपुर संभाग के सभी नौ जिलों से आए मप्र शिक्षक संघ के पदाधिकारी -कार्यकर्ताओं ने ' शिक्षकों व शिक्षा की तमाम समस्याओं को रखकर उनके समाधान की रणनीति तैयार की। इस मौके पर संघ के सदस्यता अभियान 2025की समीक्षा , जिलों मे शिक्षक सदन निर्माण, बी० एड० प्रशिक्षणार्थियों को छात्रावास मे ही अनिवार्यतः आवास उपलब्धता जैसे विषय उठे। आज दोपहर 12बजे से शाम 5 बजे तक दो सत्रों मेयह बैठक स्थानीय एम ०एल ०बी०हायर सेकेण्डरी स्कूल मे हुयी। जिसका आयोजन मप्र शिक्षक संघ जबलपुर के जिलाध्यक्ष आशीष तिवारी ने महानगर अध्यक्ष सुरेन्द्र रिछारिया के सौजन्य से किया गया था।इस बैठक में एबीआरएसएम के राष्ट्रीय स्तर के शैक्षिक प्रकोष्ठ प्रभारी, विजय शुक्ला, प्रांतीय सह संगठन मंत्री नंदकुमार शुक्ला, विशेषतः उपस्थित रहे। अध्यक्षता संभागाध्यक्ष तोरण लाल परतेती ने की। संचालन संभागीय संगठनमंत्री डा०अजय तिवारी ने किया। बैठक मे लंबे समय से लंबित, क्रमोन्नत, ई-अटेंडेंस, नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता, जबलपुर जिला-संभाग मे शिक्षकों के हित लाभ के प्रति अधिकारियों की उदासीनता जैसे विषय उठे, जिन के निराकरण हेतु कदम उठाने का निर्णय सर्व सम्मति से हुआ। इस मौके पर संभागीय सचिव राजकुमारी गुप्ता, कोषाध्यक्ष प्रहलाद पटेल, उपाध्यक्ष कालीचरणराय, सह सचिव कीर्ति निधि दुबे,संतोष तिवारी मझोली अध्यक्ष, विवेक शुक्ला, महेन्द्र सिंह उद्दे, राजेन्द्र सरवरे, सत्यप्रकाश त्यागी, वामन कुकडे, सोपतराम उर्वेती, अशोक दीक्षित,आदि प्रमुख पदाधिकारियों, सहित संभागीय, जिला, तथा ब्लाकों के पदाधिकारी-सदस्य बड़ी संख्या मे उपस्थित रहे।

खरना कर महिलाओं ने रखा 36 घंटे का निर्जला व्रत

महापर्व छठ : भगवान सूर्य को प्रथम अर्घ्य आज

हरिभूमि जबलपुर।

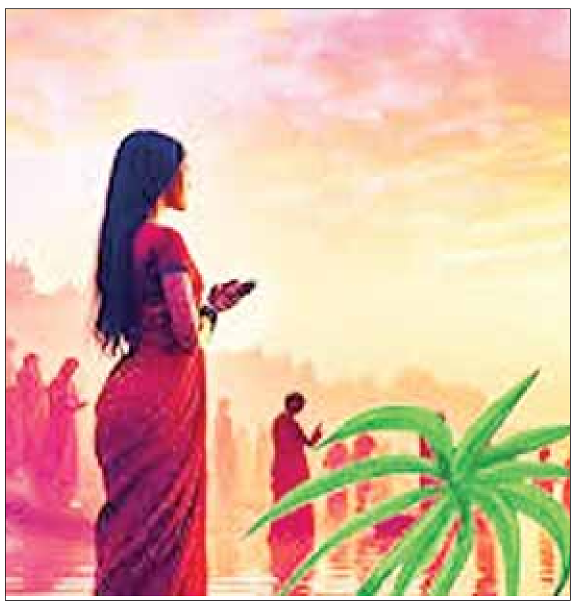

महापर्व छठ के प्रति उत्तर भारतीयों में अभूतपूर्व उत्साह एवं उमंग संस्कारधानी में दिख रहा हैं। भारत में छठ सूर्योपासना के लिए प्रसिद्ध पर्व है। मूलतः सूर्य षष्ठी व्रत होने के कारण इसे छठ कहा गया है। स्त्री और पुरुष समान रूप से इस पर्व को मनाते हैं। छठ महापर्व के दूसरे दिन रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य और सोमवार को उदयगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य का संकल्प पूरा करने के लिए व्रतियों ने खरना किया। व्रती दिनभर उपवास के बाद शाम को स्नान कर छठी मइया को गुड़ का खीर रसिआव और गेहूं की रोटी का भोग लगाएगी और अस्त होते सूर्य को अर्घ्य के लिए संकल्प लिया। सूर्यास्त के बाद कुलदेवता की पूजा की। खरना के साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हुआ। सोमवार को अस्त होते सूर्य और मंगलवार को उदयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य के बाद महापर्व छठ का समापन होगा। शहर में लोकआस्था का महापर्व छठ शनिवार को नहाय.खाये के साथ शुरू हुआ। दूसरे दिन रविवार को खरना हुआ। वहीं प्रसाद बनाने के लिये आम की लकड़ी और मिट्टी से बने चूल्हे की खरीद भी होती रही। फलों की मंडियों में भी उल्लास का वातावरण दिखा और अर्घ्य के लिये फलों की खरीद देर शाम तक चलती रही। प्रसाद बनाने के लिए श्रद्धालु गंगाजल भी ले गए। घाट से लेकर घर की छतों पर व्रतियों के छठ गीत से वातावरण पावन हो गया। व्रतियों ने नर्मदा सहित विभिन्न तालाबों के घाटों पर स्नान कर छठी मइया के गीत गाये और अनेक स्थानों पर महिलाओं ने घाट पर बनाई गई बेबी की पूजा की जिसे हम घाट पूजा कहते हैं।

छठ का पौराणिक तथ्य

डूबते सूरज को अर्घ्य छठ पर्व पर पहले डूबते सूरज और फिर ऊगते सूरज की पूजा कि जाती है। साथ ही महिलाएं कमर तक पानी में खड़ी रहती हैं। इस उल्टे क्रम के पीछे पौराणिक कारण हैं। मान्यताओं के अनुसार राक्षस तारकासुर का वध करने हेतु भगवान कार्तिकेय का जन्म हुआ था। उनके जन्म के साथ ही छह मातृकायें प्रकट हुई जो भगवान कार्तिकेय की देखभाल करती थी। जब तारकासुर का भय चरम पर था तभी भगवान कार्तिकेय ने तारकासुर का वध करने के लिए युद्ध किया और उसको मारने के लिए वे तारकासुर के पीछे दौड़े, उनके पीछे उनकी छह मातृकायें भी दौड़ी। भगवान कार्तिकेय दौड़ते हुए नदी पार कर गए किंतु माताओं का पैर नदी में ही फंस गया। जिसके कारण वे आगे नही बढ़ सकीं। उस समय भगवान सूर्य के अस्त होने का समय था। सभी माताएं नदी में ही खड़े रहकर सूर्य देव से पुत्र के लिए मंगलकामना करती रहीं। दूसरे दिन सूर्योदय के समय कार्तिकेय तारकासुर का वध करने तक मातायें उसी अवस्था में नदी में रहकर प्रार्थना करती रहीं। यही छह मात्रिकायें छठ मइया कहलाईं। तभी से कार्तिक मास की षष्ठी को माताएं अपने पुत्रों की कुशलता के लिए व्रत रखती हैं एवं शाम के समय पहले सूर्यास्त के समय प्रथम अर्घ्य एवं दूसरे दिन सुबह सूर्योदय के समय द्वितीय अर्घ्य देती है।

पूजा स्थलों पर निगम एवं पुलिस प्रशासन रहेगा मुस्तैद

छठ पूजा के लिए श्रद्धालुओं ने 18 स्थलों को चयनित किया है जिनके लिए उत्तर प्रदेश.बिहार महासंघ ने प्रभारियों की भी नियुक्ति की है। पर्व के दौरान होने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन और निगम प्रशासन ने पुख्ता व्यवस्थाएं की हैं। गौरीघाट में वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने पुलिस ने कई बैरीकेट्स बनाए हैं। वहीं यातायात को संभालने के लिए पुलिस की व्यवस्था की गई है। प्रायः सभी पूजा स्थलों पर सुरक्षा और निगरानी के लिए पुलिस की पर्याप्त व्यवस्था के निर्देश अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। वहीं नगर निगम ने घाटों पर साफ सफाई पेयजल एवं प्रकाश की पूरी व्यवस्था की है अनेक स्थानों पर महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम बनाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

रमनगरा स्थित शंकराचार्य मठ में हुआ भव्य स्वागत, 26 नवम्बर को पहुंचेगा गोवा

राम नाम जप के साथ संस्कारधानी पहुँचा श्रीराम दिग्विजय रथ

हरिभूमि, जबलपुर।

आस्था, एकता और सनातन संस्कृति के संदेश के साथ श्रीराम दिग्विजय रथ यात्रा रविवार देर शाम संस्कारधानी पहुँची। यह ऐतिहासिक यात्रा बद्रीनाथ से प्रारंभ होकर अब तक भारत के सात राज्यों से गुजर चुकी है। रमनगरा स्थित शंकराचार्य मठ में रथ का भव्य स्वागत पुष्पवर्षा और आरती उतारकर किया गया। जगतगुरु शंकराचार्य आश्रम रमनगरा के ब्रह्मचारी शाश्वतानंद जी महाराज ने कहा कि इस रथ का दर्शन संस्कारधानी का सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के कार्य में प्रत्येक सनातनी को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

550 दिनों में 550 करोड़ बार श्रीराम का जप

श्रीसंस्थान गोकर्ण पुर्तगाली जीवोत्तम मठ के प्रतिनिधि पवन प्रभु ने बताया कि रथ यात्रा का उद्देश्य 550 दिनों में 550 करोड़ बार "श्रीराम जय राम जय जय राम" का जप करना है। यह एक अभूतपूर्व धार्मिक अभियान बन चुका है। प्रतिदिन एक करोड़ राम नाम का जप किया गया, जो 18 अक्टूबर 2025 को पूर्ण हुआ। यात्रा का शुभारंभ 17 अप्रैल 2024 को बद्रीनाथ से हुआ था। यह श्रीनगर, दिल्ली, कन्नौज, अयोध्या, काशी होते हुए जबलपुर पहुँची है। अब यह अमरावती से होते हुए 26 नवम्बर 2025 को गोवा स्थित पुर्तगाली केंद्र मठ पहुँचेगी, जहाँ इस अभियान का समापन होगा। गोवा में प्रभु श्रीराम की 77 फीट ऊँची ब्रॉन्ज प्रतिमा तैयार की जा रही है, जिसका निर्माण स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के कलाकार कर रहे हैं।

यह रहे उपस्थित

रथ आगमन पर अभिलाष पांडे के प्रतिनिधि श्रीकांत 'कुक्की' वर्मा, सोनू पंडा, विपिन ठाकुर, अंकित ठाकुर, राम भक्त एमएल तिवारी, पत्रकार मयंक तिवारी, शुभम शुक्ला, हर्षित चौरसिया सहित अनेक भक्तों ने पूजन-अर्चन किया। समिति के गिरिधर नायक, श्रीनिवास कामक, पं. शरण आचार्य, आनंद भट्ट, पवन प्रभु आदि ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से जानकारी दी।

कान्यकुब्ज ब्राम्हण सभा महिला प्रकोष्ठ का दीपावली मिलन संपन्न

जबलपुर। अभिनव प्रयास दीपावली मिलन कान्यकुब्ज ब्राह्मण सभा चेरीताल, जबलपुर की महिला प्रकोष्ठ की मातृशक्तियों द्वारा समाज की वयोवृद्ध महिलाएं जो शारीरिक रूप से अशक्त हो चुकी हैं, किंतु जीवन काल में एक समय उन्होंने समाज को सहयोग प्रदान किया, उनके निवास स्थान पर जाकर दिवाली मिलन पुष्प माला एवं मिष्ठान भेंट कर मनाया गया। अत्यधिक प्रसन्नता के साथ सभी माताओं ने महिला प्रकोष्ठ की महिलाओं को आशीर्वचन दिए और इस प्रयास की भूरी-भूरी सराहना की। इनमें श्रीमती उमा मिश्रा, उर्मिला बाजपेई, दुलारी देवी दुबे, सुधा शुक्ला, कुसुम बाजपेई, शारदा शुक्ला, सावित्री अग्निहोत्री, उमा उपाध्याय, सुधा दुबे, कमल बाजपेई आदि महिलाओं के साथ दीपावली मिलन किया गया। कान्यकुब्ज ब्राह्मण सभा, जबलपुर के अध्यक्ष सन्तोष मिश्रा के मार्गदर्शन में इस पहल को मूर्तरूप देने में डॉ.आशा पांडे महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष, डॉ. नमिता त्रिपाठी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सुनीता दुबे उपाध्यक्ष, साधना शुक्ला सचिव, डॉ. सरोज शुक्ला कोषाध्यक्ष, सुषमा त्रिपाठी, अल्का मिश्रा आदि महिला प्रकोष्ठ पदाधिकारीगण सम्मिलित हुईं, जो अतिसराहनीय रहा।

एसआईओ ने नैतिकता और सादगी पर शुरू किया जनजागरूकता अभियान

जबलपुर। स्टूडेंट्स इस्लामिक आर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया (एसआईओ) ने शर्म-हया जीवन हैः मायने, नैतिकता और संयम-शांत चित्त शीर्षक से एक राष्ट्रव्यापी नैतिकता अभियान की शुरुआत की है। यह अभियान 12 अक्टूबर से 10 नवम्बर 2025 तक देश भर के विश्वविद्यालयों, कालेजों और सामुदायिक स्थलों पर चलाया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को पोर्नोग्राफी, सोशल मीडिया एडिक्शन और नैतिक पतन जैसी आधुनिक लतों से बचाना तथा हया (शर्म, सादगी और आत्म संयम) के मूल्यों को पुनर्जीवित करना है। एसआईओ नेशनल कैम्पस सेक्रेट्री तल्हा मन्नान ने पत्रकार वार्ता में बताया कि आज का युवा तकनीकी रूप से सक्षम है, लेकिन नैतिक रूप से दिशाहीन हो रहा है। मीडिया और मनोरंजन जगत ने अश्लीलता को आधुनिकता का प्रतीक बना दिया गया है। उक्त अभियान इस भ्रम को तोड़ने का प्रयास है। अभियान संयोजक शादाम जकी ने कहा कि सच्ची तरक्की वही है जो नैतिकता के साथ हो, आज जरूरत है कि हम डिजिटल स्वतंत्रता के साथ नैतिक जिम्मेदारी को भी समझें। इस अवसर पर जुहैब हुसैन, अरशद मुफैज, जाहिद अहमद सहित अनेक स्थानीय छात्र प्रतिनिधि और युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पेंशनर्स 31 को भोपाल में अर्धनग्न होकर करेंगे प्रदर्शन

जबलपुर। प्रमुख पेंशनर्स एसोसियेशन के प्रांतीय अध्यक्ष श्याम जोशी तथा कार्यवाहक प्रांताध्यक्ष एचपी उरमलिया ने बताया कि राज्य के साढ़े चार लाख पेंशनर्स की लंबित मांगों का निराकरण लम्बे समय से मप्र शासन के द्वारा नहीं किए जाने के विरोध स्वरूप भोपाल में अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करेंगे। प्रांतीय महासमिति की बैठक 31 अक्टूबर को भोपाल के लघु वेतन कर्मचारी संघ भवन, माता मंदिर के पास आयोजित की गई है, जिसमें मप्र के प्रत्येक जिले के पदाधिकारी भाग लेंगे तथा बैठक में विचारोपरांत लंबित मांगों को लेकर रैली के रूप में मुख्यमंत्री निवास तक या मप्र शासन के मंत्रालय तक पहुंचकर अपना मांगपत्र संबंधित अधिकारियों को देंगे। बैठक में संभागीय अध्यक्ष शेषमणि पांडे, गौरीशंकर पांडेय, आरके श्रीवास्तव, एके शुक्ला, एसपी शुक्ला, सीएल दोहरे, बीएसपी गौर, डॉ. एसपी सिंह, श्रवण कुमार श्रोती, आरबी मिश्रा, एसके श्रीवास्तव, प्रकाश गर्ग आदि शामिल होंगे।

अनुकंपा नियुक्ति पर कार्यरत लिपिकों को सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करने की बाध्यता समाप्त की जाए

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि शासन द्वारा अनुकंपा नियुक्ति पर कार्यरत लिपिकीय कर्मचारियों को सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करने की बाध्यता को समाप्त करते हुए यदि वे सीपीसीटी परीक्षा पास न कर पाएं तो उन्हें हटाए जाने की प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए उन्हें पर्याप्त समय और अवसर दिए जाने चाहिए। अनुकम्पा नियुक्ति पर नियुक्त लिपिकीय कर्मचारियों को कम से कम 3-5 वर्ष का समय सीपीसीटी उत्तीर्ण करने के लिए मिलना चाहिए, ताकि वे नौकरी के साथ साथ परीक्षा की तैयारी कर सकें। यदि निर्धारित अवधि में सीपीसीटी उत्तीर्ण नहीं कर पाते तो पुनः अतिरिक्त प्रयास के लिए अवसर मिलना चाहिए तथा नौकरी से निकालने की बजाय पदावनत का विकल्प अथवा अस्थायी रूप से कम वेतनमान या अन्य निम्न पदों पर पदावनत किया जाने का विकल्प होना चाहिए।

भगवान बुद्ध ने चार आर्य सत्य और अष्टांगिक मार्ग का उपदेश देकर अंधकार में प्रकाश फैलाया

दीपांकर बुद्ध, सुमेध तापस और शाक्यमुनि गौतम बुद्ध की कथाओं से गूंजा परिसर

जबलपुर। प्राचीन बौद्ध मठ, गोपालपुर में चल रही बुद्ध कथा के दूसरे दिन श्रद्धा, भक्ति और शांति का दिव्य वातावरण देखने को मिला। सुबह से ही श्रद्धालु बड़ी संख्या में कथा स्थल पर पहुंचकर भगवान बुद्ध की वंदना करते रहे और ध्यान सत्र में सम्मिलित हुए।

आज की कथा का वाचन महापंडित सद्धार्माचार्य पूज्य भिक्षु प्रियदर्शी थेरो द्वारा किया गया। वे पाली, बौद्ध एवं संस्कृत साहित्य के प्रकांड विद्वान तथा विजिटिंग प्रोफेसर, केलनिया यूनिवर्सिटी (श्रीलंका) हैं। भिक्षु प्रियदर्शी थेरो ने अपने प्रवचन में सबसे पहले भगवान दीपांकर बुद्ध और सुमेध तापस की प्रेरक कथा का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि कैसे तपस्वी सुमेध ने अपने तप, श्रद्धा और करुणा से भगवान दीपांकर बुद्ध को प्रसन्न किया।

सुमेध तापस ने अपने तन-मन से मार्ग तैयार कर दीपांकर बुद्ध के चरणों की वंदना की। उनकी गहन श्रद्धा और समर्पण से अभिभूत होकर दीपांकर बुद्ध ने उन्हें भविष्य में बुद्ध होने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने समझाया कि यह कथा हमें यह सिखाती है कि सच्ची श्रद्धा और समर्पण से ही मनुष्य महानता की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि यही सुमेध तापस आगे चलकर शाक्यमुनि गौतम बुद्ध के रूप में इस संसार में उत्पन्न हुए। इसके पश्चात थेरो जी ने शाक्यमुनि गौतम बुद्ध की जीवन गाथा सुनाई- राजकुमार सिद्धार्थ के रूप में जन्म से लेकर वैराग्य, साधना और ज्ञान प्राप्ति तक की प्रेरणादायक यात्रा। उन्होंने चार दृश्य-वृद्धावस्था, रोग, मृत्यु और संन्यास की व्याख्या करते हुए बताया कि इन अनुभवों ने सिद्धार्थ के भीतर मानवता के दुखों को मिटाने की करुणा जगाई। उन्होंने कहा कि बोधि वृक्ष के नीचे प्राप्त ज्ञान के बाद भगवान बुद्ध ने संसार को मध्यम मार्ग, चार आर्य सत्य और अष्टांगिक मार्ग का उपदेश देकर अंधकार में प्रकाश फैलाया। मठ परिसर में पूरे दिन "बुद्धं शरणं गच्छामि" की मधुर गूंज वातावरण में गूंजती रही। शाम को आयोजित ध्यान सत्र और भजन संध्या में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आत्मिक शांति और आनंद का अनुभव किया। आयोजक समिति ने बताया कि तीसरे दिन की कथा में भिक्षु प्रियदर्शी थेरो जी भगवान बुद्ध के धम्म प्रचार और संघ स्थापना से जुड़ी घटनाओं का वर्णन करेंगे। इस आयोजन के मुख्य आयोजक त्रिरत्न श्रद्धापुंज फाउंडेशन, प्राचीन बौद्ध मठ, गोपालपुर, जबलपुर हैं। कार्यक्रम में उदयभद्र बौद्ध, टावल सिंह मिलावट, अनिल अडकने, बौद्ध दयाशंकर कुशवाहा, रवी पटेल, अर्जुन पाटिल, मनोज बाघमारे, ब्रजेस ऊके, संतोष मराठा, शैलेंद्र बौद्ध आदि उपस्थित रहे।

सड़कों पर गूंजी गुरुनानक की ईश्वरीय वाणी

सर्व ईश्वरवाद का संदेश देने वाले श्री गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व पर निकला भव्य नगर कीर्तन

सिहोरा। श्री गुरु नानकदेवजी ने दुनिया को सर्व ईश्वरवाद का संदेश दिया जिससे वह सभी भाव और सत्य फलित होते हैं जिनके साथ मानव की प्रगति और कल्याण जुड़ा है,जो कुछ मिले उसे दुसरो के साथ बांटना,जरुरतमंदों की मदद करना सहित अन्य संदेशों को लेकर नगर के सिख समाज द्वारा गुरुनानक देव जी का 556 वां प्रकाशोत्सव पर्व हर्षोल्लास श्रद्धा भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है।

प्रमुख मार्गों से होकर निकला नगर कीर्तन

रविवार को शाम 4 बजे झंडा बाजार स्थित गुरूद्वारा से अरदास के बाद भव्य एंव प्रेरक नगर कीर्तन शोभायात्रा प्रारंभ हुई जो झंडा बाजार, आजाद चौक,ग़ौरी तिराहा,पुराना बस स्टेंड,मैना कुआं, महावीर चौक,कालभैरव चौक, झंडा बाजार होकर कटरा मोहल्ला मझौली बायपास स्थित गुरुद्वारे में संपन्न हुई। पूरे नगर कीर्तन मार्ग में धुन के माध्यम से गुरुनानक देव जी की ईश्वरीय वाणी गूंजती रही।

पुष्प के रथ पर गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश

पुष्प से सुसज्जित रथ पर गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश किया गया था जिसके समक्ष श्रद्धालू माथा टेक कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे थे तथा किरपाल लिए पंच प्यारों की अगुवाई में निकले नगर कीर्तन में शबद कीर्तन करते स्त्री पुरुषों के समूह और बैंड दल माहौल को भक्तिमय बना रहे थे। युवक,युवतियां रथ खींचते चल रहे थे उसके पीछे जबलपुर रांझी से आये रागी जत्थे के सदस्यों द्वारा एक वाहन में कीर्तन किया जा रहा था तथा पूरे मार्ग में पुष्प वर्षा के साथ अनेक लोगों ने स्वागत किया।

बच्चे, युवतियां, महिलाएं बनीं सेवादार

बच्चे, युवतियां, महिलाएं, युवाओं द्वारा पूरे नगर कीर्तन मार्ग में पानी का छिड़काव कर रास्ते में झाड़ू लगाकर सेवा का कार्य किया जा रहा था तथा आखरी में भजन कीर्तन कर रहीं महिलाओं की टोली चल रही थी। तेक तेक फतह पंथ की जीत हो राज करेगा खालसा, जो बोले सो निहाल सतश्री अकाल सहित अन्य नारे लगाते हुए सभी लोग चल रहे थे। नगर कीर्तन में महिलाएं सफेद सूट ओरेंज दुपट्टा एंव पुरुष सफेद कुर्ता पायजामा में चल रहे थे। आयोजन को सफल बनाने के लिए गुरु सिंह सबा कमेटी ने सिहोरा खितौला की साद संगत का आभार व्यक्त किया है।

श्रीमती गीता बाई दुबे- हाथीताल गुप्तेश्वर वार्ड निवासी श्री कृष्ण कुमार दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती गीता बाई दुबे (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री नर्बदेश्वर पांडे- डिपो नं. 2 के पास गोरखपुर निवासी श्री नर्बदेश्वर पांडे (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री सागर सतनामी- बाबा टोला चौपड़ा कुआं के पास निवासी श्री राजमन सतनामी के पुत्र श्री सागर सतनामी (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री गुलाब सिंह सांकुले- कांचघर घमापुर थाने सामने निवासी श्री गुलाब सिह सांकुले (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री उमा शंकर बनाफर- फूटाताल कुम्हार मोहल्ला निवासी श्री उमा शंकर बनाफर (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री एसएल मलिक- न्यू रामनगर अधारताल निवासी श्री एसएल मलिक (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुकेश बेन- गोरखपुर ईसाई मोहल्ला निवासी श्री छेदी लाल बेन के पुत्र श्री मुकेश बेन (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती शांति बाई- दूसरा पुल 30 बैरक शीला कम्पाउंड के सामने निवासी श्री छोटे लाल की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सोमकली कुचबंधिया- नेहरू वार्ड कुचबंधिया मोहल्ला निवासी श्री पप्पू कुचबंधिया की धर्मपत्नी श्रीमती सोमकली कुचबंधिया (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शांता बाई पवार- व्हीकल रिछाई जीआईएफ गेट नं. 2 के पास निवासी श्री किशोरी लाल पवार की धर्मपत्नी श्रीमती शांता बाई पवार (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भगवान दास बेन- सिद्ध नगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री भगवान दास बेन (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती दमयंती बाई कोष्टा- शास्त्री विहार मिलेनियम स्कूल के पास निवासी श्री दामोदर प्रसाद कोष्टा की धर्मपत्नी श्रीमती दमयंती बाई कोष्टा (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजू कोरी- राधाकृष्णन वार्ड झंडा चौक निवासी श्री राजू कोरी (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुंदर लाल रजक- ब्रह्मर्षि कॉलोनी गौरीघाट रोड निवासी श्री सुंदर लाल रजक (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुदेश कुमार मल्होत्रा- सन्मति नगर कीर्ति नगर के पास अधारताल निवासी श्री सुदेश कुमार मल्होत्रा (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब मात्र 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
विज्ञापन साइज:- ... से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
विज्ञापन साइज:- ... से.मी. रंगीन 400/-
विज्ञापन साइज ... से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303308294, 9407362100

सिहोरा ब्लाक कांग्रेस कमेटी का दीपावली मिलन समारोह आयोजित

सिहोरा। जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजय यादव के नेतृत्व में सिहोरा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा मंझगवा के खम्परिया खितौला में दीपावली मिलन समारोह एवं कलेवा पार्टी का आयोजन बिहारी पटेल ब्लाक कांग्रेस कमेटी सिहोरा अध्यक्ष के संयोजक में किया गया। जिसमें संगठन की मजबूती का संकल्प लिया गया।

कार्यकर्ता कलेवा बांधकर साथ लाये

सभी कार्यकर्ता अपने साथ कलेवा साथ बांधकर लाये,जिसको तुम भी खाओ हम भी खायें के साथ सभी ने बैठकर ग्रहण किया। ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बिहारी पटेल के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रुप से रजनीश सिंह विधायक एवं संगठन प्रभारी जिला ग्रामीण,देवी सिंह चौहान सिहोरा विधानसभा प्रभारी मुख्य रुप से उपस्थित थे। इनके अलावा भवानी साहू अध्यक्ष कुंडम, राजेश तिवारी, रूपेंद्र पटेल,नित्यरंजन खंपरिया पूर्व विधायक, एड रविदीप सिंह, केशव मिश्रा, सुबोध पांडे, पार्षद राजेश चौबे, प्रकाश कुररिया, बाबा कुरैशी, अमोल चौरसिया, पवन सोनी, रामगोपाल पटेल, विपिन राय, मनीष सोनी, राजा पटेल, राजकुमार पटेल,मंजू मिश्रा, घनश्याम बडगैया, राजेश पटेल, दीपक पटेल, अवसर पटेल, हिमांशू पांडे, नीरज पाठक, बबुआ पटेल, लाल बहादुर पाठक, रमेश पटेल, दिनेश पटेल, आलोक पांडे,पार्षद रमेश पटेल, कौशल पटेलआदि उपस्थित थे।

एलायंस क्लब मारबल रॉक्स ने मनाया दीपावली मिलन समारोह

जबलपुर। एलायंस क्लब जबलपुर मारबल रॉक्स (लेडीज) द्वारा दीपावली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कमल चौरसिया संस्थापक पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर थे। अध्यक्ष सतीश साहू, लेडीज सचिव सुमन राय, सचिव प्रियंक श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का पुष्पहार से स्वागत किया एवं सभी सदस्यों को दीपावली पर्व की बधाई देते हुए स्वस्थ, समृद्ध एवं खुशहाल जीवन की कामना की। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मनीष खरे, वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विनोद तिवारी, डिस्ट्रिक्ट सचिन विभा ब्योहार, प्रियंका सोनी, कविता सराफ, नीना गुप्ता, दिलीप पटारिया, संजय सोनी, प्रो. एलपीएस राजपूत, शरद जेठा, प्रमोद खरे, आरती गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS **ISHRAQ AHAMAD FARIDI** I, HAVE CHANGED THE SPELLING OF MY FIRST NAME AND HENCE FORTH I, SHALL BE KNOWN AS **ISHRAQUE AHAMED FARIDI** S/O ABDUL WAHAAB FARIDI RESIDENT OF- 42, SAKET COLONY, TIGHRA, KHAMARIYA, JABALPUR (M.P.) 482005.

खबर संक्षेप

बाजार पूंजीकरण में रिलायंस व टीसीएस को सर्वाधिक लाभ

नई दिल्ली। छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले पिछले सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण सामूहिक रूप से 1,55,710.74 करोड़ रुपये बढ़ गया। घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज और टीसीएस को सबसे ज्यादा लाभ हुआ।

सोयाबीन, सरसों तेल में गिरावट, मूंगफली स्थिर

नई दिल्ली। बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजार में महंगे दाम पर लिवाली प्रभावित होने से सरसों तेल-तिलहन, आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर बिकवाली करने से सोयाबीन तेल, संभावित सट्टेबाजी की हवा निकलने के बीच मलेशिया में एक सप्ताह से जारी गिरावट के कारण पाम-पामोलीन तथा आवक बढ़ने से बिनौला तेल के दाम में गिरावट दर्ज हुई।

ओर्कला इंडिया का आईपीओ 29 अक्टूबर को खुलेगा

नई दिल्ली। मसाला ब्रांड एमटीआर और ईस्टर्न के स्वामित्व वाली ओर्कला इंडिया ने अपने 1,667 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 695-730 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। आईपीओ 29 अक्टूबर को सार्वजनिक अभिदान के लिए खुलेगा और 31 अक्टूबर को संपन्न होगा। बड़े निवेशक 28 अक्टूबर को बोली लगा पाएंगे।

विमानन मंत्रालय एफटीओ की समीक्षा के लिए बैठक करेगा

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्रालय जल्द ही देश में उड़ान प्रशिक्षण संगठनों के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए एक बैठक बुलाएगा। यह बैठक हाल की रैंकिंग में अधिकांश संगठनों के खराब प्रदर्शन के मद्देनजर होने जा रही है। डीजीसीए द्वारा उड़ान प्रशिक्षण संगठनों की पहली बार की गई रैंकिंग में सूचीबद्ध 35 संगठनों में से कोई भी 'ए+' और 'ए' श्रेणी की सर्वोच्च रेटिंग प्राप्त नहीं कर सका।

लेंसकार्ट 31 अक्टूबर को आईपीओ लाएगी

नई दिल्ली। चश्मों की खुदरा कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस 31 अक्टूबर को अपना आईपीओ लाएगी। कंपनी का लक्ष्य नए शेयर जारी कर 2,150 करोड़ रुपये जुटाना है। लेंसकार्ट का आईपीओ 31 अक्टूबर को खुलेगा और चार नवंबर को बंद होगा तथा एंकर निवेशकों के लिए बोली 30 अक्टूबर को एक दिन के लिए खुलेगी।

जीएक्स ग्रुप भारत में 500 करोड़ रुपए का करेगा बड़ा निवेश

नई दिल्ली। ब्रॉडबैंड उपकरण विनिर्माता जीएक्स ग्रुप ने 500 करोड़ रुपये के शुरुआती निवेश से भारत में एक फोटोनिक मॉड्यूल और चिप इकाई स्थापित करने की जानकारी दी। जीएक्स ग्रुप के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) परितोष प्रजापति ने कहा कि गुड़गांव के मानेसर में मुख्यालय वाली इस नई अनुषंगी कंपनी से रोजगार के 300 से अधिक प्रत्यक्ष अवसर सृजित होने की उम्मीद है। समूह के वर्तमान में भारत में करीब 250 कर्मचारी हैं।

केंद्रीय बैंक के रुख से सोने में उथल-पुथल की आशंका : विश्लेषक

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अगले हफ्ते घरेलू बाजार में सोने की कीमतें कुछ हद तक स्थिर रह सकती हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि निवेशक प्रमुख केंद्रीय बैंकों की बैठकों और वैश्विक व्यापार घटनाओं पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति और फेड के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के बयान पर खास नजर रखेंगे।

- फेड के चेयरमैन पॉवेल के बयान पर होगी खास नजर

जेएम फाइनेंशियल के उपाध्यक्ष प्रणव मेर के अनुसार, ''हाल ही में सोने की कीमतें दस हफ्तों में पहली बार गिर गईं। इसका कारण निवेशकों के मुनाफा वसूली, भारत और चीन में कमजोर मांग तथा मजबूत अमेरिकी डॉलर है। उन्होंने कहा कि भारत में खरीदार कीमतें और गिरने की उम्मीद में कम खरीद रहे हैं, जबकि चीन और सिंगापुर में कम कीमतों ने खरीदारी बढ़ा दी।

निवेशक वैश्विक व्यापार घटनाओं पर नजर बनाए हुए

दशक की सबसे तेज छह फीसदी की गिरावट सोने में दर्ज

एमकेए ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की शोध विश्लेषक रिया सिंह ने कहा, ''इस सप्ताह सोने में एक दशक में सबसे तेज छह प्रतिशत से अधिक की गिरावट हुई। यह मुख्य रूप से तकनीकी कारणों से हुई, क्योंकि कीमतें 4,300 डॉलर प्रति औंस के ऊपर टिक नहीं पाईं।''

एमसीएक्स में दिसंबर डिलीवरी चांदी हुई कम : एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी 9,134 रुपये (5.83 प्रतिशत) कम हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी 3.02 प्रतिशत गिर गई। रिया सिंह ने कहा, ''चांदी का दीर्घकालिक दृष्टिकोण मजबूत है, क्योंकि सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहन जैसे उद्योगों में मांग बढ़ रही है।''

मजबूत डॉलर ने सोने में निवेश को कम किया

सिंह ने कहा कि अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में आशावाद और मजबूत डॉलर ने सोने में निवेश को सीमित किया। रिया सिंह ने कहा, ''हालांकि कीमतों में गिरावट आई है, लेकिन सोने का दीर्घकालिक नजरिया मजबूत है। अमेरिकी बजटीय घाटा, केंद्रीय बैंकों का डॉलर से दूर होना और भू-राजनीतिक जोखिम सोने के लिए सकारात्मक बने रहेंगे। चांदी में भी हाल ही में तेजी के बाद गिरावट आई।

एमसीएक्स में दिसंबर सोना डिलीवरी में गिरावट आई

एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाले सोने के वायदा भाव में 3,557 रुपये की गिरावट आई। एंजेल वन के प्रथमेश माल्या ने कहा, ''सोने में यह गिरावट निवेशकों के मुनाफा वसूली करने और अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में सुधार के संकेतों के कारण आई।''

टाटा टेक के सीईओ हैरिस ने कहा, हम इस चुनौती से वाकिफ है

एच-1बी वीजा शुल्क वृद्धि का लघु अवधि में कोई प्रभाव नहीं, भविष्य की योजनाएं बदलेंगी

एजेंसी ⏭ मुंबई

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा अमेरिकी एच-1बी वीजा शुल्क में की गई वृद्धि का टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड पर कोई अल्पकालिक प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक वॉरेन हैरिस के अनुसार, इससे भविष्य के लिए संसाधन योजनाओं में बदलाव आएगा।

हैरिस ने कहा कि वैश्विक उत्पाद इंजीनियरिंग और डिजिटल सेवा कंपनी अपनी स्टाफिंग संरचना के कारण (जिसके किसी भी देश में लगभग 70 प्रतिशत कर्मचारी उसी राष्ट्रीयता के हैं) वीजा संबंधी समस्याओं से अन्य 'भारत से बाहर के भारतीय प्रतिस्पर्धियों' की तुलना में कम प्रभावित होती है।

चीन में चीनी टीम चलाती है कारोबार

हैरिस ने कहा, ''हम एक भारत-बाहर की कंपनी नहीं हैं। हम एक वैश्विक कंपनी थे, और हमारे अधिकांश कर्मचारी विभिन्न क्षेत्रों में उन देशों के नागरिक थे। हमारे अमेरिकी परिचालन को अमेरिकी चलाते हैं। हमारे चीन परिचालन को चीनी टीम चलाती है, जबकि हमारे कई भारतीय प्रतिस्पर्धी भारत से बाहर हैं। उनके लिए वीजा संबंधी समस्याएँ कहीं अधिक हैं।''

- किसी भी देश में 70 फीसदी कर्मचारी उसी देश के होते हैं
- हम भारत बाहर की कंपनी नहीं एक वैश्विक कंपनी है
- हमारे अमेरिकी परिचालन को अमेरिकी लोग चलाते हैं

निर्णयों का कोई अल्पकालिक प्रभाव नहीं

हैरिस सितंबर में ट्रंप द्वारा घोषित वार्षिक एच-1बी वीजा शुल्क को बढ़ाकर 1,00,000 अमेरिकी डॉलर करने के सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने आगे कहा, ''हम इस चुनौती से वाकिफ हैं।'' हैरिस ने कहा, ''यह निश्चित रूप से भविष्य के लिए हमारी संसाधन योजनाओं को बदल देगा, लेकिन अमेरिका द्वारा लिए गए एच-1बी निर्णयों का कोई अल्पकालिक प्रभाव नहीं है।''

कर्मचारियों की संख्या 12,402 थी

चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही तक, टाटा टेक्नोलॉजीज के वैश्विककर्मचारियों की संख्या 12,402 थी। उन्होंने कहा, ''हम 18 अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में मौजूद हैं। हमने जिस सिद्धांत के आधार पर कंपनी को गढ़ा है, वह यह है कि हम चाहते हैं कि किसी भी देश में लगभग 70 प्रतिशत कर्मचारी उसी राष्ट्रीयता या क्षेत्र से हों। यही हमारे ग्राहकों के साथ हमारे विशेष संबंधों का आधार है, और इसी के माध्यम से हम भारत में अपने द्वारा निर्मित इंजन का लाभ उठाते हैं।''

हमारा वैमानिकी कारोबार होगा दोगुना

हैरिस ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि इस साल हमारा वैमानिकी कारोबार दोगुना हो जाएगा, और हमने देखा है कि यह दूसरी तिमाही में भी जारी रहा है, और हमें पूरी उम्मीद है कि यह तीसरी और चौथी तिमाही में भी जारी रहेगा।'' उन्होंने वैमानिकी कारोबार के वर्तमान आकार के बारे में विस्तार से बताए बिना यह बात कही।

टाटा टेक्नो ने दूसरी तिमाही में दर्ज किया लाभ

टाटा टेक्नोलॉजीज ने 30 सितंबर, 2025 को समाप्त दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ में 5.14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 157.41 करोड़ रुपये की तुलना में 165.5 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इस तिमाही में कंपनी का एकीकृत परिचालन राजस्व 1,323.33 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 1,296.45 करोड़ रुपये था।

रणनीतियों का पुनर्निर्धारण पहले ही हो चुका

मुझे लगता है कि हमने जो देखा है, वह यह है कि रणनीतियों और योजनाओं का पुनर्निर्धारण अब काफी हद तक हो चुका है।''उन्होंने आगे कहा, ''जिन ग्राहकों से हम वित्त वर्ष की शुरुआत में निर्णय लेने की उम्मीद कर रहे थे, वे अब निर्णय ले रहे हैं।'' हैरिस ने कहा कि इससे दूसरी तिमाही में कंपनी के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद मिली है।

एआई ढांचे पर 15 अरब डॉलर निवेश करेगी रिलायंस : रिपोर्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- मॉर्गन स्टेनली ने एक रिपोर्ट में यह बात कही
- इसमें एक विशाल एक गीगावाट डेटा सेंटर शामिल

अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) अगले कुछ साल में कृत्रिम मेधा (एआई) ढांचे पर लगभग 12-15 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च कर सकती है, जिसमें एक विशाल एक गीगावाट डेटा सेंटर भी शामिल हो सकता है। मॉर्गन स्टेनली ने एक रिपोर्ट में यह बात कही है। अंबानी ने अगस्त में कंपनी की शेयरधारकों की वार्षिक बैठक में एक नई अनुषंगी कंपनी और रणनीतिक भागीदारियों के माध्यम से एआई में एक बड़े कदम की घोषणा की थी।

एक नई पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी, रिलायंस इंटेलिजेंस, समूह की एआई पहल का नेतृत्व करेगी, जो चार स्तंभों पर केंद्रित होंगी ढांचा (भवन गीगावाट-स्केल, एआई-तैयार डेटा केंद्र का निर्माण), साझेदारियां (भारत में अत्याधुनिक एआई समाधान लाने के लिए वैश्विक तकनीकी दिग्गजों के साथ सहयोग करना), सेवाएं (भारतीय उपभोक्ताओं, छोटे व्यवसायों और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कृषि जैसे क्षेत्रों में उद्यमों के लिए अनुकूलित एआई-संचालित सेवाओं का विकास) और प्रतिभा (भारत के एआई कार्यबल के कौशल विकास और पोषण में निवेश)। मॉर्गन स्टेनली ने रिपोर्ट में कहा कि रिलायंस ने हर दशक में खुद को नया रूप दिया है ।

डेटा सेंटर का पहला चरण जामनगर में चल रहा

ऐसी संभावना है कि शेष क्षमता हाइपरस्केलर और एलएलएम प्रदाताओं को 'डेटा सेंटर एज अ सर्विस' के रूप में पट्टे पर दी जाएगी। डेटा सेंटर का पहला चरण गुजरात के जामनगर में पहले से ही चल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया, ''हमारा मानना है कि रिलायंस अपनी शुरुआती 100 मेगावाट की जेन एआई डेटासेंटर क्षमता का उपयोग कर सकती है - जिसके बारे में उसने संकेत दिया है कि यह दो वर्षों में बढ़ेगी।''

कंपनियों के तिमाही नतीजों से बाजार की दिशा होगी तय

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस व्यस्त सप्ताह में मौजूदा तिमाही नतीजों के सीजन, अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय और व्यापक आर्थिक आंकड़ों से तय होगी।

विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा, एक विशेषज्ञ ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में प्रगति पर निवेशकों का विशेष ध्यान रहेगा। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजों का सीजन बाजार की दिशा तय करता रहेगा, क्योंकि कई प्रमुख कंपनियां अपने वित्तीय आंकड़े जारी करने वाली हैं। निवेशक सबसे पहले कोटक महिंद्रा बैंक के नतीजों पर प्रतिक्रिया देंगे। इसके बाद आईओसी, टीवीएस मोटर कंपनी, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, आईटीसी, सिप्ला, डाबर, मारुति और एसीसी के नतीजों पर सभी की निगाह रहेगी।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजित मिश्रा ने कहा, ''व्यापक आर्थिक मोर्चे पर, 28 अक्टूबर को आने वाले सितंबर के भारत के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़ों पर नजर रखी जाएगी। वैश्विक स्तर पर सभी का ध्यान 29 अक्टूबर को अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले पर केंद्रित रहेगा, जो वैश्विक तरलता रुझानों और जोखिम धारणा को प्रभावित कर सकता है।'' मिश्रा ने कहा कि इसके अतिरिक्त, बाजार भागीदार अमेरिका-चीन के राष्ट्रपति की निर्धारित बैठक से जुड़े घटनाक्रमों पर नजर रखेंगे, जिससे व्यापार तनाव और कम हो सकता है और वैश्विक बाजारों पर असर पड़ सकता है।

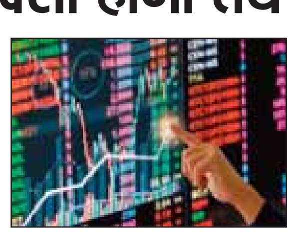

- व्यापार वार्ता में प्रगति पर विशेष ध्यान होगा निवेशकों का

छुट्टियों के कारण कम कारोबार हुआ

छुट्टियों के कारण कम कारोबार वाले पिछले सप्ताह में, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 259.69 अंक या 0.30 प्रतिशत चढ़ा और निफ्टी 85.3 अंक या 0.33 प्रतिशत के लाभ में रहा।

वेदांता रिसोर्सेज ने बांड निर्गम से 50 करोड़ डॉलर जुटाए

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

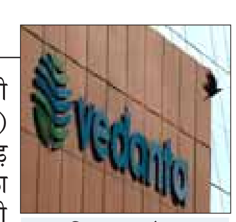

- राशि का उपयोग प्रतिबद्धताओं को पूरा करनें में होगा

अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाली वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड (वीआरएल) ने अक्टूबर में बॉन्ड के जरिये 50 करोड़ डॉलर जुटाए हैं और इस राशि का इस्तेमाल निकट अवधि की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में किया जाएगा। कंपनी ने बॉन्डधारकों को लिखे पत्र में कहा है कि 'उसके ऋण पोर्टफोलियो की औसत परिपक्वता अवधि अब चार साल से ज्यादा है, और उसने अपनी भारित औसत ब्याज लागत को घटाकर एकल अंक में कर दिया है, जो एक मजबूत और ज़्यादा लचीली पूंजी संरचना को दर्शाता है। कंपनी ने कहा कि उसने ''अपने दायित्वों को पूरा करने की रूपरेखा के अनुरूप, 55 करोड़ डॉलर की निजी ऋण सुविधा (पीसीएफ) सहित निकट अवधि के दायित्वों को चुकाने के लिए 50 करोड़ डॉलर का बॉन्ड जारी किया है।'' इसके साथ ही, समूह के पास अब वित्त वर्ष 2026-27 तक कोई भी महत्वपूर्ण परिपक्वता नहीं है, जिससे एक संतुलित देयता संरचना सुनिश्चित होती है।

कंपनी ने आगे कहा कि समूह मजबूत तरलता बनाए रखता है, जिसे परिचालन वाली अनुषंगी कंपनियों से लाभांश प्रवाह और स्वस्थ मुक्त नकदी सृजन का समर्थन प्राप्त है।

वेदांता का मुख्य कारोबार जस्ता, तेल और गैस में : परिचालन की दृष्टि से, वेदांता के मुख्य कारोबार - जस्ता, तेल और गैस, एल्युमीनियम और बिजली - मजबूत एबिटा और नकदी प्रवाह प्रदान करते रहे हैं। कंपनी ने बताया कि वैश्विक व्यापार व्यवधानों के बावजूद जिंस कीमतें जुझारू बनी हुई हैं, जिससे लाभप्रदता को समर्थन मिल रहा है।

पहली छमाही में यात्री वाहनों का निर्यात 18 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में भारत से यात्री वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़ा है। इसमें मारुति सुजुकी इंडिया दो लाख से अधिक इकाइयों के निर्यात के साथ सबसे आगे रही है। वाहन विनिर्माताओं के निकाय सियाम ने यह जानकारी दी है।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कुल यात्री वाहनों का निर्यात बढ़कर 4,45,884 इकाई हो गया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 3,76,679 इकाई रहा था, जो 18.4 प्रतिशत की वृद्धि है। समीक्षाधीन अवधि में यात्री कारों का निर्यात बढ़कर 2,29,281 इकाई हो गया, जो 2024-25 की अप्रैल-सितंबर अवधि में 2,05,091 इकाई की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है।

गिग और स्थायी कर्मचारियों के बीच वेतन अंतर बरकरार: रिपोर्ट

- स्थायी कर्मचारियों की तुलना में गिग कर्मचारियोंको कम वेतन

एजेंसी ⏭ मुंबई

- 47 पेशेवरों का मानना गिग कर्मचारियों को कम भुगतान मिलता है

त्योहारी सीजन में नियुक्तियों में तेजी के बावजूद गिग (आमतौर पर ऑनलाइन डिलिवरी करने वाले अस्थायी कर्मी) और स्थायी कर्मचारियों के बीच वेतन समानता का मुद्दा अभी भी अनसुलझा है। 47 प्रतिशत पेशेवरों का मानना है कि गिग कर्मचारियों को उनके स्थायी समकक्षों की तुलना में कम भुगतान मिलता है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, जब पेशेवरों से पूछा गया कि समान भूमिका में गिग या फ्रीलांस तौर पर काम करने वाले कर्मचारियों का प्रति घंटे वेतन स्थायी कर्मचारियों से कितना कम है, तो 11 प्रतिशत ने कहा कि यह 10 प्रतिशत तक कम है, 23 प्रतिशत ने कहा कि 10-25 प्रतिशत कम है और 13 प्रतिशत ने माना कि यह अंतर 25 प्रतिशत से अधिक है।

मप्र देश का शीर्ष टमाटर उत्पादक राज्य बना

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि राज्य समर्थित प्रोत्साहन योजनाओं के कारण पैदावार में हुई वृद्धि के कारण मध्यप्रदेश देश का शीर्ष टमाटर उत्पादक राज्य बन गया है। मध्य प्रदेश सरकार के बयान के अनुसार, किसानों ने उत्साहपूर्वक नकदी फसल उत्पादन को अपनाया है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई है और घरेलू खाद्य आवश्यकताओं को पूरा किया है। यादव ने शनिवार को कहा, 'मध्यप्रदेश देश में टमाटर उत्पादन में नंबर एक है।' प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों का औपचारिकीकरण (पीएमएफएमई) योजना के तहत, टमाटर की खेती पर आधारित लघु उद्योगों को बड़े पैमाने पर प्रोत्साहित किया जा रहा है। यादव ने कहा कि सरकार टमाटर के बीज पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है।

बैंक परिचालन को मजबूत करने और सेवा वितरण को बेहतर बनाएगा

एसबीआई पांच माह में 3,500 अधिकारी करेगा नियुक्त

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अपने परिचालन को मजबूत करने और देश भर में सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए लगभग 3,500 अधिकारियों की नियुक्ति करने की योजना बना रहा है।

देश के सबसे बड़े बैंक के उप प्रबंध निदेशक (मानव संसाधन) और मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) किशोर कुमार पोलुदासु ने बताया कि बैंक ने जून में 505 परिवीक्षाधीन अधिकारियों (पीओ) की भर्ती की है। उन्होंने बताया, ''इतनी ही संख्या में रिक्तियों को भरने की प्रक्रिया जारी है... आवेदन प्राप्त हो गए हैं।''

साइबर सुरक्षा के लिए पहले ही भर्ती

सीडीओ ने विशेषज्ञ अधिकारियों के संबंध में कहा कि आईटी और साइबर सुरक्षा क्षेत्र की देखभाल के लिए लगभग 1,300 अधिकारियों का चयन पहले ही किया जा चुका है। पीओ के 541 रिक्त पदों के लिए विज्ञापन जारी हो चुका है। आवेदन पहले ही मिल चुके हैं। पीओ की भर्ती तीन चरणों वाली प्रक्रिया से होती है- प्रारंभिक, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार।

3000 सर्किल में होगी अधिकारियों की भर्ती

पोलुदासु ने आगे बताया, ''लगभग 3,000 सर्किल आधारित अधिकारियों की नियुक्ति पर विचार किया जा रहा है। यह काम चालू वित्त वर्ष में पूरा हो जाना चाहिए।'' इस साल की शुरुआत में, एसबीआई के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने कहा था कि बैंक की विभिन्न श्रेणियों में कुल भर्तियां लगभग 18,000 होंगी।

13,500 लिपिकीय भर्तियां होगी

इनमें से लगभग 13,500 लिपिकीय भर्तियां होंगी, और बाकी परिवीक्षाधीन अधिकारी और स्थानीय स्तर पर कार्यरत अधिकारी होंगे। एसबीआई ने पहली तिमाही में कहा था कि वह अपनी शाखाओं में ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए 13,455 जूनियर एसोसिएट्स और 505 पीओ की भर्ती करेगी।

इसके अतिरिक्त विभिन्न श्रेणियों में कुल भर्तियां लगभग 18,000 होंगी

बैंकिंग उद्योग में सबसे अधिक कर्मचारी एसबीआई में

सीडीओ ने कहा कि बैंक इस अंतर को पाटने और मध्यम अवधि में अपने कार्यबल में 30 प्रतिशत महिलाओं के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कदम उठा रहा है। एसबीआई के कुल कर्मचारी 2.4 लाख से अधिक हैं, जो देश के बैंकिंग उद्योग में सबसे अधिक है।

बैंक महिला कार्यबल को 30 फीसदी तक बढ़ाएगा

पोलुदासु ने यह भी कहा कि देश के सबसे बड़े ऋणदाता ने लैंगिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीति तैयार की है, जिसका लक्ष्य पांच वर्षों के भीतर अपने महिला कार्यबल को 30 प्रतिशत तक बढ़ाना है। उन्होंने कहा, ''अगर हम अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों की बात करें, तो महिलाएं लगभग 33 प्रतिशत हैं, लेकिन कुल मिलाकर वे कुल कार्यबल का 27 प्रतिशत हैं। इसलिए, हम इस प्रतिशत को बेहतर बनाने की दिशा में काम करेंगे।''

महिला कर्मियों की मदद के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

पोलुदासु ने आगे कहा कि बैंक एक ऐसा कार्यस्थल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां महिलाएं सभी स्तर पर उन्नति कर सकें। बैंक के कुछ महिला-केंद्रित उपायों के बारे में पोलुदासु ने कहा कि बैंक शिशु की देखभाल के लिए भत्ता देता है, एक परिवार संपर्क कार्यक्रम चलाता है, और मातृत्व अवकाश या लंबी बीमारी की छुट्टी से लौटने वाली महिला कर्मचारियों की मदद के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है।

एयरलाइंस की शीतकाल में होगी 26,495 उड़ानें संचालित

नई दिल्ली। विमानन कंपनियां 26 अक्टूबर से शुरू होने वाले शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम के दौरान हर हफ्ते 26,495 घरेलू उड़ानें संचालित करेंगी जो 126 हवाईअड्डों को जोड़ेंगी। शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम 26 अक्टूबर, 2025 से शुरू होकर 28 मार्च, 2026 तक के लिए लागू होगा।शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम के अनुरूप 126 हवाईअड्डों से प्रति सप्ताह 26,495 प्रस्थान तय किए गए हैं, जबकि ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम 2025 में 129 हवाईअड्डों से प्रति सप्ताह 25,610 प्रस्थान थे।''''

चिंतन

एक बार फिर अमेरिका ने अवैध प्रवासी भारत भेजे

अमेरिका से भेजे गए अवैध भारतीय प्रवासियों को जंजीर लगाए जाने का मामला एक बार फिर तूल पकड़ सकता है। अमेरिका ने 50 युवकों को डिपोर्ट कर दिया है। इनमें से सबसे ज्यादा 16 युवक हरियाणा के करनाल और 14 कैथल जिले के हैं। इससे पहले जनवरी से जुलाई तक भी हरियाणा के 604 युवा डिपोर्ट हुए थे। ये सभी डंकी रूट से अमेरिका में घुसे थे। इनमें से कोई कई-कई साल से अमेरिका में रह रहा था, तो कोई कुछ महीने पहले ही गया। तब से ये युवा विदेश में ही रह रहे थे। इनमें से कुछेक को तो जेल में भी बंद किया हुआ था। डिपोर्ट किए गए सभी लोगों की उम्र 25 से 40 वर्ष के बीच है। इसी साल की जुलाई तक अमेरिका ने 7 महीने में अब तक कुल 1,703 भारतीय नागरिकों को देश से निर्वासित किया है, जिनमें 141 महिलाएं भी शामिल हैं। नागरिकों को अमेरिका से भारत डिपोर्ट किया जाना कोई नया नहीं है। यह लगातार चलता रहता है, लेकिन जिस तरह से ट्रंप प्रशासन बेड़ियों में जकड़कर भारतीयों को वापस भेज रहा है, वो चिंता का विषय है। ऐसे में सवाल ये है कि क्या अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ कोई मुहिम चल रही है, जिसे रोकने में सरकार नाकाम रही है? इसका जवाब है, नहीं, ट्रंप सरकार एक व्यापक नीति के तहत अमेरिका में रह रहे अवैध प्रवासियों को उनके देश भेज रही है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ भारतीयों को ही निशाना बनाया जा रहा है। अमेरिका दुनिया भर से अवैध रूप से अमेरिका आए नागरिकों को उनके देश वापस भेज रहा है। अमेरिका का कहना है कि अवैध प्रवासियों के कारण कानून व्यवस्था पर असर पड़ रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध अप्रवासी वैसे विदेशियों को कहा जाता है कि जो बिना जरूरी दस्तावेज और अनुमति के वहां प्रवेश करते और रहते हैं। इनमें शामिल लोगों का इस प्रकार वर्गीकरण किया जा सकता है। वैसे लोग जो आव्रजन अधिकारी की स्वीकृति के बिना देश में प्रवेश करते हैं। वीजा अवधि या अस्थायी संरक्षित स्थिति की अवधि समाप्त होने के बाद भी जो लोग देश नहीं छोड़ते हैं। देश से निकाले जाने के बाद भी गलत तरीके से देश में प्रवेश करते हैं। अमेरिका की ट्रंप सरकार वीजा ओवर स्टे करने और अस्थायी संरक्षित स्थिति यानी काम करने के लिए अमेरिका में रहने का विशेष अधिकार की अवधि समाप्त होने के बाद भी वहां बने रहने वालों के प्रति सख्त रवैया अपना रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि उनकी सरकार देश में अमेरिका फर्स्ट की नीति लागू कर रही है, जिसमें ये अवैध प्रवासी सबसे बड़े बाधक हैं। इनकी वजह से अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर खराब असर पड़ता है। इसके लिए डोनाल्ड ट्रंप एक नया कानून लेकर आए हैं, साथ ही उन्होंने जन्मजात नागरिकता को समाप्त करने का आदेश भी दिया है। अमेरिका में चिह्नित किए गए 18 हजार अवैध प्रवासी भारतीय हैं। इनमें से कुछ वीजा ओवर स्टे करके रह रहे हैं, तो कुछ काम करने की अनुमति अवधि समाप्त होने के बाद डंकी रूट से यहां घुसे हैं और रह रहे हैं। असल में हमारे युवाओं को डॉलर की चमक ने आकर्षित किया है। जो कम पढ़े-लिखे हैं, वो डंकी के रास्ते अमेरिका में प्रवेश कर रहे हैं। कुछ युवा ऐसे भी हैं, जिन्हें एजेंट ने लालच देकर विदेशों में पहुंचा दिया। अब अमेरिका सरकार उन्हें खदेड़ रही है। शनिवार को वापस आए अनेक युवा ऐसे हैं, जो अपनी जमीन बेचकर अमेरिका पहुंचे थे, लेकिन अब वापस आ गए। न घर के रहे, न घाट के। इससे अच्छा है कि जो धन अमेरिका जाने के लिए खर्च किया, अगर उसी से देश में कोई कारोबार करते तो बेहतर होता।

विस चुनाव
ओमकार चौधरी

बिहार विधानसभ चुनाव में मुख्यत: दो गठबंधनों के बीच मुकाबला है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए और राजद-कांग्रेस-वामदलों-हम पार्टी का महागठबंधन। बहुत प्रतीक्षा, आपसी मतभेदों और रस्साकसी के उपरांत बिहार के मुख्यमंत्री और केन्द्रीय रेलमंत्री रह चुके लालू यादव के सुपुत्र तेजस्वी यादव को महागठबंधन ने मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया है। सत्तारूढ़ एनडीए नीतीश कुमार के नाम और चेहरे को ही आगे करके यह प्रतिष्ठित चुनाव लड़ रहा है। वैसे ख़ुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यहां भी प्रमुख चेहरे के तौर पर जनता के सामने हैं। बिहार का नतीजा दरअसल, दोनों गठबंधनों के आगे के प्रदर्शनों पर भी असर डालने वाला होगा।

किसे जनादेश मिलेगा बिहार में

राजनीति में दिलचस्पी रखने वाले सभी लोगों की निगाहें बिहार पर टिकी हैं। पहले चरण का मतदान छह नवंबर को है और दूसरे-अंतिम चरण का 11 नवंबर को। चौदह को नतीजे आ जाएंगे। पता चल जाएगा कि जनादेश किसके पक्ष में है। सरकार किसकी बनेगी और विपक्षी बैंचों पर कौन विराजमान होगा। मुख्यतः दो गठबंधनों के बीच मुकाबला है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए और राजद-कांग्रेस-वामदलों-हम पार्टी का महागठबंधन। बहुत प्रतीक्षा, आपसी मतभेदों और रस्साकसी के उपरांत बिहार के मुख्यमंत्री और केन्द्रीय रेलमंत्री रह चुके लालू यादव के सुपुत्र तेजस्वी यादव को महागठबंधन ने मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया है। राहुल गांधी को उनके नाम पर एतराज था। सोलह दिन की वोट अधिकार यात्रा के दौरान भी वह इस सवाल को लगातार टालते रहे कि सीएम चेहरा कौन होगा। सीटों की संख्या आदि को लेकर सहयोगी दलों के बीच अंतिम समय तक तीखे मतभेद बने रहे। सीएम चेहरे के इस नाजुक मुद्दे पर भी हालात कुछ ऐसे बन गए थे कि लालू-तेजस्वी को मनाने के लिए राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पटना जाना पड़ा। वह मसला तो सुलझ गया पर मुकेश सहनी को भी डिप्टी सीएम घोषित करना पड़ा।

सत्तारूढ़ एनडीए नीतीश कुमार के नाम और चेहरे को ही आगे करके यह प्रतिष्ठित चुनाव लड़ रहा है। वैसे ख़ुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यहां भी प्रमुख चेहरे के तौर पर जनता के सामने हैं। जिस समय बिहार का विधानसभा चुनाव हो रहा है, उसकी पृष्ठभूमि जानना जरूरी है। मई-जून 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए को जिन राज्यों में कम नुकसान हुआ, उनमें बिहार भी है। चालीस में से तीस सीटें सत्तारूढ़ गठबंधन जीतने में सफल रहा। भाजपा-जदयू को बारह-बारह, लोक जनशक्ति पार्टी (आर) को पांच और जीतन मांझी की 'हम' को एक सीट मिली। राजा चार पर, कांग्रेस तीन पर, वामदल दो सीटों पर सिमट गए। एक निर्दलीय के खाते में चली गई। ऐसे समय जबकि हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में सीटों का भारी नुकसान हुआ, बिहार में स्थिति इनके जैसी खराब न होना, बड़ी उपलब्धि थी। कई प्रमुख राज्यों में झटका लगने के कारण भाजपा को 2014 और 2019 की तरह अकेले दम पर पूर्ण बहुमत हासिल नहीं हो सका, जिसकी टीस रिजल्ट के दिन भाजपा मुख्यालय में प्रधानमंत्री के चेहरे और आंखों में भी दिखाई दी थी लेकिन लोकसभा चुनाव के बाद हुए पांच राज्यों के चुनाव में बाजी फिर से पलटती हुई दिखाई दी। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस और झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकारें बनीं जबकि हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में भाजपा की। कांग्रेस का करीब-करीब हर राज्य में बहुत खराब प्रदर्शन रहा। हरियाणा में सबको लग रहा था कि वह वापसी कर सकती है परंतु वहां भी लगातार तीसरी बार भाजपा ने जीत का परचम लहरा दिया। विशेष कर यहां और महाराष्ट्र में कांग्रेस को बहुत भारी निराशा का सामना करना पड़ा। सच तो यह है कि वह भीतर तक हिल गई। लोकसभा चुनाव से पहले भी कई राज्यों के चुनाव हुए, जिनमें कांग्रेस का प्रदर्शन उसके नेतृत्व की अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। कहीं दो, कहीं तीन और कहीं कहीं चार दशक से वह देश के कई बड़े राज्यों की

सत्ता से बाहर है। इनमें तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, गुजरात और उड़ीसा जैसे महत्वपूर्ण राज्य शामिल हैं। एक धारणा यह भी बन रही है कि जब से राहुल गांधी ने पार्टी की कमान अपने हाथों में लेकर फैसले लेने शुरू किए हैं, तब से उसकी विफलता की दर और बढ़ी है। उनके द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों, अपनाई जा रही नीतियों, अप्रोच, दृष्टि आदि को लेकर भी प्रश्न उठते रहे हैं। जैसे, महाराष्ट्र की पराजय के उपरांत उन्होंने कहा कि लोकसभा के मुकाबले ऐसे बहुत से क्षेत्रों में बेतहाशा मतदाता बढ़ गए, जहां भाजपा ने जीत दर्ज की है। यह अलग बात है कि यह दावा ग़लत साबित हुआ क्योंकि जहां मतदाताओं के नाम जुड़े, ऐसे क्षेत्रों से कांग्रेस और एनसीपी के प्रत्याशियों ने भी जीत दर्ज की। देवेन्द्र फड़नवीस ने कहा कि दोनों चुनाव के बीच मतदाता हमेशा से बढ़ते रहे हैं। उनमें नए मतदाता भी पंजीकरण कराते हैं, जो नौकरीपेशा आते हैं, उनके भी वोट बनते हैं परंतु कांग्रेस और ईको सिस्टम ने इस पर खूब हल्ला किया। नतीजतन, चुनाव आयोग ने चुनाव से पहले मतदाता सूची को साफ़-सुथरा बनाने के लिए बिहार में एसआईआर का फैसला ले लिया तो इस पर कांग्रेस, राजा और दूसरे दलों ने यह कहकर हंगामा शुरू कर दिया कि भाजपा और चुनाव आयोग ने मिलकर उनके मतदाताओं के नाम हटाने की साज़िश रची है। बवाल के बावजूद प्रक्रिया पूरी हो गई। अब तो पश्चिम बंगाल सहित पूरे देश में एसआईआर कराने की तैयारी हो रही है। बिहार में सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन विजय को लेकर आश्वस्त दिखाई दे रहा है। पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक कल्याण के जितने कार्य हुए हैं, उनका सर्वाधिक लाभ गरीबों को मिला है। विकास के कार्य भी दिखाई दे रहे हैं। उनका चुनावी अभियान हमेशा नियोजित ही होता है, जिसके सकारात्मक नतीजे भी मिलते रहे हैं। गठबंधन सहयोगियों के साथ संवाद और समन्वय का काम सीधे स्वयं अमित शाह करते हैं, इसलिए कांग्रेस-राजद जैसे तीखे मतभेदों की आशंका न्यूनतम हो जाती है। कांग्रेस-राजद महागठबंधन में इसके उलट सिर फुटौव्वल कुछ अधिक ही दिखती है। इस बार भी नामांकन की अंतिम तिथि तक साफ़ नहीं था कि कौन कितनी सीट पर लड़ेगा। इससे आश्चर्यजनक बात और क्या होगी कि प्रधानमंत्री, गृहमंत्री लेकर मुख्यमंत्री तक चुनावी अभियान पर निकल चुके हैं परंतु महागठबंधन के स्टार प्रचारक माने जा रहे राहुल गांधी का कोई अता-पता ही नहीं है। यह जानकारी भी नहीं है कि वो चुनाव प्रचार करेंगे अथवा नहीं। विशेष कर कांग्रेस के लिए यह परिस्थितियां और मुश्किलें खड़ी कर देती हैं। पहले ही राहुल की इसके लिए आलोचना हो रही है कि जब सीटों, प्रत्याशियों, समन्वय-संवाद करना था, चुनाव अभियान, रणनीति, और मुद्दों पर चर्चा होनी थी, तब वो विदेश यात्रा पर निकल गए। वह पार्टी के प्रदर्शन और राज्यों में जीत के प्रति कितने संजीदा या आश्वस्त हैं. इसे लेकर भी प्रश्न खड़े होते रहे हैं। वैसे, बिहार उन कुछ अहम राज्यों में से एक है, जहां कांग्रेस तीस-पैंतीस साल से सत्ता से बाहर है। यानी उसका अपना मुख्यमंत्री या सरकार जहां नहीं बने हैं। कहा जा रहा है कि जब से उन्होंने कांग्रेस के फैसले लेने शुरू किए हैं, पार्टी तीन लोकसभा सहित राज्य विधानसभाओं के नब्बे से अधिक चुनाव हार चुकी है। इन हारों में दो राष्ट्रपति चुनाव, तीन उप राष्ट्रपति चुनाव, तीन लोकसभा स्पीकर चुनाव भी जोड़ लें तो यह संख्या सौ तक पहुंच रही है। काफी समय से बिहार में कांग्रेस का प्रदर्शन कुछ विशेष नहीं रहा है परंतु लालू की पार्टी का वहां एक वोट बैंक है परंतु जिस तरह के हालात बनते हुए दिख रहे हैं, उनमें उसकी राह भी आसान नहीं दिख रही। बिहार का नतीजा दरअसल, दोनों गठबंधनों के आगे के प्रदर्शनों पर भी असर डालने वाला होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

शताब्दी वर्ष
राजेश कुमार

आरएसएस की समाज बदलाव के कार्यों में अग्रणी भूमिका

कल्पना कीजिए-साल 1925। देश अंग्रेज़ी शासन की बेड़ियों में जकड़ा है, और एक व्यक्ति, नागपुर की भूमि पर 17 लोगों के साथ यह संकल्प लेते हैं- "मैं भारत की आजादी के साथ-साथ हिंदुओं का संगठन करूंगा।" जो संघ की प्रारंभ की प्रतिज्ञा से स्पष्ट है - 'मैं भारत को स्वतंत्र, समृद्ध और वैभवशाली राष्ट्र बनाने के लिए तन, मन, धन अर्पित करूंगा।' उस समय यह विचार न किसी राजनीतिक नारे के रूप में था, न किसी विरोध के आंदोलन के रूप में, बल्कि एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण का बीज था, जिसे डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने बोया। आज, सौ वर्ष बाद, वही बीज एक विराट वटवृक्ष का रूप ले चुका है-सेवा, संगठन, संस्कारों और समाज परिवर्तन के विस्तार के रूप में। डॉ. हेडगेवार ने केवल यह नहीं कहा कि समाज का संगठन होना चाहिए, बल्कि यह भी बताया कि यह कैसे संभव है। उन्होंने कोई भाषण या उपदेश मात्र नहीं दिया, बल्कि एक व्यवस्थित पद्धति तंत्र विकसित किया-"शाखा"। यह शाखा केवल शारीरिक व्यायाम का स्थान नहीं थी, बल्कि एक ऐसे राष्ट्रीय पुनर्जागरण का मंच थी, जहां व्यक्ति में अनुशासन, देशभक्ति और सेवा का संस्कार पैदा किया गया। तीसरे सरसंघचालक बाला साहब देवरस के शब्दों में 'जहां हिंदू वहां शाखा -जहां शाखा वहां विजय।' वह कहते थे 'शाखा महिलाओं की सुरक्षा और राष्ट्र की रक्षा की भावना की जीवंत अभिव्यक्ति है।" एक घंटे की यह शाखा समय के साथ व्यक्ति निर्माण से समाज निर्माण की प्रयोगशाला बन गई। आज, जब संगठन अपने शताब्दी वर्ष की ओर अग्रसर है, तो यह देखना अत्यंत प्रेरणादायक है कि डॉ. हेडगेवार का स्वप्न केवल विचारों में सीमित नहीं रहा- वह व्यवहार में बदल चुका है। संघ ने अपने सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर स्पष्ट कहा है कि "सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी" बनना है। अर्थात संघ का विचार प्रत्येक गांव, बस्ती, व्यक्ति तक पहुंचे। इस लक्ष्य के लिए बनाई गई कार्ययोजना भी उतनी ही व्यावहारिक है। हरियाणा दिसंबर 2025 में प्रत्येक घर (50,000 अधिक) तक संपर्क करना और फरवरी 2026 में हर मंडल (8 से 10 गांवों का समूह) व हर बस्ती (8/10 हजार आबादी) में "हिंदू सम्मेलन" यह केवल आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में बांधने का प्रयास है। केवल कहा नहीं तो उसकी योजना के परिणाम स्वरूप हरियाणा विजयादशमी पर सभी 257 नगरीय इकाइयों की 1443 में से 1398 बस्ती तथा ग्रामीण 882 में से 862 मंडल 6701 में से 4016 गांव के 84519 स्वयंसेवकों ने 2925 घोष वादक, स्वयंसेवक परिवारों से 57065 (9886 महिला) तथा 1062 विशेष व्यक्तित्व-दर्शकों की उपस्तिथि में 1111 कार्यक्रम सम्पन्न किए। हरियाणा जैसे प्रगतिशील राज्य में, जहां किसान, सैनिक, खिलाड़ी और युवक-युवती ऊर्जा का प्रतीक हैं, वहां इस विचार का विस्तार समाज में नई चेतना जगाने का माध्यम बन रहे हैं। यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि संघ के सौ वर्ष की दिशा में आत्ममंथन और आत्मनिवेदन है। भविष्य की योजनाओं का आधार है। विजयदशमी का प्रतीक सदैव धर्म की अधर्म पर विजय का रहा है- आज यह विजय है, असंगठन पर संगठन की, उदासीनता पर जागरूकता की, और विघटन पर एकता-एकात्मता-समानता-समर सता की। डॉ. हेडगेवार का दृष्टिकोण देश को सशक्त बनाने के लिए केवल राजनीति नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग में संगठन की भावना आवश्यक है। उन्होंने कभी किसी पद या सत्ता की आकांक्षा नहीं की, उनका एक ही लक्ष्य था, संगठित समाज के माध्यम से सशक्त राष्ट्र।' पथ का अंतिम लक्ष्य नहीं है सिंहासन चढ़ते जाना। सब समाज को लिए साथ में आगे है बढ़ाते जाना।' यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना सौ वर्ष पूर्व था। समाज तभी सशक्त होगा जब उसमें एकता, समरसता, अनुशासन और आत्मविश्वास होगा। शाखा की व्यवस्था ने यही गुण समाज के भीतर गहराई तक पहुंचाए हैं। यह व्यवस्था व्यक्ति को 'मैं' से 'हम' की ओर ले जाती है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने गांव, बस्ती, मोहल्ले की भलाई के लिए कुछ समय देगा, तब ही राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया सशक्त होगी। डॉ. हेडगेवार का स्वप्न केवल एक संगठन का नहीं था, बल्कि एक राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की प्रक्रिया का था। आज जब युवा वर्ग "सेवा, संगठन और समर्पण" के सूत्र को जीवन का आधार बना रहा है, तब यह विश्वास दृढ़ होता है कि आने वाली शताब्दियां भारत की होगी, एक ऐसे भारत की, जो आधुनिकता के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों में दृढ़ बना रहेगा। डॉ. हेडगेवार का कहा हुआ वाक्य आज इतिहास नहीं, वर्तमान का सजीव सत्य बन चुका है-"संगठित समाज ही सशक्त भारत का आधार है।"

(लेखक प्रांत प्रचार प्रमुख, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हरियाणा हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कर्मों से उपार्जित सुख

संकलित
दर्शन

संसार के सारे क्रियाकलाप, मानव-समाज में हो रही गति, यह सब केवल मन का ही खेल है। मनुष्य की इच्छा शक्ति का प्रकाश मात्र है। अनेक प्रकार के यंत्र, युद्धपोत आदि सभी मनुष्य की इच्छा शक्ति के विकास मात्र हैं। मनुष्य की यह इच्छाशक्ति चरित्र से उत्पन्न होती है और वह चरित्र कर्मों से गठित होता है। अतएव कर्म जैसा होगा, इच्छाशक्ति का विकास भी वैसा ही होगा। संसार में प्रबल इच्छा शक्ति संपन्न जितने महापुरुष हुए हैं, वे सभी उत्कृष्ट कर्मी थे। उनकी इच्छाशक्ति ऐसी थी कि वे संसार को भी उलट-पुलट कर सकते थे। यह शक्ति उन्हें युग-युगांतर तक निरंतर कर्म करते रहने से प्राप्त हुई थी। बुद्ध एवं ईसा मसीह में जैसी प्रबल इच्छाशक्ति थी, वह एक जन्म में प्राप्त नहीं की जा सकती और उसे हम आनुवंशिक शक्तिसंचार भी नहीं कह सकते, क्योंकि हमें ज्ञात है कि उनके पिता कौन थे। हम नहीं कह सकते कि उनके पिता के मुंह से मनुष्य जाति की भलाई के लिए शायद कभी एक शब्द भी निकला हो। जोसेफ (ईसा मसीह के पिता) के समान तो असंख्य बढ़ई आज भी हैं, बुद्ध के पिता के सदृश लाखों छोटे-छोटे राजा हो चुके हैं। अतः यदि वह बात केवल आनुवंशिक शक्तिसंचार के कारण हुई हो, तो इसका स्पष्टीकरण कैसे कर सकते हैं कि इस छोटे से राजा को, जिसकी आज्ञा का पालन शायद उसके स्वयं के नौकर भी नहीं करते थे। ऐसा एक सुंदर पुत्र-रत्न लाभ हुआ, जिसकी उपासना लगभग आधा संसार करता है?

महिला के शुभ कदम

संकलित
प्रेरणा

एक आदमी ने दुकानदार से पूछा- केले और सेवफल क्या भाव लगाए है? दुकानदार- केले 20 रु. दर्जन और सेव 100 रु. किलो। उसी समय एक गरीब-सी औरत दुकान में आई और बोली मुझे एक किलो सेव और एक दर्जन केले चाहिए, क्या भाव है? भैया दुकानदार- केले 5 रु. दर्जन और सेब 25 रु. किलो। औरत ने कहाः जल्दी से दे दीजिए। दुकान में पहले से मौजूद ग्राहक ने खा जाने वाली निगाहों से घूरकर दुकानदार को देखा, इससे पहले कि वो कुछ कहता, दुकानदार ने ग्राहक को इशारा करते हुए थोड़ा सा इंतजार करने को कहा। औरत खुशी खुशी खरीदारी करके दुकान से निकलते हुए बड़बड़ाई हे भगवान तेरा लाख लाख शुक्र है, मेरे बच्चे फलों को खाकर बहुत खुश होंगे। औरत के जाने के बाद, दुकानदार ने पहले से मौजूद ग्राहक की तरफ देखते हुए कहा- ईश्वर गवाह है, भाई साहब मैंने आपको कोई धोखा देने की कोशिश नहीं की। यह विधवा महिला है, जो चार अनाथ बच्चों की मां है। किसी से भी किसी तरह की मदद लेने को तैयार नहीं है। मैंने कई बार कोशिश की है और हर बार नाकामी मिली है। तब मुझे यही तरीकीब सूझी है कि जब कभी ये आए तो, मै उसे कम से कम दाम लगाकर चीज़े दे दूँ। मैं यह चाहता हूँ कि उसका भरम बना रहे और उसे लगे कि वह किसी की मोहताज नहीं है। इस तरह भगवान के बन्दो की पूजा कर लेता हूँ। थोड़ा रूक कर दुकानदार बोला- यह औरत हफ्ते में एक बार आती है। भगवान गवाह है, जिस दिन यह आ जाती है उस दिन मेरी बिक्री बढ़ जाती है और उस दिन परमात्मा मुझपर मेहरबान हो जाता है।

अंतर्मन

आज की पाती

अनूठा लोक पर्व है छठ पूजा

भारत की सांस्कृतिक चेतना में कुछ पर्व ऐसे हैं, जिनमें लोक, धर्म, प्रकृति और तपस्या का अद्भुत संगम दिखाई देता है। छठ महापर्व उन्हीं में से एक है। यह एक ऐसा पर्व है जो अब किसी एक क्षेत्र की सीमाओं में नहीं बंधा बल्कि भारतीय आस्था के विशाल सागर में अपनी गहरी जड़ें जमा चुका है। वास्तव में यह आत्मशुद्धि, संयम और कृतज्ञता की वह साधना है, जिसमें मनुष्य सूर्य और प्रकृति के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट करता है। बिहार, झारखण्ड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों से शुरू होकर अब यह पर्व देश और विदेश के असंख्य भारतीयों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। चार दिनों तक चलने वाला यह महापर्व कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से आरंभ होकर षष्ठी और सप्तमी को चरम पर पहुंचता है। – *मनोज सिंह, रायगढ़*

ट्रेंड

संस्कृत को नई प्राणवायु

यह बहुत प्रसन्नता की बात है कि हमारी संस्कृति और सोशल मीडिया की दुनिया से आज संस्कृत को एक नई प्राणवायु मिल रही है। इस दिशा में हमारे कई युवा साथी जिस तरह के रोचक प्रयास कर रहे हैं, वो बेहद प्रेरणादायी हैं।
- **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

अब डर नहीं, न्याय चाहिए

महाराष्ट्र के सतारा में बलात्कार और उत्पीड़न से तंग आकर डॉ. संपदा मुंडे की आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली त्रासदी है। हम न्याय की इस लड़ाई में पीड़ित परिवार के साथ मज़बूती से खड़े हैं। भारत की हर बेटी के लिए - अब डर नहीं, न्याय चाहिए।
- **राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस**

बिहार की ज़मीन

तेजस्वी यादव के मुताबिक़ उनकी सरकार बनने पर हर एक घर से अगर एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दी जाएगी, तब तो पूरे बिहार की सारी ज़मीन पर बैनामा उनके परिवार का हो जाएगा।
-**केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, उप्र**

राज्य प्रायोजित हत्या

चाईबासा सदर अस्पताल में थैलेसीमिया से पीड़ित 5 मासूम बच्चों को "संक्रमित खून" चढ़ाया गया और अब सभी बच्चे एचआईवी पॉजिटिव पाए गए। अगर इनकी मृत्यु हो जाती है तो, यह सिर्फ लापरवाही नहीं, राज्य प्रायोजित हत्या कहलाएगी।
- **बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड**

करंट अफेयर

भगवद्गीता आधुनिक विश्व के लिए 'ज्ञान का अमृत' है

भगवद्गीता 'ज्ञान का अमृत' और 'भारतीय सभ्यता का लघु इतिहास' है जो आधुनिक समय में लोगों के सामने आने वाली आध्यात्मिक और भौतिक दुविधाओं का समाधान करती है। यह बात प्रसिद्ध चीनी विद्वानों ने प्राचीन भारतीय ग्रंथ की सार्वजनिक तौर पर प्रशंसा में कही जो अपने आप में एक दुर्लभ मामला है। यहां शनिवार को भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित 'संगमम – भारतीय दार्शनिक परंपराओं का संगम' विषय पर एक संगोष्ठी में भगवद्गीता पर बोलते हुए चीनी विद्वानों ने गीता को भारत का दार्शनिक विश्वकोश बताया और भौतिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों के बीच सामंजस्य स्थापित करने की इसकी कालातीत अंतर्दृष्टि पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता 88 वर्षीय प्रोफेसर झांग बाओशेंग थे, जिन्होंने भगवद्गीता का चीनी भाषा में अनुवाद किया है। गीता को एक आध्यात्मिक महाकाव्य और भारत का दार्शनिक विश्वकोश बताते हुए, उन्होंने कहा कि इसका अनुवाद आवश्यक था क्योंकि यह भारत के आध्यात्मिक दृष्टिकोण – कर्तव्य, कर्म और वैराग्य के प्रति उसके विचारों – को प्रकट करता है, जो आज भी भारतीय जीवन को आकार देते हैं।

ऑफ बीट

मनुष्यों के पास होती है आंतरिक चंद्र घड़ी

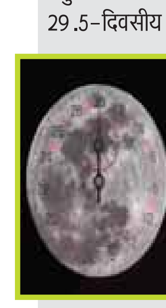

मनुष्यों और ज्यादातर जानवरों में एक आंतरिक चंद्र घड़ी होती है, जो चंद्रमा की 29 .5–दिवसीय लय के अनुसार संचालित होती है। यह घड़ी कई प्रजातियों की नींद, प्रजनन और प्रवासन की प्रक्रियाओं को नियंत्रित करती है। लेकिन कृत्रिम प्रकाश के युग में, यह प्राचीन संकेत लुप्त होता जा रहा है – शहरों की रोशनी, स्क्रीन और उपग्रहों की चमक में धुंधला पड़ता जा रहा है। जिस प्रकार सर्केडियन लय पृथ्वी के 24 घंटे के घूर्णन के साथ समय का ध्यान रखती है, उसी प्रकार कई जीव चंद्रमा की धीमी लय का भी ध्यान रखते हैं। सर्केडियन लय लगभग 24 घंटे की एक आंतरिक जैविक घड़ी है जो नींद और जागने के चक्र समेत शारीरिक प्रक्रियाओं को नियंत्रित करती है। दोनों प्रणालियां प्रकाश के संकेतों पर निर्भर करती हैं और हाल में महिलाओं के मासिक चक्रों का विश्लेषण करने वाले एक अध्ययन से पता चला है कि जैसे–जैसे पृथ्वी कृत्रिम रोशनी से अधिक उजली होती जा रही है, वैसे–वैसे वे प्राकृतिक भिन्नताएं, जिन्होंने कभी जैविक समय की संरचना तय की थी, अब धुंधले पड़ते जा रहे हैं। कई शोध बताते हैं कि चंद्र चक्र (लूनर साइकिल) अब भी मानव नींद को प्रभावित करता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने कहा फिर मिला छठ पूजा से अर्थव्यवस्था को बूस्टर

शहर में 20 करोड़ से अधिक और देशभर में 38 हजार करोड़ रुपए का व्यापार

जबलपुर/नई दिल्ली

सस्कारधानी सहित देशभर सूर्य देव को समर्पित चार दिनों का छठ पूजा का भव्य त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। 25 अक्टूबर से शुरू इस त्योहार से जुड़े पारंपरिक रीति-रिवाजों में शहर के करीब ढाई लाख और मध्यप्रदेश के लगभग 15 करोड़ भक्त शामिल हो रहे हैं। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार चार दिवसीय इस वर्ष छठ पूजा से मध्यप्रदेश सहित देश में लगभग 38,000 करोड़ रुपए का व्यापार होने की उम्मीद की जा रही है। बीते वर्ष छठ पूजा को लेकर यह आंकड़ा 31,000 करोड़ था, जो कि 7000 करोड़ रुपए की वृद्धि को दिखाता है। जबकि इससे पहले 2023 में यही आंकड़ा 27,000 करोड़ रुपए था, जो कि छठ से जुड़े व्यापार में समय के साथ हो रही बढ़ोतरी को दर्शाता है। संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार शहर में इस पर्व पर कारोबार का आंकड़ा 20 करोड़ रुपए के पार जाने की उम्मीद है। गौरतलब है कि छठ पूजा का यह त्योहार मुख्य रूप से मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, दिल्ली, उत्तराखंड, हरियाणा, महाराष्ट्र और विदर्भ में रह रहे लोगों द्वारा मनाया जाता है। इसके अलावा देश के अलग-अलग राज्यों में रह रहे लाखों पूर्वांचली लोग भी इस पर्व को मनाते हैं। कैट के सेक्रेटरी जनरल प्रवीण खंडेलवाल और मध्यप्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा कि छठ पूजा के त्योहार से जुड़े मुख्य सामान में सूप, दौरा, बांस की टोकरियां, मिट्टी के दीए, गन्ना, केला, नारियल, सेब, नींबू जैसे फल, गेहूं और चावल का आटा, पारंपरिक ठेकुआ जैसी मिठाइयां, खजूर, पूजा का सामान, साड़ियां, पारंपरिक कपड़े, सजावट का सामान, दूध, घी, बर्तन, टेंट और मेहमाननवाजी की सेवाएं शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया कि साड़ियां, लहंगा-चुनरी, महिलाओं के लिए सलवार-कुर्ता और कुर्ता-पायजामा, पुरुषों के लिए धोती जैसे पारंपरिक कपड़े अधिक से अधिक मात्रा में खरीदे जा रहे हैं, जिससे स्थानीय व्यापारियों और छोटे उद्योगों को फायदा हो रहा है।

छठ पूजा पर बाजारों में रौनक

बाजारों में हुई केला, नींबू, गन्ना, सिंघाड़ा, मूली अदरक, सुथनी और हरी सब्जियों की अच्छी बिक्री

60 लाख रुपए से अधिक की नारियल बिक्री

छठ पूजा के चलते ानी के बाजारों में रौनक बढ़ी हुई है। बाजारों में सब्जी, फल और पूजन सामग्री की दुकानों पर खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ी हुई। रविवार को संस्कारधानी सभी हाट बाजारों में पूरे दिन खरीदारी का माहौल रहा। श्रद्धालु छठ माता की पूजा के लिए आवश्यक सामग्री की खरीदी करते व्यस्त दिखे। बाजारों में नारियल, केला, नींबू, गन्ना, ईख, सिंघाड़ा, मूली, अदरक, सुथनी और हरी सब्जियों की अच्छी बिक्री हुई। इसके अतिरिक्त, सेब, अमरूद, नारंगी और अनार जैसे फलों की भी खूब खरीदारी की गई। लोगों की बढ़ती मांग को देखते हुए कई अस्थायी दुकानें और ठेले भी सड़कों पर लगाए गए हैं। दुकानदारों के चेहरों पर भी उत्साह साफ झलक रहा था। महिलाएं साड़ी, डलिया, दौरा और पूजन थालियां खरीदने में जुटी रहीं। बाजारों में रंग-बिरंगी साड़ियों और पूजा सामग्री से सजी दुकानों ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया है। विक्रेताओं के अनुसार छठ पर्व पर मांग बढ़ने के कारण फलों और सब्जियों के दामों में मामूली बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। सभी भगवान सूर्य और छठी मइया की आराधना में पूरी श्रद्धा के साथ जुटे हुए हैं। लेकिन शाम होते-होते बाजारों की रौनक और बढ़ जाती है। छठ पूजा की खरीदारी से बाजारों में नई ऊर्जा और उल्लास का माहौल दिया है। श्रद्धालुओं की आस्था, दुकानदारों की व्यस्तता और प्रशासन की तैयारियों के बीच पूरा क्षेत्र इस पर्व में डूबा नजर आया।

बांस की बत्तियों से बने सूप और दउरा की खूब हुई बिक्री

बाजार में पीतल के सूप आने के बावजूद छठ पर्व पर बांस की पतली और चिपटी बत्तियों से बने सूप और दउरा की खूब खरीदी हुई। बाजारों में सूप के दाम 150 से 210 रुपए जोड़ा और दउरा के दाम डेढ से दो सौ रूपए जोड़ा तक बताए गए । उपनगरीय सहित अन्य क्षेत्रों में पूजन सामग्रियों के साथ नारियल की भी खूब खरीदी जारी है। कारोबारियों ने बताया कि छठ पर्व पर औसतन 60 लाख रुपए से अधिक की नारियल बिक्री का अनुमान है। कारोबारी बताते है कि संस्कारधानी के अलावा आस-पास के ग्रामीण अंचलों में भी छठ पर्व के चलते नारियल की अच्छी मांग है।

बाजार में सामग्री के दाम

- सूप तथा सुपती – 150 से 200 रुपए जोड़ा
- डगरा – 120- 150 रुपए प्रति नग
- टोकरी – 150 से 300 रुपए प्रति नग
- नारियल – 60 से 70 रुपए जोड़ा
- हल्दी पौधा – 100 से 200 रुपए सैकड़ा
- अदरख पौधा – 200 से 250 रुपए किलो
- केला – 50 से 70 रुपए दर्जन
- गन्ना – 20 से 50 रुपए प्रति नग
- टाभा नींबू– 40 से 50 रुपए प्रति नग
- सेव – 80 से 150 रुपए प्रति किलो
- नारंगी – 100 से 150 रुपए प्रति किलो
- अनार – 100 से 150 रुपए प्रति किलो
- अमरुद – 60 से 90 रुपए प्रति किलो
- अनानास – 60 से 80 रुपए प्रति नग
- शकरकंद – 50 से 60 रुपए प्रति किलो
- गाजर – 60 से 80 रुपए प्रति किलो
- मूली – 20 से 30 रुपए गड्डी
- पानीफल सिंघाड़ा – 40 से 60 रु. प्रति किलो
- मिश्रीकंद – 60 से 80 रुपए प्रति किलो
- बोड़ा – 40 से 60 रुपए प्रति किलो
- पान – 2 रुपए प्रति नग
- सुपाड़ी – 2 रुपए प्रति नग
- नींबू- 10 रुपए के 4 से 5 नग

नरवाई जलाने पर एक व्यक्ति पर की गई प्राथमिकी दर्ज

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री हरेंद्र नारायन के निर्देशानुसार जिले में नरवाई जलाने के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना चौरई के अंतर्गत ग्राम नवेगांव मकरिया में अशोक पिता लक्ष्मी नारायण वर्मा द्वारा मक्का की नरवाई में आग लगाने का मामला सामने आया है। पटवारी द्वारा की गई रिपोर्ट पर पुलिस ने संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। बताया गया कि 26 अक्टूबर की शाम लगभग 5:30 बजे अशोक पिता लक्ष्मीनारायण वर्मा ने नवेगांव मकरिया स्थित खसरा नंबर 240, रकबा 3.510 हेक्टेयर की भूमि, जो रमणीत और जितेन्द्र पिता रामनारायण निवासी नवेगांव मकरिया के स्वामित्व में है और ठेके पर ली गई थी, में उपेक्षापूर्वक मक्का की नरवाई में आग लगाई। आग लगने से खेत की नरवाई जल गई।

सनसनीखेज वारदातः पत्नी की हत्या कर फांसी पर झूला पति, जाँच में जुटी पुलिस!

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले के पौंडी गांव के बैगा टोला में शनिवार को एक बुजुर्ग और उनकी पत्नी का शव मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बालाघाट से एफएसएल टीम बुलाकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान शंभूलाल पिता सीताराम कावरे (60) और पत्नी की पहचान सरस्वती बाई कावरे (50) के रूप में हुई है। दंपती की तीन बेटियां हैं, जिनका विवाह हो चुका है। घर में दंपती रहते थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सरस्वती बाई लंबे समय से बीमार चल रही थीं। उनका इलाज भी जारी था।

भरवेली थाना क्षेत्र के सुरवाही निवासी मृत दंपती के दामाद पुष्पराम चौधरी ने पुलिस को बताया कि शनिवार को वह अपने भानजे नीलेश नेवारे के साथ समनापुर में एक तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। वहां से वे अपने ससुर के घर बैगा टोला गए। घर का दरवाजा सामने से बंद था। जब उन्होंने दरवाजा धक्का देकर खोला तो बीच वाले कमरे में सास सरस्वती बाई कावरे जमीन पर गिरी मिलीं, उनके सिर के पास खून फैला था। पास ही ससुर शंभुलाल कावरे रस्सी से फांसी पर लटके हुए थे। पुष्पराम ने तत्काल 112 पर सूचना दी।

रूपझर थाना निरीक्षक जे.डी. पटले ने बताया कि प्रारंभिक जांच से ऐसा लग रहा है कि पति ने पहले पत्नी की हत्या की। फिर आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि बालाघाट से एफएसएल टीम बुलाकर मामले की जांच की जा रही है।

मछली पकड़ने नाले में गए 60 वर्षीय व्यक्ति का उतराता मिला शव

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। परसवाड़ा थाना अन्तर्गत ग्राम नाटा के पंडाटोला में एक 60 वर्षीय प्रौढ़ की नाले के पानी में डूबने से मौत हो गई। मृतक का नाम अशोक मेरावी पिता उम्र 60 वर्ष, निवासी पंडाटोला नाटा, बताया जा रहा है।

परसवाड़ा पुलिस को ग्रामीणों ने सूचना दी कि ग्राम नाटा के पंडाटोला निवासी अशोक मेरावी रविवार की सुबह करीब 6 बजे डंडईझोड़ी के नाले में मछली पकड़ने गया हुआ था। जिसका नाले के पानी में उतराता हुआ शव ग्रामीणों ने देखा। जिसकी सूचना परिजनों और परसवाड़ा पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद मौके पर पहुंची परसवाड़ा पुलिस के नगर निरीक्षक मदन इवने हमराह टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। और शव को नाले से बाहर निकाला। पंचनामा कार्यवाही करते हुए मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसवाड़ा लाया गया। शाम होने की वजह से पोस्टमार्टम नहीं हो सका। सोमवार सुबह पोस्टमार्टम पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया जायेगा।

आशंका जाहिर की जा रही है कि मछली पकड़ने गए हुए प्रौढ़ के नाले के किनारे पैर फिसलने से पानी में गिर कर मौत हुई होगी। बताया जा रहा है कि मृतक प्रौढ़ के घर पर दो बेटे बहुएं और पत्नी है। जो बांस के डल्ले और टुकनी बनाकर बेचता और जीवन चलाता था। बहरहाल परसवाड़ा पुलिस द्वारा मामले पर मर्ग कायम कर विवेचना की जा रही है।

ग्राहक बनकर आए दो बदमाशों ने सराफा दुकान से उड़ाई सोने की चेन, चाकघाट कस्बे में घटना को अंजाम देकर फैलाई सनसनी

रीवा ।

रीवा मे ग्राहक बनकर आए बदमाशों ने सर्राफा दुकान से सोने की चेन चोरी कर सनसनी फैला दी। घटना का पता दुकान संचालक को तब चला जब आरोपी फरार हो चुके थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।मामला चाकपाट कस्बे का है। वहां स्थित मनीष ज्वेलर्स में शनिवार सुबह करीब 11 बजे दो बदमाश बाइक से पहुंचे। उस समय संचालक मनीष सोनी दुकान में मौजूद थे। दोनों ने खुद को ग्राहक बताते हुए जेवर देखने की बात कही। मनीष जब उन्हें जेवर दिखाने लगे तो बदमाशों ने बातों में उलझाकर बड़ी सफाई से सोने की चेन पार कर ली। कुछ देर बाद वे सामान पसंद न आने की बात कहकर दुकान से निकल गए। व्यापारी ने सामान जांचा तो चेन गायब मिली। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसमें दोनों बदमाश चेन चुराते स्पष्ट दिख रहे हैं। पुलिस ने फुटेज जमा कर लिया है और आरोपियों की पहचान में जुट गई है। अनुमान लगाया जा रहा कि दोनों बदमाश बाहरी इलाके के है, जो वारदात को अंजाम देकर फरार ही गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।महिलाओं की गैंग भी सक्रियसर्राफा दुकानों में घटनाओं को अंजाम देने वाली महिलाओं की गैंग भी सक्रिय है। गैंग ने माह भर पूर्व समान याने के कोष्टा के समीप स्थित सर्राफा दुकान में घटना को अंजाम दिया था। इससे पूर्व भी महिलाओं की गैंग ने जिले के दर्जनभर से अधिक थाना क्षेत्रों में वारदात को अंजाम दिया है। अधिकांश मामलों कर खुलासा नहीं हो पाया है

मासूम हुसैन की मौत ने खोली सरकारी दावों की पोल

सतना। कुपोषण की स्थिति नियंत्रण से बाहर हो चुकी है,जहां एक ओर सरकारी गाइडलाइन के अनुसार आंगनबाड़ी केंद्रों में कुपोषण की दर 6.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए,वहीं हकीकत में कई केंद्रों में यह आंकड़ा 36 प्रतिशत तक पहुंच गया है। जिले की विभिन्न परियोजनाओं के करीब 125 आंगनबाड़ी केंद्रों में कुपोषण का स्तर निर्धारित सीमा से कहीं अधिक पाया गया है।

अति गंभीर कुपोषण का भयावह स्तर

महिला बाल विकास विभाग के आंकड़ों के अनुसार,इन 125 केंद्रों में जांच किए गए 4386 बच्चों में से 468 बच्चे 'अति गंभीर कुपोषण' की श्रेणी में मिले। यह कुल बच्चों का 10.6 प्रतिशत है,जबकि निर्धारित मानक 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। नागौद परियोजना के पनास आंगनबाड़ी केंद्र की स्थिति तो और भी भयावह है,जहां 19 बच्चों की जांच में 7 बच्चे अति गंभीर कुपोषित पाए गए,जो 36.8 प्रतिशत का चौंकाने वाला आंकड़ा है। सतना-2 परियोजना के केंद्र क्रमांक-36 में 44 बच्चों में 11 बच्चे (25 प्रतिशत) कुपोषण की चपेट में मिले। जिले के चित्रकूट,नागौद,रामपुर,सोहावल और उचेहरा जैसी कई परियोजनाओं के दर्जनों केंद्रों में कुपोषण का स्तर 7 प्रतिशत से लेकर 36.8 प्रतिशत तक दर्ज किया गया है।

आंगनबाड़ी केंद्र बंद, कार्यकर्ता गायब

कई केंद्रों में भारी लापरवाही उजागर हुई। परियोजना सतना-2 के केंद्र क्रमांक-36 पर शनिवार दोपहर 12.20 बजे बच्चे और कार्यकर्ता नदारद मिले,सहायिका ने तबीयत खराब होने का बहाना बताया। आइटीआइ बसोर बस्ती केंद्र क्रमांक-99 दोपहर 1.30 बजे बंद मिला। नई बस्ती चार मंदिर के समीप संचालित केंद्र क्रमांक-109 भी 1.05 बजे बंद था,जहां पोषण आहार (खिचड़ी और लपसी) बर्तनों में रखा मिला और कार्यकर्ता-सहायिका अनुपस्थित थीं।

मासूम हुसैन की मौत और लापरवाहों पर कार्रवाई

मझगवां विकासखंड के ग्राम मरवा निवासी 4 माह के हुसैन रजा की अति गंभीर कुपोषण,निमोनिया और सेप्टिस के कारण मौत होने के बाद स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग में हड़कंप मच गया है। जिला अस्पताल में 20 अक्टूबर को मासूम की मौत हुई। जांच में सामने आया कि बच्चे के नियमित फॉलोअप और टीकाकरण में लापरवाही बरती गई,जबकि जन्म के समय उसका वजन 3 किलो था। इस लापरवाही के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जैतवारा क्षेत्र के सेक्टर मेडिकल ऑफिसर डॉ.शारदा प्रसाद श्रीवास्तव,सेक्टर सुपरवाइजर आरके शुक्ला और आरबीएसके टीम पर वेतन वृद्धि रोकने और नोटिस जारी करने जैसी कार्रवाई की है। वहीं,आशा कार्यकर्ता उर्मिला सतनामी और प्रियंका श्रीवास्तव को कार्य से पृथक कर दिया गया।

ग्राम पंचायत रजोला का मामला, जिला अस्पताल में महिला ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

उल्टी दस्त ने ले ली महिला की जान, परिजनों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज सिंगोड़ी

सिंगोड़ी के समीप ग्राम पंचायत रजोला की रहने वाली महिला की उल्टी दस्त से जिला अस्पताल में मौत के बाद डाक्टर और उपचार पर सवाल उठ खड़ा हो गया एक तरफ जहां मृतिका के परिजनों ने उपचार को लेकर जिला अस्पताल में प्रदर्शन किया वही सिंगोड़ी पुलिस चौंकी पहुंचकर मृतिका के देवर ने ग्रामीणों और ब्लाक कांग्रेस कमेटी के साथ मिलकर लापरवाही और मुआवजा को लेकर ज्ञापन सौपा है।

पीड़ित परिजन शव को लेकर रजोला जाते समय सिंगोड़ी पुलिस चौकी प्रभारी पंकज राय को मृतिका के देवर मयूर चंद्रवंशी ने ग्रामीणों और ब्लाक कांग्रेस कमेटी के साथ जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया की मृतिका पीड़ित दुर्गा चंद्रवंशी 36 वर्ष पति स्व. नरेश चंद्रवंशी, निवासी रजौला को दूषित पानी पीने से पेठ में दर्द और दस्त हुआ जिसके बाद शनिवार को 108 की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था जिला अस्पताल के डाक्टर व स्टाप की लापरवाही के कारण मौत हो गई। चूंकि परिवार में दो छोटे बच्चें है पिता नरेश चंद्रवंशी का पहले निधन हो गया और अब बच्चो की मां दुर्गा चंद्रवंशी की भी लापरवाही के कारण मौत हो गई। इस मामले में सुबह से ही गांव में मातम पसरा हुआ था। ज्ञापन सौंपने वालों में सेलू सेंगर महेश धुर्वे आशीष जैन बिनोद सिंगोरे आशिफ मिस्किनी राजेश पटेल फिरोज खान रविंद्र धुर्वे केतन पटेल सहित परिजन शामिल थे।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के 403 घरों में पहुंची बिजली

बालाघाट। जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र एवं जनजातीय बहुल ग्रामों में विद्युतीकरण के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देश पर मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के अधिकारियों द्वारा जिन घरों में बिजली की सुविधा नहीं है, उन घरों में बिजली की रोशनी पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के अधीक्षण यंत्री श्री अमित कुमार ने बताया कि बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित एवं जनजातीय गांवों की बसाहटों के अविद्युतीकृत घरों में विद्युतीकरण कार्य के लिए भारत सरकार के धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत सर्वे का कार्य किया गया है। सर्वे के पश्चात् जिले के 216 गांवों में 1022 बिजली कनेक्शन के लिए लाईन विस्तार के माध्यम से एवं 78 परिवारों में सोलर के माध्यम से बिजली की रोशनी पहुंचाने का कार्य प्रस्तावित है। इस कार्य पर 01 करोड़ 76 लाख रुपये की राशि खर्च होना है।

अधीक्षण यंत्री श्री अमित कुमार ने बताया कि धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत अब तक परसवाडा विकासखंड के ग्राम आमवाही, बड़गांव, बारिया, चनई, डोरा, फंडकी, घोड़ादेही, केशा, खलोंडी, खर्रा, नाटा, सुकड़ी के कुल 403 जनजातीय परिवारों के घरों में विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष ग्रामों में विद्युतीकरण का कार्य प्रगति पर है। इस कार्य को 30 नवंबर 2025 तक विभाग द्वारा पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। दुर्गम क्षेत्र के ग्रामों तक घने वनों के बीच से बिजली की लाईन पहुंचाने का कार्य कठिन परिश्रम के साथ किया जा रहा है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र एवं जनजातीय बहुल ग्रामों के घरों में बिजली पहुंचने से हितग्राही परिवारों के घरों का अंधियारा दूर हुआ है और बिजली की रोशनी उनके जीवन को खुशहाल बना रही है। घर में बिजली पहुंचने से 403 परिवारों के जीवन में भी बदलाव आ रहा है। अब उन्हें रात के समय घर में रोशनी के लिए मिट्टी तेल या अन्य साधनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। बिजली पहुंचने से उनके बच्चों को रात में पढ़ाई के लिए समय और अच्छा वातावरण मिलने लगा है। बिजली की सुविधा होने से वे संचार के साधनों का भी सुगमता से उपयोग करने लगे हैं। अब उन्हें मोबाईल को चार्ज करने के लिए यहां-वहां भटकना नहीं पड़ता है।

ईपीएस के 10 साल पूरे होने से पहले सारे ही पैसे निकालना कितना सही

अपडेट | बिजनेस डेस्क

- पहले सारा पैसा निकालने पर नहीं मिलती मासिक पेंशन, पेंशन के लिए लगातार दस ईपीएस का हिस्सा रहना जरूरी
- ईपीएस मेंबर को 36 महीने के भीतर दोबारा नौकरी मिल जाती है, तो उसकी ईपीएस मेंबरशिप और पेंशन एलिजिबिलिटी बनी रहेगी

अगर आप नौकरीपेशा हैं और ईपीएफ (ईपीएम) में योगदान करते हैं, तो आपके वेतन का एक हिस्सा ईपीएस यानी एंप्लाईज पेंशन स्कीम में भी जाता है। बहुत से लोग यह सोचते हैं कि नौकरी छोड़ने या बीच में ब्रेक आने पर इस पैसे को फौरन निकाल लेना बेहतर है, लेकिन क्या वाकई ईपीएस के 10 साल पूरे होने से पहले सारे पैसे निकाल लेना सही फैसला है? कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने हाल ही में ईपीएस से जुड़े कुछ बदलाव किए हैं, हालांकि, इन बदलावों का असर पेंशन पाने की उम्र यानी 58 साल की एलिजिबिलिटी पर नहीं पड़ेगा। पेंशन पाने के लिए किसी सदस्य का कम से कम 10 साल तक लगातार ईपीएस का हिस्सा रहना जरूरी है। अगर किसी सदस्य की नौकरी चली जाती है और वह ईपीएस (ईपीएस) के लिए योगदान जारी नहीं रखना चाहता, तो वह 10 साल पूरे होने से पहले अपने सारे पैसे निकाल सकता है. पहले यह फाइनल सेटलमेंट नौकरी चले जाने के 2 महीने बाद किया जा सकता था, लेकिन अब इसके लिए 2 महीने नहीं, बल्कि 36 महीने यानी 3 साल तक इंतजार करना होगा, यानी ईपीएफओ ने अब ईपीएस के पैसे निकालना पहले की तुलना में ज्यादा मुश्किल बना दिया है, इस बदलाव का उद्देश्य यह है कि अगर ईपीएस मेंबर को 36 महीने के भीतर दोबारा नौकरी मिल जाती है, तो उसकी ईपीएस मेंबरशिप और पेंशन एलिजिबिलिटी बनी रह सके।

10 साल से पहले पैसे निकालने का असर

ईपीएफओ के नियमों के मुताबिक आप लगातार नौकरी के 10 साल पूरे होने से पहले ईपीएस से पैसे निकाल सकते हैं। लेकिन ऐसा करने पर आप आगे चलकर मिलने वाली पेंशन के लिए एलिजिबल नहीं रह जाएंगे। यानी रिटायरमेंट के बाद ईपीएस के जरिये मिलने वाली मंथली पेंशन की सुविधा खत्म हो जाएगी।ईपीएफओ के अनुसार रिटायरमेंट के समय पेंशन पाने की एलिजिबिलिटी के लिए किसी सदस्य का कम से कम 10 साल तक ईपीएस में सदस्य रहना जरूरी है। इसका मतलब यह है कि जल्दबाजी में पैसे निकालने से आप अपनी लंबी अवधि की आर्थिक सुरक्षा खो सकते हैं।

क्या कहते हैं आंकड़े

दिलचस्प बात यह है कि ईपीएफओ के आंकड़ों के मुताबिक करीब 75 प्रतिशत सदस्य 4 साल की सर्विस के भीतर ही पूरा पेंशन अमाउंट निकाल लेते हैं, ऐसे में उन्हें भविष्य की पेंशन और आर्थिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिल पाता है।

फैमिली पेंशन का भी नुकसान

अगर कोई सदस्य 10 साल से पहले पैसे नहीं निकालता है और उसका निधन हो जाता है, तो उसके परिवार को अगले 3 साल तक पेंशन का लाभ मिलता है, लेकिन अगर सदस्य ने पूरे पैसे निकाल लिए हैं, तो परिवार यह लाभ नहीं ले सकता। यही वजह है कि ईपीएफओ ने ईपीएस की सदस्यता को 10 साल पूरे होने तक जारी रखने के लिए नियमों में बदलाव किए हैं। ईपीएफओ का कहना है कि ईपीएस के पैसे निकालने के लिए दो महीने की जगह 36 महीने इंतजार करने का नया प्रावधान इसीलिए लाया गया है ताकि सदस्यों की 10 साल की एलिजिबिलिटी पूरी हो जाए और उनके परिवार को भी पेंशन का लाभ मिल सके।

किन हालात में निकाल सकते हैं पैसे

हालांकि कुछ खास परिस्थितियों में पैसे निकालने का फैसला सही भी हो सकता है। मिसाल के तौर पर अगर किसी व्यक्ति की आमदनी अच्छी खासी है या उसने पहले से अपनी रिटायरमेंट प्लानिंग की हुई है, जिसके चलते वह रिटायरमेंट के बाद रेगुलर इनकम या फेमिली पेंशन पाने के लिए ईपीएस के भरोसे नहीं है, तो जरूरत पड़ने पर अपने पैसे निकाल सकता है। लेकिन जिनकी आय सीमित है और दूसरा कोई रिटायरमेंट प्लान नहीं है, तो उनके लिए ईपीएस को जारी रखना भविष्य की सुरक्षा के लिहाज से बेहतर विकल्प है। ईपीएस पेंशन स्कीम लंबे समय तक आर्थिक सुरक्षा देने के लिए बनाई गई है। अगर आप 10 साल पूरे होने से पहले पैसा निकालते हैं, तो भविष्य में पेंशन नहीं मिलेगी। साथ ही फेमिली पेंशन के तौर पर परिवार को मिलने वाली सुरक्षा का लाभ भी चला जाएगा। इसलिए नौकरी में ब्रेक या अस्थायी परेशानी की हालत में जल्दबाजी करने की बजाय सोच-समझकर फैसला करने में ही समझदारी है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- यह दूसरी करेंसीज में इनवेस्ट करने वालों के लिए और अट्रैक्टिव हो जाता है
- पहले निवेशक पूरे पोर्टफोलियो की तुलना में 10 से 12% पैसा सोने में निवेश करते थे
- अब बाजार की तेजी को देखते हुए निवेशक 18 से 22% सोने में निवेश करने लगे

गोल्ड और अमेरिकी डॉलर के बीच दिलचस्प संबंध देखने को मिला
जब डॉलर में कमजोरी आती है तो गोल्ड की चमक बढ़ती जाती है

सोने में निवेश सबसे सुरक्षित, लेकिन जरूरत से ज्यादा भी ठीक नहीं

सोने को शुरू से ही निवेश का सबसे सुरक्षित माध्यम माना जाता रहा है। इसने निवेशकों को कभी रुसवा नहीं किया। पिछला रिकॉर्ड देखा जाए तो सोने ने कभी भी निगेटिव रिटर्न नहीं दिया। यह चाहे किसी भी रूप में हो निवेशकों को मालामाल करता रहा है। हालांकि बाजार के जानकारों का कहना है कि सोने में निवेश करना सही है, लेकिन यह जरूरत से ज्यादा नहीं होना चाहिए। हाल फिलहाल में सोने में हुई बढ़ोतरी को देखते हुए निवेशकों ने अपने पोर्टफोलियो में इसकी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। पहले निवेशक पूरे पोर्टफोलियो की तुलना में 10 से 12 फीसदी पैसा सोने में निवेश करते थे, लेकिन अब निवेशक 18 से 22 फीसदी सोने में निवेश करने लगे हैं। यहां तक तो ठीक हैं, लेकिन इससे अधिक रिस्की हो सकता है। इस साल आई जबर्दस्त तेजी की वजह से सोना चर्चा में है। 21 अक्टूबर को 5 फीसदी की गिरावट के बावजूद गोल्ड ने निवेशकों को मालामाल किया है। सवाल है कि आखिर गोल्ड में इतनी तेजी की क्या वजह है? इस सवाल का जवाब पाने के लिए हमें ग्लोबल इकोनॉमी में गोल्ड की भूमिका को समझना होगा।

1944 का ब्रेटन वुड्स एग्रीमेंट

सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद 1944 में ब्रेटन वुड्स एग्रीमेंट हुआ। तब अमेरिकी डॉलर में दुनिया के दूसरे देशों की करेंसीज की कीमत तय करने पर सहमति बनी। डॉलर की कीमत गोल्ड पर आधारित थी। 35 डॉलर एक औंस सोने के बराबर था। इस व्यवस्था से ग्लोबल इकोनॉमी को तब स्थिरता मिली, जब उसे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। लेकिन, अमेरिकी इकोनॉमी का आकार बढ़ने पर सरकार ने ज्यादा डॉलर छापे। एक समय ऐसा आया जब कुल डॉलर का मूल्य गोल्ड रिजर्व से ज्यादा हो गया।

1960 के दशक में एक कमोडिटी के रूप में उभरा गोल्ड

1960 का दशक आते-आते इस असंतुलन की अनदेखी करना मुश्किल हो गया। 1971 में अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन ने एक बड़ा कदम उठाया। उन्होंने डॉलर को गोल्ड में बदलने की सुविधा बंद कर दी, जिससे ब्रेटन वुड्स सिस्टम खत्म हो गया। इससे मॉनेटरी सिस्टम में गोल्ड की तय भूमिका खत्म हो गई। इसके बाद गोल्ड एक कमोडिटी बनकर रह गया। इसकी कीमतों पर मार्केट फोर्सेज का असर पड़ना शुरू हो गया, लेकिन, निवेश के सुरक्षित विकल्प को लेकर इसकी भूमिका बनी रही।

केंद्रीय बैंकों ने समझा गोल्ड का महत्व

जैसे-जैसे डॉलर कमजोर होता गया और इनफ्लेशन बढ़ता गया, वैसे-वैसे गोल्ड की अपील बढ़ती गई। जब कभी डॉलर में बड़ी कमजोरी आई या इनफ्लेशन में उछाल आया, गोल्ड निवेश के भरोसेमंद जरिया के रूप में सामने आता रहा। क्राइसिस के समय भी इसकी चमक बनी रही। इससे यह माना गया कि जब सबकुछ अनिश्चित दिख रहा तो तब भी गोल्ड में वेल्थ

की वैल्यू घटने से बचाने की क्षमता है। इसके बाद दुनिया के केंद्रीय बैंकों ने गोल्ड खरीदना शुरू कर दिया। इसका मकसद विदेशी मुद्रा भंडार का डायवर्सिफिकेशन था।

गोल्ड में तेजी की बड़ी वजहें

बीते कुछ सालों में गोल्ड और अमेरिकी डॉलर के बीच दिलचस्प संबंध देखने को मिला है। जब डॉलर में कमजोरी आती है तो गोल्ड की चमक बढ़ती है। इससे यह दूसरी करेंसीज में इनवेस्ट करने वाले इनवेस्टर्स के लिए और अट्रैक्टिव हो जाता है। बॉन्ड्स की रियल यील्ड ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई। जब रियल यील्ड घट जाती है तो गोल्ड की अपील बढ़ जाती है। जब हम साल 2025 के अंत के करीब है, गोल्ड 4000 डॉलर प्रति औंस से ऊपर है। गोल्ड की तेजी में डॉलर में कमजोरी, बॉन्ड्स की कम रियल यील्ड और सेंट्रल बैंकों के बीच गोल्ड की ज्यादा डिमांड का हाथ है। इसके अलावा जियोपॉलिटिकल टेंशन का असर भी इसमें शामिल है।

इकोनॉमी में गोल्ड की बढ़ती भूमिका

गोल्ड में तेजी न सिर्फ इनवेस्टर्स के लिए अहम है बल्कि इसका आर्थिक महत्व भी है। उदाहरण के लिए भारत में आरबीआई के रिजर्व में डॉलर के अलावा गोल्ड भी है। जब गोल्ड में तेजी आती है तो आरबीआई के डॉलर रिजर्व की वैल्यू बढ़ जाती है। इससे इंडिया की फाइनेंशियल पोजीशन मजबूत होती है। गोल्ड का असर भारत में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) पर भी पड़ता है। उदाहरण के लिए सितंबर 2025 में गोल्ड की ज्यादा कीमतों की वजह से इंडिया के कोर इनफ्लेशन में मामूली उछाल देखने को मिला, जबकि फूड की कीमतों में गिरावट आई। इससे पता चलता है कि गोल्ड की भूमिका इकोनॉमी में कितनी ज्यादा है।

गोल्ड में तेजी जारी रहने की उम्मीद

गोल्ड में तेजी जारी रहने की उम्मीद है। इसकी कई वजहें हैं। रियल यील्ड लगातार कम बनी हुई है। सेंट्रल बैंक के बीच गोल्ड की डिमांड बनी हुई है, लेकिन, इतिहास यह बताता है कि ऐसी तेजी के बाद गोल्ड दोबारा नई ऊंचाई पर पहुंचने से पहले कंसॉलिडेशन फेज में रहता है। इसलिए गोल्ड में तेजी जारी रहने की संभावना है, लेकिन इनवेस्टर्स को इसमें उतार चढ़ाव के लिए तैयार रहना चाहिए।

एक सीमा से ज्यादा निवेश सही नहीं

कई इनवेस्टर्स इनफ्लेशन से बचाव, करेंसी में कमजोरी और ग्लोबल इकोनॉमी में अनिश्चितता को देखते हुए गोल्ड में निवेश कर रहे हैं। लेकिन, गोल्ड में बहुत ज्यादा निवेश से आपके पोर्टफोलियो पर इसकी कीमतों में तेजी या कमजोरी का असर पढ़ना शुरू हो जता है। ऐसे में बॉन्ड बड़ा रोल निभाता है। अनिश्चित समय में तो गोल्ड का प्रदर्शन अच्छा रहता है लेकिन, जब सबकुछ ठीक चल रहा होता है तो क्या होता है? बॉन्ड्स पोर्टफोलियो में स्टैबिलिटी लाता है। साथ ही इंटरेस्ट के रूप में इससे रेगुलर इनकम होती है। यह फायदा गोल्ड में नहीं है। ऐसे इनवेस्टर्स जिन्हें रेगुलर कैश की जरूरत पड़ती है, उनके डायवर्सिफायड पोर्टफोलियो में बॉन्ड्स का होना जरूरी है।

ऑफर देखकर न ललचाएं ज्यादा जरूरत होने पर ही पर्सनल लोन उठाएं, वरना यह बढ़ा सकता है परेशानी

अलर्ट | बिजनेस डेस्क

पर्सनल लोन एग्रीमेंट पर साइन से पहले चेक करें कुछ बातें, वरना पड़ेगा पछताना

"बैंक और एनबीएफसी लोन एग्रीमेंट में कई ऐसी शर्तें जोड़ देते हैं जो करती हैं परेशान, ऐसे में ऐसी शर्तों पर पहले से ही नजर दौड़ा लें, दिक्कत नहीं होगी"

कई बार हमें अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाती है चाहे मेडिकल इमरजेंसी हो, शादी का खर्च या फिर किसी जरूरी ट्रिप का खर्चा। ऐसे में पर्सनल लोन एक आसान रास्ता लगता है। कुछ क्लिक या एक फॉर्म भरकर पैसा खाते में आ जाता है, लेकिन यही आसानी कई बार बाद में परेशानी का कारण भी बन जाती है, अगर आपने लोन एग्रीमेंट के कागजों को ध्यान से नहीं पढ़ा। बैंक और एनबीएफसी लोन एग्रीमेंट में कई ऐसी शर्तें जोड़ देते हैं, जिन पर नजर न गई तो बाद में पछताना पड़ सकता है।

प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर चार्जेज

कई लोग सोचते हैं कि लोन जल्दी चुका देंगे तो ब्याज बच जाएगा, लेकिन हर बैंक या फाइनेंशियल इंस्टिट्यूशन इसकी इजाजत नहीं देता। अगर आप लोन तय समय से पहले चुका देते हैं, तो आपको प्रीपेमेंट या फोरक्लोजर चार्जेज देने पड़ सकते हैं, जो आम तौर पर बाकी बचे लोन अमाउंट का 2% से 5% तक होता है। इसलिए साइन करने से पहले यह जरूर समझ लें कि आपका बैंक या एनबीएफसी पर्सनल लोन जल्दी चुकाने पर कितने चार्जेज वसूलेगा।

लेट पेमेंट और डिफॉल्ट पेनॉल्टी

एक भी ईएमआई छूटना आपके क्रेडिट स्कोर को नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन इसके साथ ही, बैंक लेट पेमेंट पर पेनाल्टी चार्ज भी वसूलते हैं। कुछ बैंक एक तय रकम लेते हैं, तो कुछ बाकी बचे ईएमआई अमाउंट का एक प्रतिशत। यही वजह है कि देर से भुगतान करने पर ब्याज से ज्यादा रकम चुकानी पड़ सकती है। इससे बचने का सबसे आसान तरीका है ऑटो डेबिट ऑर्डर लगाना, ताकि ईएमआई समय पर कट जाए।

छिपे हुए प्रोसेसिंग व सर्विस चार्जेस

बैंक जब लोन का ब्याज दर बताते हैं, तो वह तो साफ होता है, लेकिन बाकी के चार्जेस अक्सर ध्यान नहीं जाते। जैसे प्रोसेसिंग फीस, डॉक्युमेंटेशन फीस और जीएसटी आदि। यहां तक कि कुछ बैंक फोरक्लोजर लेटर या लोन स्टेटमेंट के लिए भी शुल्क वसूलते हैं। इसलिए हमेशा साइन करने से पहले बैंक से यह पूछें कि कुल मिलाकर आपकी जेब से कितनी रकम कटेगी। आखिरकार, जो लोन अमाउंट आपको मिलेगा, वह इन चार्जेस के बाद थोड़ी कम ही होगी।

ब्याज दर में बदलाव से जुड़ी शर्तें

अगर आपने फ्लोटिंग रेट वाला पर्सनल लोन लिया है, तो यह समझना जरूरी है कि ब्याज दर में बदलाव कब और कैसे होगा। कुछ बैंक हर तिमाही में रेट बदलते हैं, तो कुछ साल में एक बार. अगर ब्याज दरें बढ़ती हैं तो आपकी ईएमआई भी बढ़ सकती है। इसलिए एग्रीमेंट में दिए गए इस क्लॉज को जरूर पढ़ें ताकि बाद में बढ़ी हुई किस्त देखकर झटका न लगे।

बीमा और क्रॉस-सेलिंग की चाल

कई बैंक पर्सनल लोन के साथ एक बीमा पॉलिसी भी जोड़ देते हैं, जो बेरोजगारी, बीमारी या मृत्यु की स्थिति में लोन को कवर करती है। सुनने में यह सुरक्षा जैसा लगता है, लेकिन अक्सर यह बीमा वैकल्पिक होता है. कुछ बैंक इसे अनिवार्य बताकर जोड़ देते हैं। इसलिए साइन करने से पहले यह साफ कर लें कि क्या यह बीमा जरूरी है, और क्या उसकी प्रीमियम लागत वाजिब है।

हर शर्त को समझना बेहद जरूरी

पर्सनल लोन एक सुविधाजनक विकल्प जरूर है, लेकिन इसके साथ जुड़ी हर शर्त को समझना बेहद जरूरी है। छोटी-छोटी बातों पर ध्यान न देने से बाद में भारी ब्याज, चार्जेस या अन्य पेनाल्टी झेलनी पड़ सकती है। इसलिए अगली बार जब भी आप किसी लोन डॉक्यूमेंट पर साइन करें, तो जल्दबाजी न करें। हर पेज, हर क्लॉज को ध्यान से पढ़ें और समझें। आखिरकार, लोन से राहत तभी मिलेगी जब आप इसके हर नियम को समझदारी से निभाएंगे।

घर में कितनी रख सकते हैं चांदी कमाई पर कैसे लगता है टैक्स

बिजनेस डेस्क

निवेश की दुनिया में सोना के साथ एक और एसेट क्लास सबसे ज्यादा चर्चा में है, जो है चांदी। वजह इसमें मिल रहा सुपर रिटर्न। साल 2025 में रिटर्न के मामले में चांदी ने सोने को पीछे छोड़ दिया है। इस साल चांदी का रिटर्न 73फीसदी से अधिक रहा है। इससे निवेशकों के बीच चांदी की डिमांड बढ़ रही है, चाहे वह किसी भी फॉर्मेट में हो। तो यहां 2 बातें समझ लेना जरूरी है कि आप अपने घर में अधिक से अधिक कितना चांदी रख सकते हैं, ताकि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का कोई झंझट न हो। वहीं इससे होने वाली कमाई पर कितना टैक्स लगता है।

चांदी रखने पर लिमिट नहीं

सोने की तरह, चांदी (जैसे सिक्के, गहने, बर्तन आदि) रखने पर इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के तहत कोई सीमा तय नहीं की गई है। अगर चांदी कानूनी तरीके से खरीदी गई या विरासत में मिली है, तो उस पर कोई रोक नहीं है। टैक्स तभी लगता है जब आप चांदी बेचते हैं और उस पर कैपिटल गेंस (लाभ) कमाते हैं। टैक्स सिर्फ बिक्री पर या छुपाई गई संपत्ति पाए जाने पर लगता है। हालांकि घर पर कितनी भी चांदी रखने की सीमा नहीं है, लेकिन अगर आपके पास ज्यादा चांदी है, तो उसकी खरीद के प्रमाण (बिल या रसीद) संभाल कर रखना बेहतर है। अगर आपने चांदी किसी ज्वेलर, डीलर या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से खरीदी है, तो उसका असली बिल जरूर रखें। भविष्य में अगर कभी इनकम टैक्स विभाग जांच करता है, तो ये दस्तावेज आपके लिए सुरक्षा कवच बन सकते हैं।

चांदी की कमाई पर टैक्स

चांदी पर टैक्स के नियम की बात करें तो यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने फिजिकल सिल्वर (जैसे गहने, सिक्के, बार) खरीदी है या सिल्वर ईटीएफ या सिल्वर म्यूचुअल फंड में निवेश किया है, और आपने इसे कितने समय तक रखा है. इसलिए, टैक्स के नियम समझना जरूरी है ताकि आप सही निवेश निर्णय ले सकें।

फिजिकल फार्म में चांदी पर टैक्स

अगर आपने चांदी के गहने या सिक्के को 24 महीने से पहले बेच दिया, तो उस पर हुआ लाभ शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेंस (एसटीसीजी) माना जाएगा और यह आपकी इनकम टैक्स स्लैब की दर के अनुसार टैक्स होगा, लेकिन आपने चांदी को 24 महीने से ज्यादा समय तक रखा, तो यह लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेंस (एलटीसीजी) माना जाएगा। अगर चांदी 23 जुलाई 2024 या उसके बाद खरीदी गई है, तो इस पर 12.5% टैक्स लगेगा और इंडेक्सेशन का लाभ नहीं मिलेगा। वहीं 23 जुलाई 2024 से पहले खरीदी चांदी पर 20% लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेंस टैक्स लगेगा इंडेक्सेशन के साथ।

सिल्वर म्यूचुअल फंड और ईटीएफ पर टैक्स

अगर आपने सिल्वर ईटीएफ या म्यूचुअल फंड को 12 महीने के अंदर बेचा, तो यह एसटीसीजी माना जाएगा और इनकम टैक्स स्लैब रेट के हिसाब से टैक्स लगेगा। अगर 12 महीने से बाद बेचा, तो यह एलटीसीजी माना जाएगा और 12.5% टैक्स लगेगा, बिना इंडेक्सेशन बेनेफिट के।

चांदी की ज्वेलरी, बिस्कुट और सिक्कों पर टैक्स

चांदी (बार, सिक्के या गहने) के मूल्य पर 3 फीसदी जीएसटी लगता है, जबकि गहनों के मेकिंग चार्ज पर 5 फीसदी जीएसटी लगाया जाता है।

यूपीआई पेमेंट के लिए अपने लिक्विड म्यूचुअल फंड का इस्तेमाल कर सकेंगे

यूपीआई के 'पे विद म्यूचुअल फंड' के जरिये भी कर सकेंगे पेमेंट

जानकारी | बिजनेस डेस्क

अब तक आपने म्यूचुअल फंड का इस्तेमाल सिर्फ निवेश और रिटर्न कमाने के लिए किया होगा, लेकिन अब इसका इस्तेमाल पेमेंट करने में भी किया जा सकेगा। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के नए फीचर 'पे विद म्यूचुअल फंड' के जरिये अब निवेशक यूपीआई पेमेंट के लिए अपने लिक्विड म्यूचुअल फंड का इस्तेमाल कर सकेंगे। यह फीचर न सिर्फ इस्तेमाल में आसान है, बल्कि निवेशकों को बेहतर रिटर्न के साथ फ्लेक्सिबल कैश मैनेजमेंट का मौका भी देता है। यूपीआई के 'पे विद म्यूचुअल फंड' इस फीचर के जरिए आप अपनी लिक्विड म्यूचुअल फंड होल्डिंग से सीधे यूपीआई पेमेंट कर पाएंगे। मिसाल के तौर पर अगर आपने किसी फंड हाउस के लिक्विड फंड में निवेश किया है, और वह फंड इस सुविधा को सपोर्ट करता है, तो आप अपने उस निवेश का इस्तेमाल यूपीआई के जरिये किसी पेमेंट के लिए कर पाएंगे। जैसे ही आप यूपीआई से पेमेंट करेंगे, उतनी रकम के बराबर यूनिट्स अपने आप रिडीम हो जाएंगी और पैसे फौरन ट्रांसफर हो जाएंगे। इसे इस तरह समझिए कि यह फीचर लिक्विड म्यूचुअल फंड को एक मिनी बैंक अकाउंट की तरह काम करने की क्षमता देता है, लेकिन फर्क यह है कि यहां आपका पैसा बेहतर मार्केट-लिंक्ड रिटर्न भी कमा रहा होता है। इस सुविधा को फिलहाल आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और बजाज फिनसर्व एएमसी जैसे फंड हाउसेज ने लॉन्च किया है।

क्यों खास है यह फीचर

लिक्विड फंड शॉर्ट-टर्म मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करते हैं, जिनकी लिक्विडिटी बहुत ज्यादा होती है। ऐसे में जब जरूरत पड़े, तो निवेशक फौरन पैसे निकाल सकते हैं। अब 'पे विद म्यूचुअल फंड' फीचर से यह प्रॉसेस और आसान हो गई है, क्योंकि अब आपको पहले पैसा बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करने की जरूरत नहीं। इसके अलावा यह फीचर आपके निवेश पर फुल लिक्विडिटी के बावजूद सेविंग अकाउंट से ज्यादा संभावित रिटर्न का फायदा भी देता है। सेविंग अकाउंट में जहां आम तौर पर 4% से कम सालाना ब्याज मिल रहा है, वहीं लिक्विड फंड इस समय करीब 6-7% तक का रिटर्न दे रहे हैं। यानी आपका पैसा बेकार पड़े रहने की बजाय बेहतर रिटर्न भी दे सकता है और जरूरत पर फौरन काम भी आ सकता है।

ऐसे आसान होगा पेमेंट

यूपीआई आज हर रोजमर्रा के लेनदेन का हिस्सा बन चुका है। किराने की दुकान से लेकर ऑनलाइन शॉपिंग तक, हम सभी इसका इस्तेमाल करते हैं। अब अगर यह पेमेंट सीधे म्यूचुअल फंड से हो जाए, तो आपको अलग-अलग ऐप्स में ट्रांसफर या रिडेम्प्शन की झंझट

- यह फीचर न सिर्फ इस्तेमाल में आसान है, बल्कि बेहतर रिटर्न के साथ फ्लेक्सिबल कैश मैनेजमेंट का मौका देगा
- जैसे ही यूपीआई से पेमेंट करेंगे, उतनी रकम के बराबर यूनिट्स अपने आप रिडीम हो जाएंगी
- पैसे फौरन ट्रांसफर हो जाएंगे, लिक्विड म्यूचुअल फंड एक मिनी बैंक अकाउंट की तरह काम करेगा
- यहां आपका पैसा बेहतर मार्केट-लिंक्ड रिटर्न भी कमा रहा होता है,
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और बजाज फिनसर्व एएमसी जैसे फंड हाउसेज ने लॉन्च किया

नहीं झेलनी पड़ेगी। व्यक्तिगत निवेशकों के साथ-साथ छोटे बिजनेस के लिए भी यह फीचर बहुत मददगार साबित हो सकता है। वे अपने शॉर्ट-टर्म कैश को लिक्विड फंड में रखकर रिटर्न कमा सकते हैं और जरूरत पड़ने पर उसी से पेमेंट कर सकते हैं। यह कैश मैनेजमेंट का स्मार्ट और फ्लेक्सिबल तरीका है।

क्या यह सेविंग से बेहतर है?

कई मामलों में हां, लेकिन कुछ सावधानियां भी जरूरी हैं। सेविंग अकाउंट ज्यादा सुरक्षित होते हैं और उनमें 5 लाख रुपये तक के डिपॉजिट का इंश्योरेंस भी होता है। वहीं, लिक्विड फंड में थोड़ा मार्केट रिस्क रहता है. हालांकि यह रिस्क बहुत कम होता है, फिर भी अगर आपका लक्ष्य केवल सुरक्षा है, तो सेविंग अकाउंट ही बेहतर है।लेकिन अगर आप थोड़ा जोखिम लेने को तैयार हैं और चाहते हैं कि आपका पैसा फुल लिक्विडिटी के बावजूद बेहतर रिटर्न कमाए, तो नई सुविधा आपके लिए सही विकल्प हो सकती है। हां, यह ध्यान रखना जरूरी है कि आप जिस फंड में निवेश करें, उसकी लिक्विडिटी और रिडेम्प्शन प्रोसेस भरोसेमंद हो।

यह फीचर एक स्मार्ट ऑप्शन

'पे विद म्यूचुअल फंड' फीचर निवेशकों के लिए सुविधा और रिटर्न दोनों को जोड़ता है। यह दिखाता है कि भारत में डिजिटल पेमेंट और म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री कितनी तेजी से एक-दूसरे के करीब आ रही है। जो निवेशक अपने पैसों को हर वक्त रिटर्न के लिहाज से इनवेस्ट रखना चाहते हैं, उनके लिए यह फीचर एक स्मार्ट ऑप्शन बन सकता है। बशर्ते वे इसके फायदों और रिस्क को समझकर इसका इस्तेमाल करें।

अच्छी तरह समझने के बाद करें इस्तेमाल

भले ही यह फीचर बेहद सुविधाजनक है, लेकिन निवेशकों को इसका इस्तेमाल करने से पहले कुछ बातें जरूर समझ लेनी चाहिए। लिक्विड फंड के रिटर्न अलग-अलग फंड हाउस में अलग-अलग हो सकते हैं, इसलिए औसत रिटर्न और एक्सपेंस रेशियो पर नजर रखना चाहिए. साथ ही यह जानना भी जरूरी है कि "इंस्टैंट रिडेम्प्शन" के साथ भी कुछ लिमिट्स या कट-ऑफ टाइम जुड़े हो सकते हैं। इसके अलावा, लिक्विड फंड से होने वाली कमाई पर टैक्स उसी तरह लगता है जैसे बैंक ब्याज पर. इसलिए इसे पूरी तरह इमरजेंसी फंड का विकल्प न मानें। अपने पैसे का कुछ हिस्सा हमेशा सेविंग अकाउंट में भी रखें ताकि किसी देरी की स्थिति में परेशानी न हो।

हर दिन यहां होती है हीरों की बारिश, वैज्ञानिकों ने खोजा अंतरिक्ष का सबसे अमीर ग्रह

नई दिल्ली। आपने पृथ्वी पर आसमान से होने वाली पानी की बारिश तो देखी होगी, लेकिन क्या आपने कभी बेशकीमती हीरों की बारिश होते हुए देखा है? पृथ्वी पर ऐसा होना सपने जैसा लगता है, लेकिन अंतरिक्ष में ऐसे 2 ग्रह भी हैं, जहां सच में आसमान से हीरों की बारिश होती है। कथित तौर पर वैज्ञानिकों ने इन्हें अंतरिक्ष का 'सबसे अमीर' ग्रह बताया है।

किन ग्रहों पर होती है हीरों की बारिश?

वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में दो ऐसे विशाल ग्रहों की पहचान की है जहां हीरों की बारिश होती है। इनके नाम हैं यूरेनस और नेपच्यून। इन ग्रहों पर मौसम की स्थितियां इतनी अजीबोगरीब हैं कि यहां के वातावरण में हीरा बनने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है।

चल रही खोज क्या इंसान भी रह सकते हैं वहां

क्या इंसान भी जा सकता है वहां?

दुर्भाग्य से, यूरेनस और नेपच्यून जीवन के लिए बिलकुल सही नहीं हैं। यहां का वातावरण इतना प्रतिकूल है कि इंसान का रहना असंभव है। यहां तापमान लगभग माइनस 200 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

आखिर ग्रहों में कैसे बनते हैं हीरे?

हीरा बनने के लिए मीथेन का टूटना बहुत जरूरी होता है, और यह काम ग्रह पर मौजूद अत्यधिक दबाव और तापमान करते हैं। इन तीव्र स्थितियों में मीथेन के मॉलेक्यूल्स (अणु) टूट जाते हैं, जिससे कार्बन के छोटे-छोटे कण बनने शुरू हो जाते हैं, जो बाद में हीरे का रूप लेते हैं।

कुछ परतों पर हजारों डिग्री ज्यादा तापमान

यूरेनस और नेपच्यून के अंदरूनी हिस्सों में जो दबाव होता है, वह हमारी पृथ्वी के वायुमंडल से लाखों गुना ज्यादा होता है। यही नहीं, कुछ परतों में तापमान भी हजारों डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। यही अत्यधिक दबाव और तापमान कार्बन कणों को हीरे के कठोर क्रिस्टल में बदलने के लिए जरूरी है।

कार्बन एटम से कैसे बन जाता है हीरा?

जब मीथेन के अणु वातावरण के तीव्र दबाव और गर्मी के कारण टूटते हैं, तो कार्बन एटम (परमाणु) अलग होकर एक साथ समूह बनाने लगते हैं। ये कार्बन एटम धीरे-धीरे आपस में विलीन होते जाते हैं और एक कठोर, मजबूत हीरे के क्रिस्टल का रूप ले लेते हैं।

कहां गिरते हैं हीरे के क्रिस्टल?

एक बार जब कार्बन एटम हीरा बन जाते हैं, तो ग्रह का गुरुत्वाकर्षण बल उन्हें अपनी ओर खींचने लगता है। इस गुरुत्वाकर्षण के कारण ये हीरे के क्रिस्टल ग्रह की और गहरी परतों की ओर गिरने लगते हैं, जिसे वैज्ञानिक एक तरह की 'हीरे की बारिश' मानते हैं।

दुनिया का सबसे अमीर देश जहां है अरबों का खजाना
ना सेना, ना पुलिस, फिर भी सुरक्षित है ये जगह

दुनिया में कई ऐसे देश हैं जो अपनी ताकत, बड़ी सेना या मजबूत अर्थव्यवस्था के लिए जाने जाते हैं। पर एक ऐसा देश भी है जो इन सब से बिलकुल अलग है। हम बात कर रहे हैं वेटिकन सिटी की। यह न केवल दुनिया का सबसे छोटा देश है, बल्कि दुनिया के सबसे अमीर देशों में भी गिना जाता है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इसके पास कोई बड़ी सेना या पुलिस बल नहीं है, फिर भी इसका अरबों का खजाना पूरी तरह सुरक्षित है।

सिर्फ 0.49 वर्ग किमी क्षेत्रफल, कमाई इतनी

वेटिकन सिटी का क्षेत्रफल सिर्फ 0.49 वर्ग किलोमीटर है, यानी यह दुनिया का सबसे छोटा देश है. इसके बावजूद, यहां की प्रति व्यक्ति जीडीपी अक्सर 400,000 डॉलर से भी ज्यादा होती है, जो इसे दुनिया के सबसे अमीर देशों में शामिल करती है। यह अमीरी यहां मौजूद कला के खजानों और वैश्विक दान से आती है।

कौन करता है पोप की सुरक्षा?

वेटिकन सिटी के पास अपनी कोई रेगुलर सेना नहीं है, लेकिन पोप की सुरक्षा के लिए 'स्विस गार्ड' नाम की एक खास यूनिट मौजूद है। इसमें सिर्फ 135 सैनिक होते हैं, जो अपनी रंग-बिरंगी, पुरानी शैली की वर्दी में दिखते हैं। ये आधुनिक सुरक्षा तकनीकों में पूरी तरह से प्रशिक्षित होते हैं। यह गार्ड केवल दिखावा नहीं, बल्कि पोप की सुरक्षा की एक कुलीन यूनिट है।

आंतरिक कानून व्यवस्था और पुलिस

स्विस गार्ड के अलावा, आंतरिक कानून व्यवस्था और निगरानी का काम 'वेटिकन जेंडरमेरी' संभालती है। यह यूनिट सुरक्षा, निगरानी और साइबर सुरक्षा जैसे मामलों को देखती है। बड़े इवेंट्स, जैसे कि पोप की सभाएं, इटली पुलिस और इंटरपोल के साथ मिलकर सुरक्षित किए जाते हैं।

वेटिकन की असली ताकत हथियारों में नहीं

वेटिकन की असली ताकत हथियारों में नहीं, बल्कि इसकी 'सॉफ्ट पावर', विश्वास, कूटनीति और नैतिक अधिकार में निहित है। इसकी तटस्थता, जिसे वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त है, ने 1,000 से अधिक वर्षों से इसके अस्तित्व और प्रभाव को सुनिश्चित किया है। **'हमला' क्यों नहीं करता कोई देश** : कोई भी देश वेटिकन पर हमला नहीं करता क्योंकि इसकी नैतिक स्थिति, वैश्विक कूटनीतिक प्रभाव और धार्मिक महत्व बहुत बड़ा है। वेटिकन पर हमला करने का मतलब है दुनिया भर के अरबों कैथोलिक और कई शक्तिशाली देशों को नाराज करना, इसलिए इसे राजनयिक रूप से 'अछूत' माना जाता है।

सुरक्षा की गारंटी देता है पड़ोसी ये देश

वेटिकन सिटी की सुरक्षा अप्रत्यक्ष रूप से इटली के भरोसे चलती है। 1929 की लेटरन संधि के तहत, इटली इसकी रक्षा की गारंटी देता है। इसका मतलब है कि अगर कोई बाहरी खतरा हुआ तो तो इटली की सरकार तुरंत बीच में आएगी और बचाव करेगी।

कहां से आता है अरबों का खजाना?

वेटिकन को अपनी आय दुनिया भर के चर्चों से मिलने वाले दान, पर्यटन, निवेश और वेटिकन बैंक से मिलती है। इसके पास माइकल एंजेलो और राफेल जैसे महान कलाकारों की अनमोल कलाकृतियां हैं, जो इसकी सांस्कृतिक और आर्थिक ताकत का आधार हैं।

पोप के पास है कितनी ताकत?

पोप न केवल कैथोलिक चर्च के प्रमुख हैं, बल्कि वेटिकन सिटी राज्य के मुखिया भी हैं, जिससे उन्हें एक अद्वितीय राजनीतिक शक्ति मिलती है। वे दुनिया भर के नेताओं से मिलते हैं और शांति, जलवायु और नैतिकता जैसे वैश्विक मुद्दों पर बड़े-बड़े निर्णय लेते हैं, भले ही उनके पास कोई बड़ी सेना न हो।

भारत का यह गांव मशहूर है मिनी इजरायल के नाम से

नई दिल्ली। भारत देश अपनी खूबसूरती के लिए दुनिया भर में मशहूर है। यहां की सुंदरता और संस्कृति से मोहित होकर पर्यटक बार-बार यहां लौटते हैं। इसी बीच आज हम आपको बताने जा रहे हैं हिमाचल प्रदेश के ऐसे अनोखे गांव के बारे में जहां विदेशी सिर्फ घूमने नहीं आते बल्कि किराए पर घर लेते हैं और लंबे समय तक बसते हैं। इस गांव का नाम है धर्मकोट। इस गांव को मिनी इजरायल भी कहा जाता है। आइए जानते हैं आखिर क्यों इसका नाम ऐसा पड़ा।

धर्मकोट में कई संस्कृतियों का मिलन : धर्मकोट एक ऐसी खूबसूरत जगह है जहां प्रकृति और वैश्विक संस्कृति का संगम होता है। विदेशी प्रभाव, तिब्बती परंपरा और हिमालय की खूबसूरती इस जगह को एक अनोखा अनुभव देती हैं। चाहे आप एक शांत जगह की तलाश में हों या ट्रैकिंग के शौकीन या फिर अलग अलग संस्कृति का अनुभव लेना चाहते हों, धर्मकोट आपको सब प्रदान करेगा।

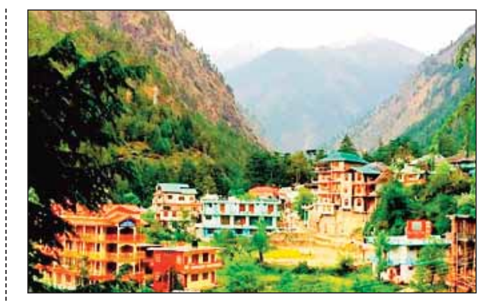

गर्मियों में एक शांत विश्राम स्थल

शहरी इलाकों की भीड़भाड़ से दूर धर्मकोट में साल भर सुहावना मौसम ही रहता है। घने देवदार के जंगलों से घिरा यह गांव गर्मियों में भी ठंडा रहता है। धर्मशाला शहर में जहां तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास होता है। वहीं धर्मकोट में 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जाता है।

सर्दियों में हो जाता है और भी खूबसूरत

सिर्फ गर्मी ही नहीं बल्कि सर्दियों के मौसम में यह जगह स्वर्ग जैसी सुंदर हो जाती है। बार-बार होने वाली बर्फबारी इस गांव को एक वंडरलैंड में बदल देती है। फोटोग्राफी के शौकीन और प्रकृति प्रेमियों को यह जगह बिल्कुल स्वर्ग जैसी लगती है। यहां पर आपको भारतीयों से ज्यादा विदेशी लोग ही देखने को मिलेंगे। अपनी प्राकृतिक सुंदरता के अलावा यह जगह अपने शांत वातावरण के लिए भी पहचानी जाती है।

इजरायली यात्रियों के लिए आकर्षण का केंद्र

मैक्लोडगंज से सिर्फ 2 किलोमीटर दूर बसा धर्मकोट गांव अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों खासकर इजरायली यात्रियों के लिए आकर्षण का एक बड़ा केंद्र है। यहां पर काफी बड़ी तादाद में इजरायली पर्यटक हैं इसलिए इसे मिनी इजरायल भी कहा जाता है। यहां की दुकानें, रेस्टोरेंट और कैफे इजरायली रंग और संस्कृति से सजी हुई हैं।

दुनिया का ऐसा देश, जहां ढूंढने से भी नहीं मिलते गरीब व बेघर...! कोई व्यक्ति भूखा नहीं सोता

नई दिल्ली। कल्पना कीजिए एक ऐसा देश, जहां गरीब होना किसी अपराध जैसा हो। स्विट्जरलैंड, जो यूरोप के सबसे समृद्ध देशों में से एक है, वहां सड़क पर कोई भिखारी या बेघर व्यक्ति नजर आना लगभग असंभव है। सरकार गरीबी को इतनी सख्ती से नियंत्रित करती है कि यह लगभग 'गायब' होचुकी है।

न्यूनतम वेतन लगभग 4 लाख रुपए

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यहां न्यूनतम वेतन 4,000 यूरो (लगभग 4 लाख रुपया) है। बेरोजगारी की स्थिति में व्यक्ति को अपनी आखिरी सैलरी का 80 फीसद भत्ता मिलता है और अगर किसी ने सड़क पर सिगरेट का बट फेंक दिया, तो 300 यूरो (करीब 30,000 रुपया) का चालान तुरंत कट जाता है! स्विट्जरलैंड में जो लोग 'गरीब' माने जाते हैं, उनके पास आमतौर पर एक घर होता है, दिन में तीन वक्त का खाना मिलता है। डॉक्टर के पास जाना भी संभव होता है। कई लोग स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं, पब्लिक ट्रांसपोर्ट से सफर करते हैं। कभी-कभी कैफे में बैठकर कैप्पुचीनो का मजा भी लेते हैं। स्विस फेडरल स्टैटिस्टिकल ऑफिस के अनुसार, यहां गरीबी दर केवल 6.6% है और यह 'रिलेटिव पॉवर्टी' है, यानी यहां कोई भूखा नहीं सोता।

ये है दुनिया की सबसे लंबी उम्र जीने वाली मछली

नई दिल्ली। समुद्र की गहराइयों में ऐसी मछली मिली है जो दुनिया की सबसे लंबी उम्र जीने वाली मानी जाती है। इसकी उम्र जानकर आप हैरान रह जाएंगे। वैज्ञानिक इसे जीव विज्ञान और उम्र अध्ययन में महत्वपूर्ण मानते हैं।

दुनिया की सबसे पुरानी मछली लंगफिश : मेथुसेला नाम की ये ऑस्ट्रेलियन लंगफिश दुनिया की सबसे पुरानी कैद वाली मछली है जो 92 से 101 साल की बताई जा रही है। 2023 की डीएनए स्टडी से पता चला कि ये पहले सोचे से भी ज्यादा उम्र की है। ये सैन फ्रांसिस्को के कैलिफोर्निया एकेडमी ऑफ साइंसेज के स्टीनहार्ट एक्वेरियम में रहती है। नाम बाइबल के मेथुसेला से लिया गया है जो 969 साल जिया था। मेथुसेला को 1938 में ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न से सैन फ्रांसिस्को लाया गया था जहाज के कार्गो में। तब ये पहले से ही 7 साल की बताई गई थी लेकिन अब उम्र ज्यादा निकल आई है।

इस मछली की लंबाई 4 फुट वजन 40 पाउंड

मेथुसेला की लंबाई 4 फुट है और वजन 18 किलो यानी 40 पाउंड के आसपास है। ये टॉरपीडो जैसे बॉडी वाली है जिसमें फैन शेप्ड स्केल्स और ब्लंट स्नाउट है। 2022 तक के रिकॉर्ड्स से ये साइज कन्फर्म है लेकिन उम्र के साथ कलर हल्का हो गया है। दूसरी लंगफिश से दिखने में मिलती है लेकिन ज्यादा एक्सपीरियंस्ड लगती है।

मेथुसेला का जेंडर कैसे पता चलेगा?

बायोलॉजिस्ट्स को यकीन है कि ये फीमेल है लेकिन कन्फर्म करने के लिए ब्लड टेस्ट रिस्की है। अब एक्वेरियम फिन का छोटा सैंपल ऑस्ट्रेलिया भेज रहा है रिसर्चर्स को। डीएनए से जेंडर और एक्जैक्ट एज दोनों पता चल सकते हैं। सेक्सुअल डाइमॉर्फिज्म न होने से ये मुश्किल काम है।

भारतीय ब्लू इकोनॉमी मिशन का बेंचमार्क बना अदाणी पोर्ट

मुंबई। बॉम्बे एग्जिबिशन सेंटर में 27 से 31 अक्टूबर तक आयोजित इंडिया मरीटाइम वीक 2025 सिर्फ एक आयोजन नहीं है बल्कि भारत की समुद्री पुनर्जागरण की कहानी है। भारतीय पोर्ट्स एसोसिएशन और बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 1 लाख से ज्यादा प्रतिनिधि, 500 से अधिक शो-मैन, 200 ग्लोबल स्पीकर और 100 देशों की भागीदारी के साथ समुद्री अर्थव्यवस्था के भविष्य की दिशा तय कर रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय मंच के केंद्र में है अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड अपने आकर्षक पवेलियन के ज़रिए यह प्रदर्शित कर रहा है कि कैसे मेक-इन-इंडिया इनोवेशन, एआई संचालित लॉजिस्टिक्स, महिला सशक्तिकरण और ग्रीन डेवलपमेंट भारत की समुद्री प्रगति को नई गति दे रहे हैं।

29 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति और ग्लोबल मरीटाइम सीईओ फोरम इस आयोजन को ऐतिहासिक आयाम देंगे, जो भारत की समुद्री नेतृत्व की महत्वाकांक्षा को और बल देगा। पिछले एक दशक में भारत की समुद्री नीति ने सागरमाला और मरीटाइम विज़न 2030 के तहत 150 से अधिक पहलें शुरू की हैं। इन पहलों का लक्ष्य है भारत को एक वैश्विक समुद्री केंद्र के रूप में स्थापित करना, जहां पोर्ट-आधारित विकास, कम लॉजिस्टिक लागत और ग्रीन कोस्टल स्ट्रक्चर मिलकर आत्मनिर्भर भारत की राह बनाते हैं। इसी परिवर्तन के केंद्र में है अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड है। गुजरात के मुंद्रा पोर्ट से शुरू हुई यह यात्रा अब 15 भारतीय और 4 अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों तक पहुँच चुकी है। 12 मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्क, 132 रेल रेक और 5,000 से अधिक वाहनों के साथ एपीएसईजेड आज देश के कुल कार्गो का लगभग 25% संभालता है। यह भारत का सबसे बड़ा इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट यूटिलिटी है, जो देश की समुद्री क्षमता का प्रतीक बन चुका है। इंडिया मरीटाइम वीक 2025 में एपीएसईजेड का पवेलियन चार प्रमुख थीम पर आधारित है आत्मनिर्भर भारत, महिला सशक्तिकरण, एआई-आधारित लॉजिस्टिक्स और इम्पैक्ट। इस अवसर पर कई महत्वपूर्ण समझौते किए जाएंगे जो भारत की पोर्ट, ड्रेजिंग और हार्बर क्षमताओं को नई ऊँचाई देंगे।

भारत के मरीटाइम मिशन का नेतृत्व कर रहा है अदाणी

मुंबई पोर्ट अथॉरिटी, चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी और वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट अथॉरिटी के साथ टग सप्लाई और चार्टर हायर के समझौते और डायरेक्टरेट जनरल ऑफ शिपिंग के साथ 12 टगबोट्स निर्माण के लिए होने वाला समझौता भारत के स्वदेशी समुद्री कौशल का प्रमाण होगा। प्रधानमंत्री मोदी की उपस्थिति में होने वाला यह साइनिंग समारोह भारत के ब्लू इकोनॉमी मिशन की नई दिशा तय करेगा। ड्रेजिंग क्षेत्र में एपीएसईजेड एक सेल्फ-प्रोपेल्ड ग्रैब ड्रेजर के निर्माण का एमओयू साइन करेगा। यह देश में स्वदेशी समुद्री इंजीनियरिंग का नया मील का पत्थर साबित होगा। वहीं, वधावन, हल्दिया, दिग्घी और विझिंजम एलएनजी बंकरिंग परियोजनाओं में नए समझौते भारत के बंदरगाह ढांचे को और मजबूत करेंगे। एपीएसईजेड की प्रदर्शनी की एक प्रमुख विशेषता है भारत का पहला ट्रेलिंग सक्शन हॉपर ड्रेजर (टीएसएचडी) सिम्युलेटर, जिसे एआरआई सिमुलेशन ने एपीएसईजेड के लिए देश में ही स्वदेशी रूप से विकसित किया है। यह परियोजना सागरमाला के उस लक्ष्य को साकार करती है, जिसके तहत पोर्ट क्षमता का विस्तार घरेलू निर्माण के ज़रिए किया जा रहा है। स्किल डेवलपमेंट भी एपीएसईजेड की कहानी का अहम हिस्सा हैं। केरल के विझिंजम पोर्ट में देश की पहली महिला क्वे क्रेन ऑपरेटरों की तैनाती इस बात का प्रमाण है कि तकनीक और प्रशिक्षण मिलकर रोजगार में समान अवसर पैदा कर सकते हैं। कंपनी की जीरो टच मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म, एआई आधारित भविष्यवाणी विश्लेषण के ज़रिए पोर्ट, रेल, सड़क और जलमार्गों को जोड़ती है जिससे लागत घटती है। अदाणी स्किल्स एंड एजुकेशन के ज़रिए कंपनी ने दो वर्षों में 8,000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित कर 100% रोजगार दिलाया है। 'कर्म शिक्षा' कार्यक्रम भारत का पहला एनसीवीईटी मान्यता प्राप्त डिप्लोमा है जो युवाओं को कक्षा और फील्ड ट्रेनिंग का मिश्रण प्रदान करता है। पूरे नेटवर्क में 53,000 लोगों ने सुरक्षा प्रशिक्षण लिया है और केवल अदाणी कृष्णापट्टनम पोर्ट में ही 7,000 युवाओं और महिलाओं को कौशल विकास से जोड़ा गया है। भारत की ब्लू इकोनॉमी आज देश के **GDP** में 4% (13.2 बिलियन डॉलर) का योगदान कर रही है। यह सिर्फ अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक नई विकासधारा है जो मत्स्य, रिन्यूएबल एनर्जी, कोस्टल टूरिज्म और लॉजिस्टिक्स को जोड़ती है। 100% एफडीआई अनुमति और ग्रीन-सी गाइडलाइंस ने भारत को सस्टेनेबल डेवलपमेंट के मार्ग पर आगे बढ़ाया है।

राशिफल

मेष कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मानसिक शान्ति रहेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।

वृष कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। धन आगमन की स्थितियां बनी रहेंगी।

मिथुन आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अति उत्साही होने से बचें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वाणी के प्रभाव में वृद्धि

कर्क अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कन्या कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। आय की स्थिति में सुधार होगा। संयत रहें। क्रोध के क्रोध से परेशान रहेंगे। भागदौड़ अधिक रहेगी।

तुला दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में तरक्की मिल सकती है।

वृश्चिक आय में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

धनु कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मकर वाणी में सौम्यता रहेगी। नकारात्मक विचारों के प्रभाव से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में अफसरों से मतभेद हो सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। संयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में सुधार होगा।

मीन शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश यात्रा पर जाना हो सकता है। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

चांग ई-6 की नई खोज, मिले पानी से भरपूर कई एस्टेरॉयड

बीजिंग। चीन के 'चांग ई-6' मिशन द्वारा चंद्रमा से लाए गए सैंपल्स में लगातार नई खोज हो रही हैं। इस खोज में कई नए उल्कापिंडों की खोज हुई है। अब ताजा अपडेट आया है कि चांद से लाए गए इन सैंपल्स में कुछ ऐसे एस्टेरॉयड पाए गए हैं, जिनमें भरपूर पानी की मात्रा दिखाई दे रही है। ये एस्टेरॉयड इस बात का संकेत देते हैं कि धरती और चंद्रमा पर पहले की तुलना में ज्यादा पानी वाले एस्टेरॉयड की बमबारी हुई थी। चंद्रमा के दूर वाले हिस्से से पहली बार जून 2024 में चीन के चांग'ए-6 मिशन ने सैंपल्स निकाले थे। इस मिट्टी के दो ग्राम के हालिया रिसर्च में सूक्ष्म ओलिवाइन युक्त क्लास्ट्स की खोज हुई, जिनमें सीआई कार्बनीय चोंड्राइट्स के समान रासायनिक हस्ताक्षर हैं। इस तरह के नाजुक अंतरिक्ष चट्टानें हमारे वायुमंडल से शायद ही गुजर पाती हैं, जिससे चंद्रमा पर हुई यह खोज और भी महत्वपूर्ण है।

शब्द पहेली - 6029

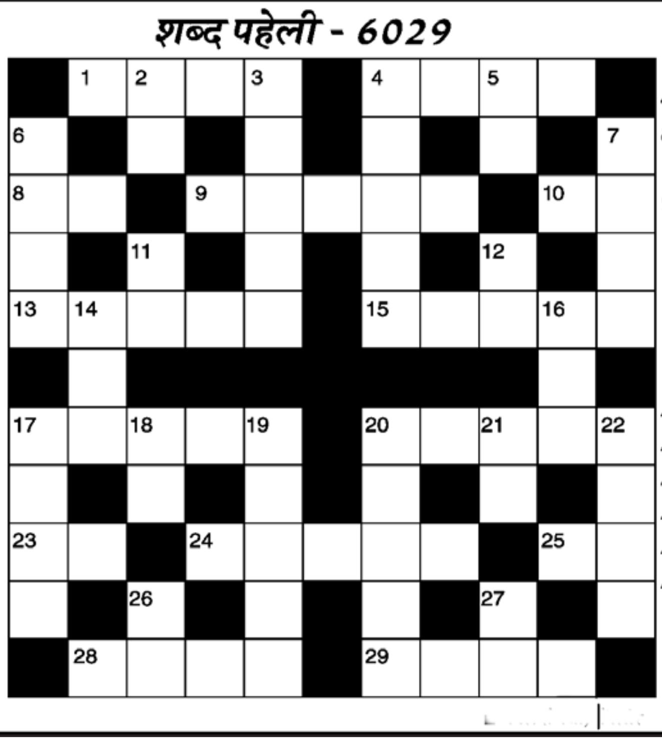

बाएँ से दाए-
1. जानकारी-4
4. मांसाहार का उलट-4
8. 'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9. कायाकल्प-5
10. पिता के छोटे भाई-2
13. कहानी लिखने वाला-5
15. नाम रखना-5
17. बेवक्त, अकाल-5
20. प्रयास, कोशिश-5
23. टोंटी, नलका-2
24. कामदेव, पुष्कर-2,3
25. डर, भय-4
28. शोर-शराबा-4
29. बेवफा, व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे
2. बिंदु, बिंदी, शून्य-2
3. गोलाकार-3
4. सम्मिलित होना-3,2
5. घाटा, नुकसान-2
6. मूर्ख, बेवकूफ-4
7. बिना कारण, बेवजह-4
11. राजा की पत्नी-2
12. वहम, संदेह-2
14. दुर्घटना-3
16. खाना बनाने की जगह, किचन-3
17. एकाएक, सहसा-4
18. अलमस्त-2
19. कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20. आरामदायी-5
21. सम्मान-2
22. भलमानसता-4
26. सद्, अच्छा-2
27. मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली -6028 का हल

सूडोकु नवताल- 6039

सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6038 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

करण की फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे भुवन बाम

मुंबई। यूट्यूबर से अभिनेता बने भुवन बाम अब ओटीटी के बाद अब बॉलीवुड में अपने बड़े डेब्यू को तैयार हैं। पिछले कुछ वक्त से ऐसी खबरें आ रही थीं कि भुवन बाम करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म से बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। अब खुद भुवन बाम ने ये कंफर्म कर दिया है और अपने इस बिग डेब्यू पर खुशी भी जताई है। भुवन ने इसे अपने लिए सपना सच होने जैसा बताया है। भुवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर धर्मा के साथ साइन किए गए आर्टिस्ट एग्रीमेंट की एक तस्वीर शेयर की और अपने सपने के सच होने पर अपनी खुशी जाहिर की। अपने कैप्शन में उन्होंने सभी से बड़े सपने देखने का आग्रह किया।

लाइफ Style

उर्वशी

जागेश्वर धाम मंदिर में रुद्राभिषेक कर लिया आशीर्वाद

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला नैनीताल और अल्मोड़ा में अपने होमस्टेट का आनंद लेती दिखीं। उन्होंने नैनी झील में बोटिंग की, पहाड़ी व्यंजन चखे और जागेश्वर धाम, गोल्ज्यू मंदिर व कैंची धाम आश्रम में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान फैंस ने उनके साथ सेल्फी और ऑटोग्राफ भी लिए. उर्वशी ने अपनी आने वाली फिल्मों और साउथ प्रोजेक्ट्स की अपडेट भी साझा की।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

31 साल की बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला इन दिनों उत्तराखंड की खूबसूरती का आनंद ले रही हैं। रविवार को उर्वशी ने न सिर्फ नैनी झील में बोटिंग का लुत्फ उठाया, बल्कि पारंपरिक पहाड़ी व्यंजन का स्वाद भी चखा। इससे पहले उर्वशी अल्मोड़ा के प्रसिद्ध जागेश्वर धाम मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए और रुद्राभिषेक कर आशीर्वाद लिया। उर्वशी रौतेला अल्मोड़ा के चितई गोल्ज्यू मंदिर और कैंची धाम आश्रम भी गई। यहां उर्वशी ने नीम करौरी बाबा के दर्शन किए। इस दौरान उर्वशी ने नैनीझील में वोटिंग का लुफ्त उठाया। उर्वशी को देखने के लिए नैनीझील पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने उर्वशी रौतेला के साथ फोटो भी खींचवाई. इतना ही नहीं, उर्वशी के फैंस उनका ऑटोग्राफ भी लिया। उर्वशी ने अपने फैंस से बातचीत की और बच्चों के साथ समय बिताया, जिससे माहौल और भी उत्साही बन गया। बता दें, उर्वशी का पहाड़ों से हमेशा लगाव रहा है इस लिए वो आकर यहां आती रहती है। उन्होंने कहा कि नैनीताल का शांत वातावरण और मौसम उन्हें बेहद पसंद है। उन्होंने इसे अपना 'नौनिहाल' बताते हुए बचपन की यादों से जोड़कर अपनी भावनाएं साझा कीं।

हॉलीवुड मसाला

शादी के बाद रिलीज किया पहला गाना

लॉस एंजिल्स। गायिका और अभिनेत्री सेलेना गोमेज ने एक बार फिर अपने फैंस के लिए एक नया वीडियो पेश किया है। गोमेज ने शादी के बाद इस हफ्ते की शुरुआत में 'इन द डार्क' नाम के नए गाने को रिलीज किया है। उन्होंने इसका वीडियो भी जारी किया है। यह गाना 'नोबडी वांट्स दिस सीजन 2: द साउंडट्रैक' का हिस्सा है, जिसमें क्रिस स्टेपलटन, केसी मुसग्रेव्स और फिननेस जैसे कलाकार भी शामिल हैं। ल्यूक ऑरलैंडो द्वारा निर्देशित इस वीडियो में, गोमेज पूरी तरह से काले रंग की पोशाक पहने हुए बड़ी, खुली जगहों से गुजरती हुई दिखाई दे रही हैं।

भारत में चौथी बार कॉन्सर्ट करने आ रहे रैपर पिटबुल

लॉस एंजिल्स। अंतरराष्ट्रीय रैपर और सिंगर पिटबुल दिसंबर महीने में एक बार फिर भारतीय दर्शकों के सामने लाइव परफॉर्म करने आ रहे हैं। 'मिस्टर वर्ल्डवाइड'के नाम से मशहूर पिटबुल अपने नए टूर 'आई एम बैक' के तहत भारत के दो बड़े शहरों- गुरुग्राम और हैदराबाद में परफॉर्म करेंगे। इस म्यूजिकल टूर की शुरुआत 6 दिसंबर को गुरुग्राम के हुडा ग्राउंड से होगी, जिसके बाद 8 दिसंबर को पिटबुल हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में परफॉर्म करेंगे। पिटबुल का असली नाम आर्मांडो क्रिश्चियन पेरेज है। दुनिया भर में वह अपने हिट गानों 'टिंबर', 'होटल रूम सर्विस' और 'नो लो ट्राटेस' के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने भारत में इससे पहले 2011, 2017 और 2019 में परफॉर्म किया था और हर बार उनके कॉन्सर्ट्स में दर्शकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला था।

पिंजर की रिलीज को पूरे हुए 22 साल

नई दिल्ली। उर्मिला मातोंडकर और मनोज बाजपेयी की साल 2003 में फिल्म पिंजर आई थी। रविवार को इस फिल्म की रिलीज को 22 साल पूरे हो चुके हैं। पिंजर बॉलीवुड की बेहतरीन और क्लासिक कल्ट फिल्मों में शामिल है। इसमें उर्मिला मातोंडकर और मनोज बाजपेयी ने अपने शानदार अभिनय से खूब वाहवाही लूटी थी। पिंजर को क्रिटिक्स ने खूब सराहा था। इसे काफी पसंद किया गया था। इसका निर्देशन चाणक्य जैसा कालजयी सीरियल बनाने वाले डायरेक्टर चंद्र प्रकाश द्विवेदी ने किया था। फिल्म 1947 में भारत-पाकिस्तान के बंटवारे पर आधारित थी। 22 साल पहले आई इस फिल्म में कलाकारों के अभिनय को काफी सराहा गया था. अगले साल इसने फिल्मफेयर अवॉर्ड भी जीता था। लेकिन, बॉक्स-ऑफिस पर ये मूवी औंधे मुंह गिरी थी।

ये रोमांटिक गीत दिल को पहुंचाता है सुकून

नई दिल्ली। मशहूर सिंगर हेमलता के गानों के करोड़ों लोग फैन हैं, उन्होंने भारतीय सिनेमा को कई बेहतरीन और यागदार गानों की सौगात दी है। 1978 में आए इस गाने को सिंगर हेमलता ने अपनी आवाज से सजाया था और रविंद्र जैन ने लिखा और इसे कंपोज किया था। यह गाना सचिन पिलगांवकर और रंजीता कौर पर फिल्माया गया था। गाने को उस वक्त जितना पसंद किया गया था यह आज भी उतना ही लोगों के दिलों पर राज करता है। हम जिस गाने की बात कर रहे हैं वो है अंखियों के झरोखों से। जी हां अंखियों के झरोखों से एक ऐसा गाना है जिसे आज की जनरेशन भी उतना ही पसंद करती है। इस गाने को अब तक यूट्यूब पर 228 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह सॉन्ग आज भी कितना पॉपुलर है।

टीवी मसाला

सतीश को साराभाई वर्सेस साराभाई की टीम ने दी अंतिम विदाई...

नई दिल्ली। 25 अक्टूबर को सीनियर एक्टर सतीश शाह ने इस दुनिया को अलविदा कहा। उनके निधन की वजह किडनी फेलियर बताई गई। 26 अक्तूबर को उनका अंतिम संस्कार किया गया और उन्हें अंतिम विदाई दी गई। इस मौके पर उनके पॉपुलर शो 'साराभाई वर्सेस साराभाई' की लीड कास्ट भी उन्हें श्रद्धांजलि देने साथ आई और उन्हें आखिरी सैल्यूट देते हुए अपने शो का टाइटल ट्रैक 'साराभाई वर्सेज साराभाई' गाया। इस गाने को गाते हुए रुपाली गांगुली बुरी तरह इमोशनल दिखीं और गाना खत्म होने के बाद तो वो खुद को संभाल ही नहीं पाईं। वहां मौजूद हर एक शख्स की आंखें नम थीं। राजेश कुमार भी खुद को संभालने के हालात में नहीं थे। सतीश शाह के निधन के बाद जब उनसे बात की गई तो उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा लग रहा है जैसे कि उन्होंने अपने पिता को खो दिया है। अनुपम खेर ने भी एक वीडियो शेयर कर सतीश के प्रति अपना प्यार और उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। अनुपम खेर ने बताया कि सतीश सेट पर हमेशा सभी को हंसाया करते थे और जनरल नॉलेज के मामले में तो कोई उनका सानी नहीं था। वह हर एक सवाल पर जवाब देते थे. शायद ही कभी ऐसा हुआ हो जब वो जवाब देने में नाकाम रहे हों। सतीश के दोस्त सचिन पिलगांवकर ने बताया कि उन्होंने किडनी ट्रांसप्लांट केवल इसलिए करावाया था, क्योंकि वे अपनी जिंदगी बढ़ाना चाहते थे ताकि पत्नी मधु शाह की देखभाल कर सकें। क्योंकि, उनकी पत्नी अल्जाइमर से जूझ रही हैं।

मृदुल की हरकत पर आगबबूला हुए सलमान

नई दिल्ली। हर हफ्ते शनिवार-रविवार को बिग बॉस 19 में वीकएंड का वार होता है, जिसमें शो के होस्ट सलमान खान आते हैं और प्रतियोगियों की हफ्ते भर की रिपोर्ट पेश करते हैं। शनिवार को अभिनेता ने कंटेस्टेंट को जमकर फटकार लगाई, जिसमें एक्टर सबसे ज्यादा मृदुल तिवारी पर भड़के। इसके अलावा सलमान ने मृदुल की हरकतों पर कहा कि बिग बॉस के घर में किसी की जान जा सकती थी। सलमान खान ने वीकएंड का वार में मृदुल तिवारी से कहा, 'आपने जो किया वो मजाक नहीं था। आपने पहले खुद अशनूर को छेड़ा, कि वो आपको पूल में डाले। फिर आप माइक निकालकर खुद तैयार हो गए। जब अशनूर ने ये किया तो आपने बदला लेना चाहा। मैं आपके बचकाने गेम्स के बारे में बीच में नहीं बोलता। लेकिन, आपके गेम्स की वजह से ना ही सिर्फ माइक्स खराब हुए, बल्कि आपने अशनूर पर तब पानी डाला जब उनके हाथ में एक हेयर ड्रायर था।' सलमान खान ने आगे कहा, 'आपको पता नहीं है कि हेयर ड्रायर में पानी चला जाता, तो क्या हो सकता था।'

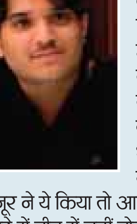

कांतारा-2 बनी साल की सबसे कमाऊ फिल्म, 'छावा' का रिकॉर्ड तोड़ा

मुंबई। ऋषभ शेट्टी अभिनीत फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' ने अपने नाम एक और उपलब्धि दर्ज कर ली है। यह इस साल रिलीज होने वाली फिल्मों में नंबर वन की कुर्सी पर काबिज हो चुकी है। विक्की कौशल अभिनीत 'छावा' को धकेलकर 'कांतारा 2' ने यह स्थान कब्जाया है। अब तक 'छावा' इस साल की नंबर वन फिल्म थी। मगर, अब 'कांतारा चैप्टर 1' ने यह जगह छीन ली है।

25 दिनों में किया करिश्मा : 'कांतारा चैप्टर 1' फिल्म 2 अक्टूबर को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन के मामले में यह फिल्म पहले नंबर पर आ गई है। प्राप्त आंकड़ों में इसने अब तक 867 करोड़ रुपये वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन जुटा लिया है। फिल्म ने यह कारनामा अपनी रिलीज के 25 दिन के भीतर कर दिखाया है।

टॉप 10 की लिस्ट में चार हिंदी फिल्में शामिल : इस साल सबसे ज्यादा कमाई करने वाली टॉप 10 भारतीय फिल्मों में अब 'छावा' दूसरे नंबर पर हो गई है। वहीं, इस साल युवाओं के बीच लोकप्रियता बटोरने वाली 'सैयारा' 579.23 करोड़ रुपये वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन के साथ तीसरे नंबर पर है। टॉप 10 की लिस्ट में सिर्फ चार हिंदी फिल्मों ने उपस्थिति दर्ज की है। इनमें- छावा, सैयारा, वॉर और सितारे जमीन पर का नाम शामिल है।

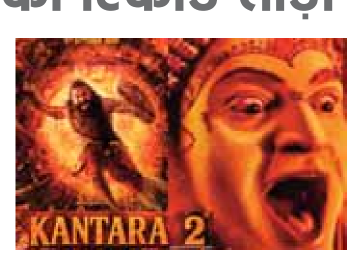

भारतीय बॉक्स ऑफिस पर जलवा कायम: भारतीय बॉक्स ऑफिस पर भी 'कांतारा चैप्टर 1' धुआं उड़ा रही है। यह फिल्म 600 करोड़ क्लब में एंट्री लेने वाली है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक अब तक भारत में इसने 583.92 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर लिया है। यह फिल्म साल 2022 में आई ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा' का ही प्रीक्वल है।

लैटिन बिलबोर्ड म्यूजिक अवॉड्र्स में रैपर बैड का दबदबा

लॉस एंजिल्स। मियामी के मंच पर इस साल लैटिन संगीत का सबसे बड़ा उत्सव देखने को मिला। साल 2025 के लैटिन बिलबोर्ड म्यूजिक अवॉड्र्स में जब विजेताओं की घोषणा हुई तो हर तरफ एक ही नाम सुनाई दे रहा था। वो नाम है- बैड बनी। जी हां, मशहूर रैपर बैड बनी ने एक ही रात में 11 अवॉड्र्स जीतकर यह साबित कर दिया कि लैटिन म्यूजिक की दुनिया में वो बहुत आगे निकल चुके हैं।

बैड बनी को मिले कौन-कौन से अवॉड्र्स? : दुनियाभर में 'टीटी मे प्रेगुंतो'जैसे गानों के लिए पहचान बना चुके रैपर बैड बनी ने इस दौरान आर्टिस्ट ऑफ द ईयर, सॉन्गराइटर ऑफ द ईयर और टॉप लैटिन एल्बम जैसे बड़े खिताब अपने नाम किए। उनका हालिया एल्बम देबी तिरार मास फोटोज दर्शकों के बीच रिकॉर्ड तोड़ लोकप्रियता हासिल कर चुका है और अब अवॉड्र्स ने उसकी सफलता पर मुहर लगा दी है। केवल बैड बनी ही नहीं, बल्कि लैटिन म्यूजिक के दूसरे सितारे भी इस रात अपनी चमक बिखेरते नजर आए। राउ एलेजांद्रो को कई अहम श्रेणियों में फाइनलिस्ट घोषित किया गया, जिनमें आर्टिस्ट ऑफ द ईयर और टूर ऑफ द ईयर जैसी कैटेगरी शामिल थीं। वहीं, करोल जी ने भी अपने लोकप्रिय गीत 'सी आंतेस ते उबिएरा कोनोसीदो' के लिए पांच नामांकन हासिल किए और छह अवॉड्र्स जीतकर महिलाओं के वर्ग में इतिहास रच दिया।

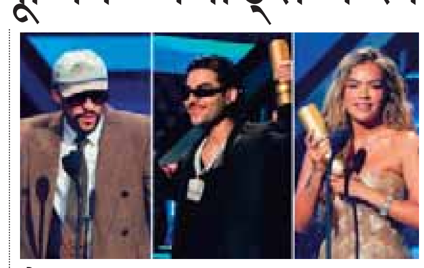

बैड ने जीत के बाद क्या कहा?

इस अवॉर्ड नाइट की खास बात यह रही कि लैटिन म्यूजिक ने न सिर्फ अपनी परंपरा बल्कि आधुनिकता का भी संगम पेश किया। मंच पर जब बैड बनी ने अपनी जीत का आभार व्यक्त किया, तो उन्होंने कहा, 'ये अवॉड्र्स सिर्फ मेरे नहीं हैं, ये उन सभी कलाकारों के हैं जो लैटिन संगीत को विश्व मंच पर ले जा रहे हैं।' वहीं इस दौरान करोल जी ने भी मंच से कहा कि लैटिन महिलाओं के लिए यह दौर नया इतिहास लिखने का है- जहां आवाजें सीमाओं से परे जा रही हैं।

प्रमुख श्रेणियों के विजेताओं की सूची

अवॉर्ड श्रेणी	विजेता
आर्टिस्ट ऑफ द ईयर	बैड बनी
आर्टिस्ट ऑफ द ईयर (न्यू)	नेटन वेगा
टूर ऑफ द ईयर	शकिरा
क्रॉसओवर आर्टिस्ट ऑफ द ईयर	बेनी ब्लांको
ग्लोबल 200 लैटिन आर्टिस्ट ऑफ द ईयर	बैड बनी
ग्लोबल 200 लैटिन सॉन्ग ऑफ द ईयर	कारोल जी
हॉट लैटिन सॉन्ग ऑफ द ईयर	बैड बनी
हॉट लैटिन सॉन्ग्स आर्टिस्ट ऑफ द ईयर (पुरुष)	बैड बनी
हॉट लैटिन सॉन्ग्स आर्टिस्ट ऑफ द ईयर (महिला)	कारोल जी

शकिरा को 'टूर ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड

शकिरा, जिनकी टूरिंग स्टाइल और मंच पर उपस्थिति आज भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती है, उन्हें इस दौरान 'टूर ऑफ द ईयर' का अवॉर्ड मिला। वहीं बेनी ब्लांको को क्रॉसओवर आर्टिस्ट ऑफ द ईयर का सम्मान मिला, जिन्होंने लैटिन और मुख्यधारा संगीत को आपस में जोड़ने में काफी अहम भूमिका निभाई है।

लोकगीतों से सजे छठ महापर्व की रौनक भोजपुरी इंडस्ट्री में भी छाई हुई है पूरी तरह

साड़ी पहन अक्षरा ने किया नहाय खाय, पवन ने जोड़े हाथ

मुंबई। भक्ति, आस्था और लोकगीतों से सजे छठ महापर्व की रौनक इस बार भोजपुरी इंडस्ट्री में भी पूरी तरह छाई हुई है। जैसे ही घाटों पर छठी मैया के गीत गूंजे, वैसे ही सोशल मीडिया पर भोजपुरी सितारों के वीडियो और तस्वीरें वायरल होने लगे। पवन सिंह, अक्षरा सिंह, आम्रपाली दुबे, दिनेश लाल यादव निरहुआ और काजल राघवानी जैसे कलाकार इस बार भी अपने-अपने अंदाज में भक्ति की छटा बिखेरते दिखे।

गानों से बढ़ाई श्रद्धा की मिठास

भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह हर साल की तरह इस बार भी छठ महापर्व पर अपने नए गीतों के साथ हाजिर हुए। उन्होंने दो गाने रिलीज किए- 'घाट चले मोदी-नीतीश' और 'कौन कलमवां से लिखलवा करमवां'। गाने रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गए। पवन सिंह ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'जय छठी मइया, सब पर कृपा बनाकर रखना।' उनके गीतों की लोकप्रियता इतनी है कि हर घाट पर अब उनके सुर गूंज रहे हैं। भक्ति और लोकधुन का यह संगम उनके फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं।

साझा किया नहाय खाय का वीडियो

भोजपुरी की लोकप्रिय अदाकारा अक्षरा सिंह ने एक बार फिर अपनी सादगी और श्रद्धा से लोगों का दिल जीत लिया। इस बार वह छठ पूजा में पारंपरिक साड़ी, मांग में सिंदूर और माथे पर बिंदी लगाए दुल्हन की तरह सजीं। अक्षरा ने इंस्टाग्राम पर वीडियो साझा करते हुए लिखा- नहाय-खाय छठ पूजा की आध्यात्मिक यात्रा की पहली सीढ़ी है। इस दिन व्रती मां छठी और सूर्य देव से आशीर्वाद मांगती हैं कि आने वाले चार दिनों तक वे नियम, भक्ति और शुद्धता बनाए रखें। यह आस्था का वह क्षण है जहाँ हर व्रती अपने जीवन की नकारात्मकता को पीछे छोड़, नवऊर्जा के साथ नई शुरुआत करती है।

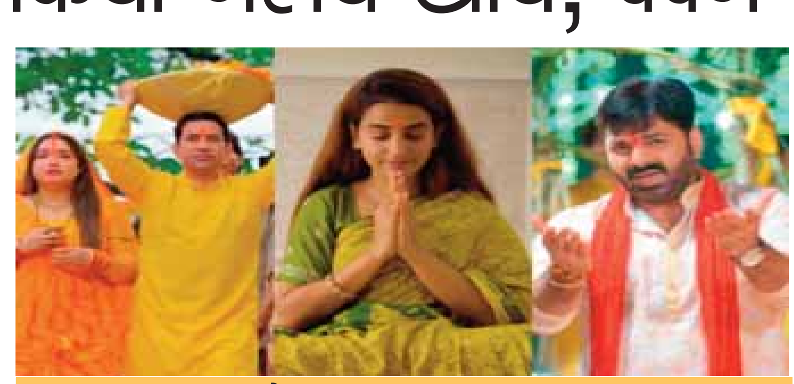

आम्रपाली और निरहुआ का इमोशनल वीडियो

इस बार छठ पर्व पर रिलीज हुआ आम्रपाली दुबे और दिनेश लाल यादव निरहुआ का म्यूजिक वीडियो सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहा है। रिलीज के कुछ ही घंटों में इसे 2 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। वीडियो में आम्रपाली एक गर्भवती महिला की भूमिका में नजर आती हैं, जो अपने बच्चे की सलामती के लिए छठी मैया से प्रार्थना करती है। गाने की कहानी, भावनाएं और लोकधुन दर्शकों को रुला देने वाली है। यही वजह है कि लोग इसे 'साल का सबसे भावनात्मक छठ गीत' कह रहे हैं।

काजल राघवानी ने बताया छठ का अर्थ

भोजपुरी इंडस्ट्री की एक और चर्चित एक्ट्रेस काजल राघवानी ने इस बार अपने सोशल मीडिया वीडियो में छठ के महत्व को बड़ी खूबसूरती से समझाया। उन्होंने कहा कि, "छठ मेरे लिए सिर्फ त्योहार नहीं, बल्कि एक भावनात्मक रिश्ता है जो मुझे मेरी मिट्टी, मेरे बचपन और मेरी मां से जोड़ता है।" उनके इस वीडियो को फैंस ने दिल से अपनाया और खूब शेयर किया।

भोजपुरी इंडस्ट्री में छठ का उत्सव

हर साल की तरह इस बार भी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री छठ की भक्ति में रंगी हुई नजर आई। सितारों ने अपने-अपने अंदाज में छठी मइया के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। कहीं घाटों पर लोकगीत गूंजे तो कहीं सोशल मीडिया पर गीतों और तस्वीरों का मेला लगा। भोजपुरी कलाकारों का यह जोश और भक्ति भाव बताता है कि ये त्योहार केवल धार्मिक नहीं, बल्कि भावनाओं और संस्कृति का उत्सव है।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत की बेटियों का शानदार प्रदर्शन, शाइना और दीक्षा ने जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| चेंगदू

शाइना मणिमुथु और दीक्षा सुधाकर ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीते, जिससे भारत बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और अंडर-15 चैंपियनशिप में अपना अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहा। अंडर-15 बालिका एकल फाइनल में शाइना ने जापान की चिहारू तोमिता को 21-14, 22-20 से हराया, जबकि दीक्षा ने हमवतन लक्ष्य राजेश को 21-16, 21-9 से हराकर अंडर-17 बालिका एकल का खिताब जीता। इस तरह से भारतीय दल ने दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदकों के साथ महाद्वीपीय स्पर्धा का समापन किया, जो चैंपियनशिप में उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

■ अंडर-15 बालिका एकल फाइनल में शाइना ने जापान की तोमिता को से हराया

शाइना अंडर-15 वर्ग का खिताब जीतने वाली चौथी भारतीय

भारत ने पिछली बार 2013 में दो स्वर्ण पदक जीते थे। तब सिरिल वर्मा ने अंडर-15 लड़कों का एकल खिताब और चिराग शेट्टी और एमआर अर्जुन ने अंडर-17 लड़कों का युगल खिताब जीता था। शाइना अंडर-15 वर्ग का खिताब जीतने वाली चौथी भारतीय महिला एकल खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने पहले गेम में तोमिता पर दबदबा बनाया और फिर दूसरे गेम में जापान की खिलाड़ी की कड़ी चुनौती से पार पाते हुए मैच 44 मिनट में जीत लिया।

अंडर-17 खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं दीक्षा

दीक्षा 27 मिनट तक चले फाइनल में अपना दबदबा कायम रखते हुए अंडर-17 खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला एकल खिलाड़ी बनीं। जगशेर सिंह खंगगुरा तथा जंगजीत सिंह काजला और जननिका रमेश की मिश्रित युगल जोड़ी ने शनिवार को कांस्य पदक जीता था।

खबर संक्षेप

पोलो कप में भारत का दबदबा, अर्जेन्टीना को हराया

नई दिल्ली। मेजबान भारत ने जयपुर पोलो ग्राउंड में कोग्नीवेरा अंतरराष्ट्रीय पोलो कप में अर्जेन्टीना को करीबी मुकाबले में 10-9 से हरा दिया। भारत के लिए जयपुर के सवाई पद्मनाभ सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। इस करीबी मुकाबले में अंतरराष्ट्रीय पोलो मैच का जुनून, ताकत और साझेदारी सब कुछ देखने को मिला। भारतीय कप्तान सिमरन सिंह शेरगिल ने कहा, 'अर्जेन्टीना के खिलाफ जीतना हमारे लिए शानदार लम्हा है। सभी खिलाड़ियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और प्रशंसकों की ऊर्जा ने हमें और अधिक उत्साहित किया। यह भारतीय पोलो के लिए गौरव का दिन है।'

भुल्लर ने हासिल किया साल का पहला शीर्ष स्थान

मनीला। भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने 20 लाख अमेरिकी डॉलर पुरस्कार राशि के इंटरनेशनल सीरीज फिलीपींस टूर में अंतिम दिन तीन अंडर 69 का स्कोर बनाते हुए शीर्ष 10 में जगह बनाई। भुल्लर (67-69-67-69) इस पूरे हफ्ते शीर्ष 10 में बने रहे। उन्होंने सभी चार दौर में 70 से कम का स्कोर बनाया, जिससे उनका कुल स्कोर 16 अंडर रहा। वह संयुक्त सातवें स्थान पर रहे जो 2025 में इंटरनेशनल सीरीज में उनका पहला शीर्ष 10 स्थान रहा। यह इस साल भारत के बाहर उनका पहला शीर्ष 10 स्थान भी था। अन्य भारतीयों में करणदीप कोचर (72) नौ अंडर के साथ संयुक्त 36वें स्थान पर रहे जबकि अजितेश संधू (69) आठ अंडर के साथ संयुक्त 40वें स्थान पर रहे। एसएसपी चौरसिया और रेहान थॉमस कट से चूक गए थे। इस सत्र में छह इंटरनेशनल सीरीज में भुल्लर ने सभी छह टूर्नामेंट में कट हासिल किया।

एशिया रग्बी एमिरेट्स के सेमीफाइनल में भारत

मस्कट। भारतीय पुरुष रग्बी टीम ने एशिया रग्बी एमिरेट्स सेवंस ट्रॉफी के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने तीनों मैच जीत कर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारत ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में लेबनान को 14-10 से हराया। इसके बाद उसने अफगानिस्तान पर 26-5 से जीत दर्ज करके अपनी लय बरकरार रखी और क्वार्टर फाइनल में ईरान पर 21-7 से शानदार जीत हासिल की। तीन मैचों में तीन जीत के साथ भारत आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच गया, जहां उसका मुकाबला सऊदी अरब से होगा। भारत अगर सेमीफाइनल में सऊदी अरब को हरा देता है तो वह न केवल फाइनल में जगह बनाएगा बल्कि पहली बार एशिया रग्बी सेवंस सीरीज के डिवीजन एक में भी पहुंच जाएगा।

करुण की सात साल बाद हुई थी वापसी, इंग्लैंड दौरे पर रहे फ्लॉप

रणजी ट्रॉफी: टीम इंडिया से निकाले जाने के बाद नायर ने मचाया कोहराम, ठोका 25वां फर्स्ट क्लास शतक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय टेस्ट टीम से बाहर किए गए करुण नायर ने रणजी ट्रॉफी में कर्नाटक के लिए गोवा के खिलाफ शतक ठोक दिया है। यह उनके फर्स्ट क्लास करियर का 25वां शतक हैं। नायर ने उस समय टीम को संभाला, जब कर्नाटक ने 65 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में नायर क्रीज पर जम गए और टीम को मुश्किल परिस्थिति से बाहर निकाला। वह पहले दिन 86 रन पर नॉटआउट थे। दूसरे दिन पहले सेशन में उन्होंने अपना शतक पूरा किया। कर्नाटक के स्कोर को 8 विकेट पर 336 रन तक पहुंचा दिया। करुण नायर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा थे। करीब सात साल बाद उनकी भारतीय टीम में वापसी हुई थी, मगर इंग्लैंड दौरे पर वह फ्लॉप रहे। वह सिर्फ एक फिफ्टी लगा पाए, जिसका खामियाजा उन्हें उठाना पड़ा।

असम और सर्विसेज का मैच सिर्फ 90 ओवरों में खत्म

तिनसुकिया में रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर का मैच असम और सर्विसेज के बीच खेला गया। इस मैच में केवल 90 ओवर, 32 विकेट, दो हैट-ट्रिक, और 359 रन देखने को मिले। यह रणजी ट्रॉफी के इतिहास का सबसे कम गेंदों (540 गेंद) में खत्म होने वाला मैच बन गया। इससे पहले 1961-62 सीजन में दिल्ली और रेलवे के बीच 547 गेंदों में मैच खत्म हुआ था, जिसमें 221 रन बने थे। हालांकि, समय के हिसाब से रणजी ट्रॉफी का सबसे छोटा मैच 4 नवंबर 1934 को मद्रास और मैसूर के बीच खेला गया था। वह मैच सिर्फ 100.5 ओवर में पहले ही दिन खत्म हो गया था।

वत्स ने फिर चमक बिखेरी, हरियाणा को दिलाई जीत

रोहतक में बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर पार्थ वत्स ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच विकेट चटकाए और हरियाणा को ग्रुप सी रणजी ट्रॉफी मैच में त्रिपुरा पर नौ विकेट से शानदार जीत दिलाई। इक्कीस साल के इस ऑलराउंडर ने लगातार दूसरी बार 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब जीता। इस बार उन्होंने आठ विकेट लिए, जिससे त्रिपुरा की टीम दूसरी पारी में महज 47 रन पर ढेर हो गई। इससे मेजबान टीम को जीत के लिए 16 रन का आसान लक्ष्य मिला। हरियाणा ने 4.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया और अब उसके दो मैचों में 12 अंक हैं। पहली पारी में 14 रन देकर तीन विकेट लेने वाले वत्स ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पहली बार पांच विकेट लिए। उन्होंने दूसरी पारी में 14 रन देकर पांच विकेट झटके।

तिनसुकिया मैदान पर 21वीं सदी का दूसरा रणजी ट्रॉफी

तिनसुकिया मैदान पर यह 21वीं सदी का दूसरा रणजी ट्रॉफी मैच था। पहले दिन 25 विकेट गिरे। असम की बल्लेबाजी पूरी तरह ढह गई। पहले दिन वो सिर्फ 17.2 ओवरों में 103 रन पर ढेर हो गए। इसके जवाब में सर्विसेज की टीम 108 रन पर ढेर हो गई। फिर दूसरी पारी में असम की टीम 29.3 ओवर में 75 रन पर सिमट गई। इसके बाद सर्विसेज ने 13.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर आठ विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

एक पारी में दो हैट्रिक बना इतिहास

पहले दिन सर्विसेज के गेंदबाजों ने असम के कप्तान रियान पराग के बल्लेबाजी के फैसले को गलत साबित कर दिया। सर्विसेज के बाएं हाथ के स्पिनर अर्जुन शर्मा ने रियान पराग, सुमित घडीगांवकर, और सिबसांकर रॉय को आउट कर सीजन की पहली हैट-ट्रिक ली। इसके बाद उनके साथी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहित जंग्रा ने दूसरी हैट्रिक ली। जंग्रा ने प्राद्युन सैकिया, मुक्तार हुसैन, और भार्गव लखर को आउट किया। अर्जुन ने भी 5 विकेट (5/46) लेकर अपनी छाप छोड़ी। यह रणजी ट्रॉफी के इतिहास में पहली बार हुआ कि एक ही पारी में दो गेंदबाजों ने हैट्रिक ली।

क्लच शतरंज चैंपियंस

ग्रैंड मास्टर गुकेश के सामने होगी कड़ी चुनौती

एजेंसी ▶▶| सेंट लुई

विश्व चैंपियन डी. गुकेश को शुरू हो रहे 412000 डॉलर इनामी क्लच शतरंज चैंपियन मुकाबले में अब तक की सबसे कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। यूरोपियन क्लब कप में अपनी टीम सुपर चेस को शानदार जीत दिलाने के बाद इस टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए अमेरिका पहुंचने वाले गुकेश को अगर जीत हासिल करनी है तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा क्योंकि विश्व रैंकिंग में पहले तीन स्थान पर काबिज खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में अपनी चुनौती पेश करेंगे। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन का ब्रेक हाल ही में पिता बनने के बाद समाप्त हो गया है और वह खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे। उनके अलावा अमेरिका के हिकारु नाकामुरा और फैबियानो कारूआना जैसे दमदार खिलाड़ी भी 18 गेम तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में चैंपियन बनने के दावेदारों में शामिल हैं।

■ कार्लसन, नाकामुरा और कारुआना प्रतियोगिता में चैंपियन बनने के प्रबल दावेदारों में शामिल

विजेता को मिलेगी 1,20, 000 अमेरिकी डॉलर की धनराशि

एक पखवाड़े के भीतर क्लच शतरंज के दूसरे टूर्नामेंट में बड़ी पुरस्कार राशि दांव पर लगी है। इसके विजेता को 1,20,000 अमेरिकी डॉलर की धनराशि मिलेगी। दूसरा पुरस्कार 90,000 अमेरिकी डॉलर है, जबकि तीसरा और चौथा पुरस्कार क्रमशः 70,000 अमेरिकी डॉलर और 60,000 अमेरिकी डॉलर है। इसके अलावा प्रत्येक राउंड में प्रत्येक जीत पर 72,000 अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त राशि दांव पर लगी है।

बेलिंडा बनीं पैन पैसिफिक ओपन की चैंपियन, जीता कॅरियर का 10वां खिताब

एजेंसी ▶▶| टोकियो

स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिच ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए डब्ल्यूटीए पैन पैसिफिक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-2, 6-3 से हराकर अपने करियर का 10वां खिताब जीता। बेनसिच ने इससे पहले इस टूर्नामेंट में 10 साल पहले भाग लिया था। उन्होंने फाइनल में चेक गणराज्य की अपनी प्रतिद्वंद्वी पर दबदबा बनाए रखा। बेनसिच ने नोस्कोवा की सर्विस को तीन बार तोड़ते हुए एक घंटे 22 मिनट में आसान जीत हासिल की। टोकियो से स्विस खिलाड़ी की सुखद यादें जुड़ी हैं। उन्होंने चार साल पहले टोकियो में ओलंपिक महिला एकल में स्वर्ण पदक और युगल में रजत पदक जीता था। मैच के बाद बेनसिच ने कहा, 'आप लोगों के सामने खेलना शानदार रहा। पिछली बार मैंने यहां जब टोकियो ओलंपिक में जीत हासिल की थी, तब स्टेडियम खाली था, इसलिए माहौल बिल्कुल अलग था, लेकिन आप लोगों के सामने खेलना बहुत अच्छा लगा। मुझे जापान में खेलना बहुत पसंद है, इसलिए मैं यह टूर्नामेंट जीतकर बहुत खुश हूं।'

महिला विश्व कप
न्यूजीलैंड की टीम 38.2 ओवर में 168 रन पर आउट

न्यूजीलैंड की वर्ल्ड कप और सोफी की हार के साथ विदाई, 8 विकेट से जीता इंग्लैंड

एजेंसी ▶▶| विशाखापत्तनम

इंग्लैंड ने स्पिनरों के कमाल और एमी जोन्स की शानदार पारी की मदद से महिला विश्व कप के मुकाबले में न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराकर स्टार ऑलराउंडर सोफी डिवाइन की विदाई को यादगार नहीं बनने दिया। न्यूजीलैंड की कप्तान डिवाइन ने अपने अंतिम वनडे मैच में टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन उनके बल्लेबाज अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे और उसकी पूरी टीम 38.2 ओवर में 168 रन पर आउट हो गई। इंग्लैंड ने दो विकेट पर 172 रन बनाकर 124 गेंद शेष रहते हुए आसानी से जीत हासिल की। जोन्स ने 92 गेंद पर नाबाद 86 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल है। उन्होंने टैमी ब्यूमोंट (40) के साथ पहले विकेट के लिए 75 रन और हीथर नाइट (33) के साथ दूसरे विकेट के लिए 83 रन की साझेदारी की।

न्यूजीलैंड सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर: इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका था, जहां उसका सामना 29 अक्टूबर को गुवाहाटी में तीसरे नंबर की टीम दक्षिण अफ्रीका से होगा। दूसरा सेमीफाइनल इसके एक दिन बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवी मुंबई में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड की टीम पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुकी थी लेकिन उम्मीद की जा रही थी कि वह इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करके अपनी कप्तान डिवाइन को जीत के साथ विदाई देगी, जिन्होंने पहले ही घोषणा कर दी थी कि यह वनडे क्रिकेट में उनका आखिरी मैच होगा।

न्यूजीलैंड की जॉर्जिया रोमांचक पारी में जड़े 7 चौके

पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत एक बार फिर अच्छी नहीं रही और अनुभवी सलामी बल्लेबाज सूजी बेट्स ने अपना खराब प्रदर्शन जारी रखा तथा फुलटॉस गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठीं। इसके बाद 20 वर्षीय जॉर्जिया प्लिमर ने 57 गेंदों पर 43 रन की रोमांचक पारी में सात चौके लगाए और दूसरे विकेट के लिए अमेलिया केर के साथ 82 गेंदों पर 68 रन जोड़े। लेकिन इंग्लैंड ने जोरदार वापसी की और एलिस कैप्सी ने अमेलिया केर को पवेलियन की राह दिखा दी, जिन्होंने 43 गेंद पर 35 रन बनाए, जिसमें पांच चौके शामिल हैं।

लिवरपूल का निराशाजनक प्रदर्शन, लगातार चौथी हार

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

मौजूदा चैंपियन लिवरपूल का इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन जारी है और लगातार चौथी हार से खिताब बचाने की उसकी उम्मीदों को करारा झटका लगा है। लिवरपूल के लिए कुछ भी अच्छा नहीं चल रहा है और ब्रेंटफोर्ड से 3-2 की हार से वह अंक तालिका में छठे स्थान पर खिसक गया है। मैनचेस्टर युनाइटेड ने इस सत्र में अभी तक बेहतर प्रदर्शन किया है। उसने ब्राइटन के खिलाफ 4-2 से जीत दर्ज की, जिससे वह चौथे स्थान पर पहुंच गया है।

वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 4 विकेट से हराया

ब्रुक ने लगाए 11 छक्के, खेली 135 रन की तूफानी पारी

एजेंसी ▶▶| माउंट मानगानुई

हैरी ब्रुक ने 135 रन की अपनी असाधारण कप्तानी पारी में 11 छक्के लगाए, लेकिन इसके बावजूद इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में रविवार को 4 विकेट से हार गई। इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 35.2 ओवर में 223 रन पर आउट हो गई। उसके केवल दो बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंचे। न्यूजीलैंड ने छह विकेट पर 224 रन बनाकर 80 गेंद शेष रहते हुए जीत हासिल की। ब्रुक ने अपनी शतकीय पारी में 11 छक्कों के अलावा नौ चौके भी लगाए।

■ ब्रुक के शतक के बावजूद न्यूजीलैंड से हारा इंग्लैंड

न्यूजीलैंड की शुरुआत रही खराब

न्यूजीलैंड की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसका स्कोर तीन विकेट पर 24 रन हो गया। आउट होने वाले बल्लेबाजों में केन विलियमसन भी शामिल थे, जो सात महीने में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे थे लेकिन खाता खोलने में भी नाकाम रहे। इसके बाद डेरिल मिचेल और माइकल ब्रेसवेल ने पांचवें विकेट के लिए 92 रन की साझेदारी की। ब्रेसवेल ने 51 रन बनाए। मिचेल ने 78 रन बनाकर नाबाद रहते हुए न्यूजीलैंड को जीत दिलाई।

न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर हावी हुए हैरी

इससे पहले ब्रुक उस समय क्रीज पर आए जब इंग्लैंड का स्कोर दूसरे ओवर में दो विकेट पर चार रन था। इसके बाद जल्द ही उसका स्कोर छह विकेट पर 56 रन हो गया। इंग्लैंड के कप्तान ने हालांकि एक छोर संभाल कर रखा और वनडे में अपना दूसरा शतक लगाया। यह एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर भी है। ब्रुक ने 11 छक्कों के अलावा नौ चौके भी लगाए और धीरे-धीरे न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर हावी हो गए, जिन्होंने इंग्लैंड के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया था।

ब्रुक के वनडे क्रिकेट में 1000 रन पूरे

ब्रुक ने जेमी ओवरटन (46) के साथ छठे विकेट के लिए 87 और ल्यूक वुड (नाबाद पांच) के साथ आखिरी विकेट के लिए 57 रन जोड़े। उन्होंने इंग्लैंड के कुल स्कोर में 60 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया और अपनी पारी के दौरान वनडे क्रिकेट में 1000 रन पूरे किए। न्यूजीलैंड की तरफ से जाकरी फाकस ने चार, जैकब टफी ने तीन और मैट हेनरी ने दो विकेट लिए।

कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के नवीन भवन का लोकार्पण

शिक्षा के मंदिर सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि संस्कार के प्रतीक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हरिभूमि जबलपुर।

शिक्षा के मंदिर कागज की मार्कशीट देने मात्र नहीं बल्कि गुणवत्तापूर्ण एवं परिणाम उन्मुख शिक्षा को संस्थागत स्वरूप प्रदान करने का काम करते हैं। सरकार का लक्ष्य केवल भवन निर्माण नहीं बल्कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करना है। सरकार उच्च शिक्षा के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए बेहतर कार्य कर रही है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय परिसर में निर्मित नवीन शैक्षणिक भवन लोकार्पण एवं मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में कही। उन्होंने 13 करोड़ 37 लाख रुपये से तथा शासकीय विज्ञान महाविद्यालय के 10.05 करोड़ की लागत से निर्मित नवीन शैक्षणिक भवन का लोकार्पण किया। इस लोकार्पण और सम्मान समारोह में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, राज्यसभा सदस्य मती सुमित्रा बाल्मीकि, विधायक अशोक रोहाणी, विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, विधायक नीरज सिंह, संतोष वरकडे.मंचासीन थे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान का उल्लेख करते हुए कहा कि महाकोशल क्षेत्र को जितना आशीर्वाद मां नर्मदा का मिला है उतना देश के किसी अन्य भू-भाग को प्राप्त नहीं हुआ है। जिस तरह लोहा पारस पत्थर को छूते ही सोने में परिवर्तित हो जाता है, ठीक उसी तरह मां नर्मदा की धारा पत्थर को छूते ही उसे संगमरमर में बदल देती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीरांगनाओं को याद करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई के शौर्य एवं पराक्रम की अद्भुत गाथा गौरवांवित करती है। उनके समर्पण और त्याग को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पहली कैबिनेट बैठक जबलपुर में करने का निर्णय लिया। उनके नाम पर रानी दुर्गावती अन्न प्रोत्साहन योजना शुरू की गई। जिसके अंतर्गत कोदो-कुटकी का उपार्जन न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने का काम मध्यप्रदेश सरकार कर रही है।

निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जायेगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. ईश्वरदास रोहाणी के द्वारा क्षेत्र के विकास के लिए किए गये कार्य आज भी याद किये जा रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दादा की पाठशाला का भी शुभारंभ किया। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर शहर का विकास सुव्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। जो विकास की गति जबलपुर ने पकड़ी है, उस पर हमें गर्व है। जबलपुर के विकास के लिए कोई कमी नहीं होगी।

शिक्षा को रोजगार परक बनायेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति केवल एक शैक्षणिक सुधार नहीं बल्कि शिक्षा को रोजगार परक और व्यावसायिक कौशल से युक्त बनाने वाली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह नई शिक्षा नीति देश को आत्मनिर्भर और गौरवशाली बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसके माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस के बलिदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अंग्रेजों के ही सबसे अधिक बुद्धिमान होने की बात को आईसीएस की परीक्षा उत्तीर्ण कर गलत साबित किया। इतना ही नहीं उन्होंने लोकतंत्र की स्थापना के लिए इस नौकरी को ठुकरा दिया और अंग्रेजों को करारा जवाब दिया। इसी जबलपुर की धरती से नेताजी सुभाषचंद्र बोस अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है। लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए युवाओं को आगे आने की जरूरत है, यह बात भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस कार्यक्रम में मौजूद युवाओं से कही। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वदेशी के मूल मंत्र को अपनाने की बात भी उन्होंने कही। उन्होंने यहां मौजूद मेधावी विद्यार्थियों को बधाई भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र तभी सशक्त रहेगा जब हम सब मिलकर उसकी रक्षा करेंगे। लोकतंत्र जनता की भागीदारी से जीवित रहता है। भारत का लोकतंत्र आज पूरी दुनिया के लिए उदाहरण बन गया है। आज उसी लोकतंत्र की ताकत है कि एक गरीब परिवार का बेटा, भारत का प्रधानमंत्री बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में हमारे पास वह प्रेरणा है, जिसने साबित किया कि परिश्रम, समर्पण और राष्ट्रभक्ति से कोई भी असंभव लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

स्वागत भाषण देते हुए विधायक अशोक रोहाणी ने कहा कि आज का यह अवसर बहुत विशेष है। आज हम न केवल कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, जबलपुर के नवीन भवन का लोकार्पण कर रहे हैं, बल्कि उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी सम्मानित कर रहे हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से इस शहर और संस्थान का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जब वे उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में यहाँ आये थे।

रोड शो में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जगह-जगह लोगों ने किया स्वागत

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जबलपुर आगमन पर रोड शो किया गया। इसकी शुरूआत सांइस कॉलेज के सामने से हुई। इस दौरान सड़कों के आस-पास, सड़क के किनारे मंच बनाकर पुष्प वर्षा की गई। लोग मुख्यमंत्री डॉ. यादव की एक झलक पाने को आतुर दिखे। लोगों में रोड शो को लेकर असीम उत्साह दिखाई दिया। जगह-जगह मुख्यमंत्री का जयकारे लगाये गये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रोड शो के दौरान उपस्थित विशाल जन समूह का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, अशोक रोहाणी, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर खुली जिप्सी में मौजूद होकर लोगों का आभार प्रदर्शन कर रहे थे।

पाटन के ढाबा में गोलीबारी: आनंदी बाई ठाकुर ने पुलिस अधीक्षक के नाम सौंपा आवेदन, धुनसौर की सरपंच के पति पर लगाये साजिश रचने सहित अनेक संगीन आरोप

झूठे एवं मनगढ़ंत मामले में पुत्र को फंसाया जा रहा, जांच कर निष्पक्ष कार्यवाही हो

जबलपुर। खमदेही, तहसील शहपुरा, पोस्ट सहसन, थाना पाटन जिला जबलपुर निवासी आनंदीबाई ठाकुर पति स्व. गोविंदसिंह ठाकुर ने पुलिस अधीक्षक को सौंपे गए आवेदन में बताया कि मेरे पुत्र संग्राम सिंह को झूठे एवं मनगढ़ंत गोलीकांड प्रकरण में फंसाने का प्रयास किया जा रहा, अतः मामले की जांच कर निष्पक्ष कार्यवाही की जाए। आनंदी बाई ठाकुर ने बताया कि मैं लगभग 65 वर्ष की हूं और गृहणी हूँ। गुरुवार समय शाम लगभग 6 बजे में अपने निज निवास में थी तथा मेरा पुत्र संग्राम सिंह भी मेरे साथ ही था। मेरा पुत्र संग्राम सिंह घर के आंगन में अपने मित्रों के साथ ही बैठा था घर पर सी.सी. टी.वी. कैमरा लगा हुआ है जिसमें मेरे पुत्र संग्राम सिंह एवं उनके मित्रों की फुटेज है, जिसे मेरे परिजनों ने कैमरामेन को बुलाकर निकाला है जो पेन ड्राईव में सेव है।

यह कि रात्रि में सहजपुर के पास स्थित आकाश ढाबा में कुछ असामाजिक तत्वों ने वहां पर गोलीबारी की तथा ढाबे में जिस व्यक्ति दुर्गेश पटेल को गोली लगी है, वह मेरे पुत्र संग्राम सिंह को मनगढ़ंत व वेबुनियाद झूठे मामले में फंसाने की कोशिश कर रहा है, जिस कारण से थाना भेड़ाघाट पुलिस मेरे पुत्र संग्राम सिंह को रात्रि करीब 12:30 बजे उठाकर ले गई है तथा थाने में बैठाकर रखी हुई है। उसके साथ मारपीट कर झूठे मामले में फंसाने की साजिश रची जा रही है।

मेरे पुत्र संग्राम सिंह को जो व्यक्ति फंसाने की कोशिश कर रहा है उसका नाम दुर्गेश पटेल है जो घुनसौर में सरपंच पति है जिसके ऊपर लूट, हत्या, डकैती एवं फिरौती, जमीन का अवैध कब्जा आदि के ढेरों मामले विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज हैं तथा न्यायालयों में मुकदमें चल रहे हैं। ऐसे व्यक्ति की बात में आकर मेरे पुत्र संग्राम सिंह को झूठे मामले फंसाने हेतु भेड़ाघाट पुलिस उठाकर ले गई है। अतः प्रार्थना है कि मेरे पुत्र को जो कि सीधा-सादा एवं निर्दोष है उसे थाने में बंद कर मारपीटकर जुर्म स्वीकार करने का दबाव बनाया जा रहा है। कृपया उचित कार्यवाही कर मेरे पुत्र को छोड़ा जाए।

सटोरिया से 21 हजार जब्त

जबलपुर। ओमती पुलिस ने कल दोपहर के वक्त मुखबिर की सूचना पर नया मोहल्ला स्थित सामुदायिक केन्द्र के पास दबिश देकर एक व्यक्ति को सट्टा लिखते हुए रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी क्षेत्र का शातिर बदमाश है। जिसके खिलाफ आधा दर्जन संगीन वारदातो के मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सट्टा एक्ट के तहत कार्यवाही कर उसे अभिरक्षा में लेते हुए उसके कब्जे से 21 हजार रूपए नगदी व सट्टा पट्टी जब्त की है ओमती थाना प्रभारी राजसिंह बघेल ने बताया कि उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि नया मोहल्ला में सामुदायिक केन्द्र के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से सट्टा-पट्टी लिख रहा है पुलिस ने मौके पर दबिश देकर आरोपी को मुखबिर के बताये हुलिये के आधार पर दबोच लिया पूछताछ के दौरान आरोपी ने नाम अल्लू उर्फ शेख अलीम बताया। तलाशी के दौरान अल्लू के पास से खाई बाजी का हिसाब लिखी हुई एक सट्टा पट्टी व २१ हजार रूपए नगदी जब्त किये है।

पुराने विवाद पर चाकू से जानलेवा हमला

जबलपुर। गढ़ा थानांतर्गत नारायण नगर गार्डन में पुराने विवाद के चलते एक युवक पर दूसरे ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार हमले में घायल गुलौआ चौक, शुक्ला नगर, मदन महल निवासी 18 वर्षीय वंश ठाकुर उर्फ लकी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह शुक्ला नगर में अनुज केवट के मकान में किराए से रहता हैं और गंगा नगर पानी के प्लांट में काम करता हैं। करीब डेढ़ वर्ष पूर्व गौरव ठाकुर को पैर में चोट लगने पर मकान मालिक अनुज केवट ने पैसा लगाया था। गौरव को हरिजन केस में पैसे मिलने पर अनुज ने इलाज में लगाए गए पैसे वापस मांगे। इसी विवाद पर 23 अक्टूबर की दोपहर करीब सवा 2 बजे सुमित केवट के साथ जब वंश नारायण नगर गार्डन घूमने गया था तभी आरोपी गौरव ठाकुर उर्फ गौरी पार्क के गेट के पास बैठा था। उसे एवं सुमित को आरोपी ने रोका और चाकू से जानलेवा हमला कर वंश की हत्या का प्रयास किया।

सर्वेन्ट क्वाटर में युवक ने लगायी फांसी

जबलपुर। घमापुर थानान्तर्गत जीसीएफ स्टेट स्थित सर्वेन्ट क्वाटर में रहने वाले एक युवक ने साड़ी के फंदे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का कारण फिलहाल अज्ञात है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर जांच में लिया। पुलिस ने घटना के संबंध में बताया कि जीसीएफ स्टेट सर्वेंट क्वाटर निवासी श्रीमती शीला कुशवाहा लगभग दस बजे विक्टोरिया अस्पताल उपचार के लिए डाक्टर को दिखाने गयी थी । वह शाम ५ बजे जब वह वापिस लौटी तो देखा कि घर में अकेले उसके लड़के रमेश कुशवाहा ने छत में लगी पाईप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जिसकी मौत हो गई थी। सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

मुख्यालय मध्य भारत एरिया

जम्मू एवं कश्मीर राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर में शौर्य वीर रन का आयोजन

हरिभूमि जबलपुर।

इन्फैंट्री डे के अवसर पर 'शौर्यवीर रन 2025' और 'फिट इंडिया फ्रीडम रन 6.0' का भव्य आयोजन मुख्यालय मध्य भारत एरिया के अंतर्गत जम्मू एवं कश्मीर राईफल्स रेजिमेंटल सेंटर, जबलपुर में किया गया। यह आयोजन कर्नल सुरम सिंह, कार्यवाहक कमांडेंट, जम्मू एवं कश्मीर राईफल्स रेजिमेंटल सेंटर के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम में 3 किलोमीटर, 5 किलोमीटर एवं 10 किलोमीटर की तीन दौड़ श्रेणियाँ शामिल थीं, जिनमें पुरुषों, महिलाओं, बालकों और बालिकाओं सहित विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह दौड़ भारतीय सेना के साहस, अनुशासन और फिटनेस को समर्पित थी। इसका उद्देश्य इन्फैंट्री डे के ऐतिहासिक महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना, और सभी प्रतिभागियों में शारीरिक तंदुरुस्ती और आपसी सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करना था। दौड़ के समापन पर, प्रत्येक श्रेणी के विजेताओं को मुख्य अतिथ द्वारा सम्मानित किया गया। उन्हें पुरस्कार राशि और पदक प्रदान किए गए, ताकि उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और जज़्बे को सराहा जा सके। अपने समापन भाषण में, कर्नल सुरम सिंह, कार्यवाहक कमाडेंट जम्मू और कश्मीर राईफल्स रेजिमेंटल सेंटर ने भारतीय सेना में शारीरिक फिटनेस के महत्व को रेखांकित किया और प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की। उन्होंने इस आयोजन को इन्फैंट्री की विरासत को सम्मानित करने का एक सार्थक प्रयास और फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रेरणादायक पहल बताया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240